About the Book

आगे बढ़ने से पहले अपनी परीक्षा की तैयारी को और मजबूत करने के लिए हमारी नवीनतम प्रैक्टिस बुक के साथ तैयार हो जाओ, जो Agrawal Examcart के विशेषज्ञों द्वारा मेहनत से तैयार की गई है। यहाँ जानिए इसे लेने के मुख्य कारण :

- हमने पिछले वर्षों के पेपर्स, परीक्षा का पाठ्यक्रम और पैटर्न का पूरा आकलन किया है। विगत वर्षों के पेपर्स को ध्यान से विश्लेषित किया गया है और समझने का प्रयास किया गया है कि परीक्षा सेटर के दृष्टिकोण से कौन-कौन से अध्याय महत्वपूर्ण हैं, हर अध्याय पर कितने प्रश्न पूछे जाते हैं और इन प्रश्नों का कठिनाई स्तर भी तय किया जाता है।

- इस विस्तृत विश्लेषण के आधार पर, हमारी टीम ने एक प्रैक्टिस बुक तैयार की है जो अद्भुत और सटीक प्रैक्टिस सेट्स को संयोजित करती है। हमारा मानना है कि इस पुस्तक में दिया गया प्रत्येक प्रैक्टिस सेट आगामी परीक्षा पेपर से काफी मिलता जुलता होगा। हर पेपर को हल करने पर मिलने वाला परिणाम आपको आपके आगामी परीक्षा स्कोर का सही ढंग से पूर्वानुमान करने में मदद करेगा और साथ ही आपकी परीक्षा तैयारी का 80% की सटीकता के साथ आकलन करने में सक्षम होगा।

अपनी परीक्षा सफलता को किस्मत पर न छोड़ें। इस प्रैक्टिस बुक की कॉपी आज ही प्राप्त करें और अपनी तैयारी को अगले स्तर पर ले जाएँ।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB1882

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (सामाजिक विज्ञान)
प्रैक्टिस सेट्स एवं सॉल्व्ड पेपर्स
ISBN - 978-93-6054-648-9

₹ 569

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा सामाजिक विज्ञान

CB1882

AGRAWAL EXAMCART

TOP SELLING TGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा

Most Updated Book!
UP TGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

सामाजिक विज्ञान

15 प्रैक्टिस सेट्स एवं 05 सॉल्व्ड पेपर्स

(2021, 2019, 2018, 2013, 2011)

LT.Grade

Code	Price	Pages	ISBN
CB1882	₹569	567	978-93-6054-648-9

विषय सूची

➔ परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना v

➔ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा पाठ्यक्रम vi

सॉल्व्ड पेपर्स

☆ उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 29-07-2018) 1-29

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा–2021 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 8 अगस्त, 2021) 1-43

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा–2016 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 8 मार्च, 2019) 1-25

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा–2013 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र 26-49

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा–2011 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र 50-72

प्रैक्टिस सेट्स 1-415

➢ प्रैक्टिस सेट - 1 1-28

➢ प्रैक्टिस सेट - 2 29-57

➢ प्रैक्टिस सेट - 3 58-85

➢ प्रैक्टिस सेट - 4 86-111

➢ प्रैक्टिस सेट - 5 112-138

➢ प्रैक्टिस सेट - 6 139-168

➢ प्रैक्टिस सेट - 7 169-195

➢ प्रैक्टिस सेट - 8 196-224

➢ प्रैक्टिस सेट - 9 225-250

➢ प्रैक्टिस सेट - 10 251-279

➢ प्रैक्टिस सेट - 11 280-305

➢ प्रैक्टिस सेट - 12 306-331

➢ प्रैक्टिस सेट - 13 332-359

➢ प्रैक्टिस सेट - 14 360-386

➢ प्रैक्टिस सेट - 15 387-415

प्रैक्टिस सेट–1

भाग–I (Part-I)

निर्देश–भाग–1 में चार प्रश्न **1.(i), 1.(ii), 1.(iii) और 1.(iv)** अभ्यर्थी को इनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना है–

1.(i) इंग्लैंड में संसदीय सम्प्रभुता के सिद्धान्त का वास्तविक अर्थ है–

(A) संसद अपनी इच्छा से कोई कानून बना सकती है।

(B) संसद द्वारा प्रख्यापित किए गए कानूनों के अतिरिक्त जनसाधारण पर किसी अन्य राजनीतिक मानकों का बन्धन नहीं है

(C) संसद द्वारा पारित कानूनों को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती

(D) संसद कानूनों और राजनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से सर्वोच्च है

1.(ii) स्विफ्ट किस कारण विकसित होती हैं ?

(A) खाड़ियों के साथ–साथ जलधाराओं की वृत्ताकार गति

(B) तट के सहारे वेलांचली प्रवाह की रचना

(C) सूक्ष्म कणिक धूल का बड़े पैमाने पर निक्षेप

(D) तट के किनारे जलधाराओं की तिरछी गति

1.(iii) सामाजिक समझौता सिद्धान्त यह सिद्ध करना चाहता था कि राज्य–

(A) एक अवयव–संस्थान है

(B) एक वर्ग है

(C) एक यन्त्र है

(D) एक सुरक्षा कम्पनी है

1.(iv) एकाधिकार फर्म की सीमान्त आय कीमत से कम होती है। क्योंकि–

(A) माँग वक्र का ढलान सकारात्मक होता है

(B) माँग वक्र का ढलान नकारात्मक होता है

(C) एकाधिकारी को हानि होती है

(D) एकाधिकारी संतुलन में है

भाग–II (Part-II)

निर्देश–भाग–2 में चार खण्ड–I (Section-I), खण्ड–II (Section-II), खण्ड–III (Section-III), खण्ड–IV (Section-IV) हैं। अभ्यर्थी को इन चार खण्डों में से किन्हीं दो खण्डों के ही उत्तर देने हैं।

खण्ड–I इतिहास

2. राज्य समाजवाद और श्रेणी समाजवाद के बीच का मार्ग, वह वर्णन निम्नलिखित में से किस पर लागू होता है?

(A) फेबियन समाजवाद

(B) गिल्ड समाजवाद

(C) मार्क्सवादी समाजवाद

(D) प्लैटोनिक समाजवाद

3. हड़प्पा सभ्यता का उत्कर्ष काल था–

(A) 1000–600 ई. पू.

(B) 2250–1750 ई. पू.

(C) 1500–1000 ई. पू.

(D) 1200–800 ई. पू.

4. गुफ्कराल निम्न में कहाँ स्थित है?

(A) स्वात घाटी (B) ब्रह्मपुत्र घाटी

(C) सिन्धु घाटी (D) गंगा नदी घाटी

5. दिल्ली का प्रथम सुल्तान जिसने दरबार में गैर इस्लामी प्रथाओं का प्रचलन कराया, कौन था ?

(A) कुतुबुद्दीन ऐबक (B) इल्तुतमिश

(C) बलबन (D) नासिरुद्दीन महमूद

6. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लक्षण सिन्धु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है/करते हैं ?

1. उनके विशाल महल और मन्दिर होते थे।
2. वे देवियों और देवताओं दोनों की पूजा करते थे।
3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथों का प्रयोग करते थे।

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथनों को चुनिये–

(A) केवल 2 (B) केवल 1 और 2

(C) 1, 2 और 3 (D) इनमें से कोई नहीं

7. ब्राह्मण पिता तथा वैश्व माता से उत्पन्न पुत्र को वर्गीकृत किया जाता था–

(A) अम्बष्ठ (B) निषाद

(C) कायस्थ (D) व्रत्य

8. निम्न में कौन शैव सम्प्रदाय सबसे पहले अभ्युदित हुआ?

(A) कापालिक (B) कालामुख

(C) पाशुपत (D) कनपटा

9. मौर्य प्रशासन में माप और तौल का अध्यक्ष था–

(A) संस्थाध्यक्ष (B) लवणाध्यक्ष

(C) शुल्काध्यक्ष (D) पौतवाध्यक्ष

10. चन्द्रगुप्त मौर्य का प्राचीनतम अभिलेखीय उद्धरण निम्न में किस अभिलेख में मिलता है?

(A) अशोक का बारबरा गुफा अभिलेख

(B) दशरथ का नागार्जुनी गुफा अभिलेख

(C) अशोक का जूनागढ़ शिलालेख

(D) रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख

11. मौर्य प्रशासन में रूपदर्शक था–

(A) मंच–प्रबन्धक

(B) स्वर्ण, चाँदी तथा ताँबे का परीक्षक

(C) सिक्कों का परीक्षक

(D) गणिकाओं का अध्यक्ष

12. मौर्य काल में निम्न में कौन–सी मुद्रा प्रचलन में थी?

(A) पण (B) तौल

(C) काकिनी (D) दीनार

13. निम्न में कौन प्राचीन तमिल ग्रन्थ व्याकरण से सम्बन्धित है?

(A) शिल्पादिकारम (B) मणिलेखलै
(C) तोलकाप्पियम (D) पुराणानूरू

14. निम्न में किसने चरक को संरक्षण प्रदान किया?
(A) चन्द्रगुप्त II (B) मिलिन्द
(C) पुष्यमित्र शुंग (D) कनिष्क

15. शुंग शासक अग्निमित्र निम्न में किस लेखक की कृति का नायक था?
(A) पतंजलि (B) अश्वघोष
(C) कालिदास (D) बाण

16. चतुर्थ बौद्ध सभा निम्न में किस शासक के शासन काल में आयोजित की गई थी?
(A) बिन्दुसार (B) अशोक
(C) चन्द्रगुप्त (D) कनिष्क

17. 'संगम काल' में तमिल भाषा में 'महाभारत' लिखने वाला कौन था?
(A) कम्बन
(B) कुट्टन
(C) विल्लीपुतर आलवार
(D) पेरुन्देवनार

18. गुप्त–पूर्व काल में निम्न में कौन ऊनी वस्त्र उत्पादन का एक प्रमुख केन्द्र था?
(A) वाराणसी (B) उज्जैन
(C) मथुरा (D) गान्धार

19. प्रसिद्ध बौद्ध लेखक हरिभद्र निम्न में किस शासक के दरबार में था?
(A) देवपाल (B) धर्मपाल
(C) गोपाल (D) महिपाल

20. प्रसिद्ध व्यापारिक मार्ग उत्तरापथ निम्न में किन स्थानों को जोड़ता था?
(A) उज्जैन और मथुरा
(B) पेशावर और मथुरा
(C) मथुरा और तक्षशिला
(D) पेशावर और तक्षशिला

21. निम्न में किसने बारबरा गुफा अभिलेख में अपने पिता को सामन्त–चूड़ामणि के नाम से वर्णित किया है?
(A) प्रवरसेन II (B) भानगा
(C) प्रभाकरवर्द्धन (D) अनन्तवर्मन

22. निम्न में कौन एक बन्दरगाह भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित नहीं था?
(A) मोटूपल्ली (B) मुजिरिस
(C) सुर्पारक (D) कल्याण

23. हड़प्पा सभ्यता के बारे में कौन-सी उक्ति सही है ?
(A) उन्हें अश्वमेध की जानकारी थी
(B) गाय उनके लिए पवित्र थी
(C) उन्होंने पशुपति का सम्मान करना आरम्भ किया
(D) उनकी संस्कृति सामान्यतः स्थिर नहीं थी

24. अरघट्ट क्या था?
(A) किलों को ध्वस्त करने में प्रयुक्त एक मशीन
(B) सिंचाई में प्रयुक्त नहर
(C) पानी को ऊपर उठाने का एक उपकरण
(D) एक प्रकार का वस्तु

25. निम्न में किसे बन्दोबस्त व्यवस्था भी कहा जाता था?
(A) जब्ती (B) दहशाला
(C) नसक (D) कानकूत

26. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1326 ई. में (B) 1336 ई. में
(C) 1332 ई. में (D) 1346 ई. में

27. महाराष्ट्र में वरकरी पन्थ की संस्थापना किसने की?
(A) नामदेव (B) तुकाराम
(C) एकनाथ (D) रामदास

28. निम्न में से किस शासक ने 'गजबेटकर' की उपाधि धारण की?
(A) कृष्णदेव राय (B) देवराय II
(C) देवराय I (D) राम राय

29. निम्न में किस पेशवा ने हिन्दू पद–पादशाही की उपाधि धारण की?
(A) बाजीराव I (B) बाजीराव II
(C) बालाजी विश्वनाथ (D) बालाजी बाजीराव

30. मुगल काल में तनब क्या था ?
(A) सबसे छोटे आकार की राजस्व इकाई
(B) मध्यम आकार की समरूप मापन इकाई
(C) बाँस की छड़ियों से जुड़ी लौ छल्ले युक्त भू–मापन का एक उपकरण
(D) किसानों, उनकी भूमि तथा उन पर आरोपित कर सम्बन्धी पुस्तिका

31. मनसबदार जिन्हें मुद्रा के रूप में वेतन दिया जाता था, उन्हें कहा जाता था–
(A) नकदी (B) जागीरदार
(C) अमीर (D) मिर्जा

32. औरंगजेब के समय अमीन संग्रह करता था–
(A) चराई कर (B) जजिया
(C) खराज (D) जकात

33. सिन्धु सभ्यता के बारे में कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी
(B) व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था
(C) मातृदेवी की उपासना की जाती थी
(D) लोग लोहे से परिचित थे

34. निम्न में कौन मुगल मन्त्री वेतनाधिकारी प्रमुख भी था?
(A) दीवान (B) मीर–बक्शी
(C) खान–ए–शमां (D) वकील

35. द्वैध शासन निम्न में किस अधिनियम के द्वारा लागू किया गया था ?
(A) 1909 का भारत अधिनियम
(B) 1900 का भारत अधिनियम
(C) 1919 का भारत अधिनियम
(D) 1935 का भारत अधिनियम

36. निम्न में किसने मद्रास प्रेसिडेन्सी की स्थापना की?
(A) सर थॉमस मुनरो (B) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(C) लॉर्ड हेस्टिंग्स (D) लॉर्ड वेलेजली

37. बक्सर के युद्ध में मीर कासिम की सेना को पराजित करने वाली अंग्रेजी सेना का अध्यक्ष था–
(A) मेजर ह्यस (B) लॉर्ड क्लाइव
(C) सर आयरकूट (D) मेजर मुनरो

38. आर्य समाज के संस्थापक थे–
(A) राजा राममोहन राय
(B) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(C) स्वामी विवेकानन्द
(D) स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती

39. आधुनिक भारत का पहला ट्रेड यूनियन निम्न में कौन है?
(A) बम्बई ट्रेड यूनियन
(B) कलकत्ता लेबर यूनियन
(C) मद्रास लेबर यूनियन
(D) अहमदाबाद ट्रेड यूनियन

40. निम्न में किसने रैयतवाड़ी व्यवस्था प्रारम्भ की?
(A) लॉर्ड कॉर्नवालिस (B) थॉमस मुनरो
(C) वॉरेन हेस्टिंग्स (D) लॉर्ड डलहौजी

41. पुर्तगालियों ने भारत को निम्न में किस फसल से पहली बार परिचय कराया?
(A) कॉफी (B) मिर्च
(C) तम्बाकू (D) मूँगफली

42. विधवा–पुनर्विवाह अधिनियम इनमें से कौन–से गवर्नर जनरल के काल में पास हुआ था?
(A) बैन्टिक (B) डलहौजी
(C) कैनिंग (D) लॉरेन्स

43. गुलामगिरी पुस्तक किसने लिखी?
(A) बी. आर. अम्बेडकर
(B) ज्योतिबा फुले
(C) गोपालहरि देशमुख
(D) एम. जी. रानाडे

44. तमिल पत्रिका कुदी अरासू के संस्थापक कौन थे?
(A) सी. एन. अन्नादुरै
(B) पी. त्यागराज चेट्टि
(C) टी. एम. नायर
(D) ई. वी. रामास्वामी नायकर

45. ब्रिटिश भारत को प्रान्तीय स्वायत्तता सर्वप्रथम कब मिली?

(A) 1937 ई. (B) 1940 ई.

(C) 1947 ई. (D) 1932 ई.

46. पूर्ण स्वराज की शपथ कांग्रेस के निम्न अधिवेशनों में किसमें ली गई थी?

(A) दिल्ली (B) सूरत

(C) लाहौर (D) रावलपिण्डी

47. अभिनव भारत नामक संस्था किसके द्वारा संगठित की गई?

(A) अजीत सिंह

(B) हरदयाल

(C) श्यामजी कृष्ण वर्मा

(D) वी. डी. सावरकर

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. लॉर्ड मिन्टो की भारत की वायसराय के रूप में अवधि के दौरान बंगाल को दो प्रान्तों में विभाजित किया गया।
2. जब भारत में साइमन आयोग आया, उस समय भारत का वायसराय लॉर्ड इरविन थे।
3. भारत सरकार अधिनियम, 1919 मान्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधारों के नाम से जाना जाता है।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) 2 और 3 (B) 1 और 2

(C) 1 और 3 (D) ये सभी

49. निम्नलिखित में से किसकी/किनकी स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा की गई थी?

1. आत्मीय सभा 2. ब्रह्म समाज
3. प्रार्थना समाज 4. आर्य समाज

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) केवल 2

(C) 1 और 2 (D) 1, 3 और 4

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. मार्च 1947 में लॉर्ड बैवेल के स्थान पर लॉर्ड माउण्टबेटन को भारत में गवर्नर–जनरल के रूप में भेजा गया।
2. जुलाई 1947 में ब्रिटिश सरकार ने माउण्टबेटन योजना के मुख्य प्रावधानों वाला अधिनियम पारित किया। यह भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम कहलाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2 दोनों

(D) न तो 1 और न ही 2

51. निम्नांकित में से किस भारतीय नेता ने खिलाफत आन्दोलन का समर्थन नहीं किया था?

(A) जवाहरलाल नेहरू

(B) मदन मोहन मालवीय

(C) मोहम्मद अली

(D) स्वामी श्रद्धानन्द

52. इल्बर्ट विधेयक (1883) के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. इसने सीमित दाण्डिक अधिकारिता, भारतीय अधिकारियों को प्रदान करने का प्रस्ताव किया।
2. इसने सम्पूर्ण सिविल और दाण्डिक अधिकारिता, भारतीय अधिकारियों को प्रदान करने का प्रस्ताव किया।
3. इस प्रस्तावित विधेयक से भारत में रह रहे इंग्लैण्ड के यूरोपीय नागरिकों में विरोध उत्पन्न हुआ।
4. विधेयक का विरोध होने के बावजूद भी इसे बिना किसी परिवर्तन के पारित किया गया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) केवल 2

(C) 1 और 3 (D) 3 और 4

53. महात्मा गांधी द्वारा उच्चरित 'स्वराज' के विभिन्न अर्थों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. अहिंसा और सत्याग्रह के साथ स्वराज घनिष्ठता से जुड़ा है।
2. स्वराज के दो अभिप्राय हैं, एक राजनीतिक और एक राजनीति के क्षेत्र से परे (बाहर)।
3. स्वराज कुछ ऐसा है, जिसे प्राप्त करने के लिए समय और धैर्य आवश्यक होता है।
4. संकल्प के साथ स्वराज को सरलता और शीघ्रता से प्राप्त किया जा सकता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 (B) 1 और 2

(C) 3 और 4 (D) 1, 2 और 3

54. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शुभारम्भ पर महात्मा गांधी के भाषण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–से कथन सही हैं?

1. उन्होंने भारतीय प्रवरजनों पर आरोप लगाया कि उनमें मजदूरी करने वाले गरीबों के प्रति चिन्ता का अभाव है।
2. उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी मुक्ति केवल किसानों के द्वारा हो सकती है।
3. उन्होंने अस्पृश्यों की दुर्दशा पर विशेष बल दिया।
4. उन्होंने अहमदाबाद के मिल मालिकों के मामले को उठाने का वचन दिया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2, 3 और 4

(B) 1 और 2

(C) 1, 2 और 3

(D) 3 और 4

55. नमक मार्च के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यूरोपियन जनसंचार माध्यमों द्वारा जानबूझकर नमक मार्च को नजरअन्दाज किया गया था।
2. अमेरिकी और यूरोपियन प्रेस द्वारा नमक मार्च का व्यापक विवरण दिया गया था।
3. नमक मार्च पहली राष्ट्रवादी गतिविधि थी, जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।
4. नमक मार्च ने ब्रिटेन पर यह प्रभाव छोड़ा कि भारतीयों को और अधिक अधिकार सौंपने की तुरंत आवश्यकता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–से कथन सही हैं?

(A) 1, 2 और 4 (B) 2, 3 और 4

(C) 3 और 4 (D) 2 और 3

56. ब्रिटिश भारत में आर्य समाज के सामाजिक आधार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह मुख्यतः पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अवस्थित था।
2. इसमें मुख्यतः व्यापारी जातियां समाविष्ट थीं।
3. यह ब्रह्मसमाज की तुलना में बहुत अधिक सीमित था।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) केवल 1 (D) 1, 2 और 3

57. ब्रिटिश भारत में वर्ष 1937 के प्रान्तीय विधानमंडल के चुनावों में

1. लगभग 10 से 12 प्रतिशत जनसंख्या को ही मत देने का अधिकार था।
2. अछूतों को मत देने का अधिकार नहीं था।
3. ग्यारह में से पांच प्रांतों में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत से विजयी हुई।

4. मुस्लिमों के लिए आरक्षित सीटों में से 80 प्रतिशत से अधिक सीटों पर मुस्लिम लीग को विजय प्राप्त हुई।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 3 और 4 (B) 1 और 4
(C) 1 और 3 (D) 2, 3 और 4

58. ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन का गठन नागपुर में हुआ था, जिसके प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष एमसी राजा थे।
(B) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वर्ष 1926 में ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन में उपस्थित नहीं हुए थे।
(C) अम्बेडकर ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन से इस्तीफा दे दिया और वर्ष 1930 में स्वयं का ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस कांग्रेस ने बनाया।
(D) ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन ने दलित वर्ग हेतु पृथक् निर्वाचक मंडल की अम्बेडकर की मांग का समर्थन किया।

59. भू–राजस्व में रैयतवाड़ी प्रयोग का प्रारम्भ किसके द्वारा किया गया?

(A) हेनरी दुण्डास
(B) अलेक्जेण्डर रीड
(C) डेविड रिकार्डो
(D) माउण्ट स्टुअर्ट एल्फिन्सटन

60. निम्नलिखित कथनों में से, औपनिवेशिक भारत में ब्रिटिश कम्पनियों द्वारा रेलवे के निर्माण से सम्बन्धित कौन–सा/से कथन सही नहीं है/हैं?

1. भारत सरकार द्वारा कम्पनियों को उनके निवेश पर 5 प्रतिशत का प्रतिलाभ प्रत्याभूत किया गया था।
2. रेलवे का प्रबन्धन प्रमुखतः सरकार द्वारा किया जाना था।
3. अधिमानी मालभाड़े की कोई पद्धति नहीं थी।
4. कम्पनियों को सरकार से भूमि निःशुल्क मिलनी थी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 3 (B) 2 और 3
(C) केवल 4 (D) 2, 3 और 4

61. सैन्धव सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी इसलिए कहा जाता है क्योंकि :

(A) सैन्धव सभ्यता की खोज हड़प्पा में हुई थी।
(B) हड़प्पा सिन्धु घाटी में अवस्थित है।
(C) हड़प्पा सैन्धव नगरों में सबसे बड़ा था।
(D) सैन्धव सभ्यता का प्रारम्भ हड़प्पा में हुआ।

62. निम्नलिखित पशु–समूहों में से कौन–सा समूह मोहनजोदड़ो की पशुपति मुद्रा पर अंकित है ?

(A) सिंह, हाथी, भैंसा और वृषभ
(B) व्याघ्र, हाथी, गैंडा और भैंसा
(C) सिह, गैंडा, भैंसा और घोडा
(D) वृषभ, भैंसा, हाथी और गैंडा

63. निम्नलिखित में से किस हड़प्पीय स्थल से अग्निवेदिकाओं के प्रमाण मिले हैं ?

(A) अम्री (B) मोहनजोदड़ो
(C) हड़प्पा (D) कालीबंगा

खण्ड–II भूगोल

2. भू–अभिनतियाँ क्या हैं?

(A) भू–पटल के संस्तर में मेहरायी उद्वलन
(B) भू–पटल में प्रमुख संरचनात्मक नतवलन
(C) भू–पटल में वृहद् पैमाने पर उभार
(D) भू–पटल के अन्दर प्लेट सीमान्त का खिसकाव

3. निम्नलिखित में से कौन–सी एक भू–आकृति नदी के पुनर्युवन का परिणाम नहीं है?

(A) अधः कर्तित विसर्प
(B) निक प्वाइंट
(C) गोखुर झील
(D) नदी वेदिका

4. निम्नलिखित में से कौन–सा एक सही है?

उत्तरी अमेरिकन प्लेट एवं यूरेशियाई प्लेट के बीच का सीमा क्षेत्र

(A) अभिसरण की दशाएँ प्रदर्शित करता है
(B) अपसरण की दशाएँ प्रदर्शित करता है
(C) निमज्जन की दशाएँ प्रदर्शित करता है
(D) सर्पण की दशाएँ प्रदर्शित करता है

5. किस भू–वैज्ञानिक कल्प में छिछले सागर वाला सरीसृप इक्थियोसौर सर्वप्रथम प्रकट हुआ?

(A) सिलूरियन (B) डिवोनी
(C) ट्राइऐसिक (D) ऑडोविशन

6. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. मृत सागर (डेड सी)
2. लाल सागर (रेड सी)
3. स्कॉटलैण्ड का मध्यभूमि मैदान

उपरोक्त में से कौन–सी/से, रिफ्ट घाटी/रिफ्ट घाटियाँ है/हैं?

(A) केवल 1 (B) 1 और 2
(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

7. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. हार्ज पर्वत
2. वोस्गे पर्वत
3. मेडागास्कर की पूर्वी उच्चभूमि

उपरोक्त में से कौन–से भ्रंशोत्थ पर्वत (ब्लॉक माउन्टेन) हैं?

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. बहिर्वेधी आग्नेय शैलों की अपेक्षा अन्तर्वेधी आग्नेय शैलों में बृहत् खनिज क्रिस्टल होते हैं।
2. बहुसंख्यक अवसादित शैल अखण्डज हैं।
3. शैल सूक्ष्मतम कणों वाला खण्डज अवसादी शैल है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मोना लोवा एक सक्रिय शील्ड ज्वालामुखी है
2. सिंडर शंकु प्रायः पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र में मिलते हैं।
3. तंजानिया का गोरोंगोरो क्रेटर एक काल्डेरा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–से सही हैं?

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

10. सान एण्ड्रीज भ्रंश निम्नलिखित में से कहाँ से होकर गुजरता है?

(A) ब्यूफोर्ट सागर एवं रॉकी पर्वत
(B) सेन फ्रांसिस्को एवं कैलीफोर्निया की खाड़ी के उत्तर का प्रशान्त महासागर
(C) बेरिंग जलडमरूमध्य एवं अलास्का श्रेणी
(D) मैकेन्जी पर्वत एवं पश्चिमी कॉर्डिलेरा

11. सागर तल पर वातावरण द्वारा कितना दबाव डाला जाता है ?

(A) 1013.25 मिलीबार
(B) 1012.75 मिलीबार
(C) 1010.25 मिलीबार
(D) 1021.50 मिलीबार

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मध्य अक्षांशों में अधिकतम वर्षा एवं हिमपात हिम–क्रिस्टल प्रक्रिया के कारण होते हैं।
2. पक्षाभ मेघ का आधार निरपवाद एवं रूप से 5000 मी. की ऊँचाई के नीचे ही होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

13. निम्नलिखित में से कौन–से महासागरीय जल में पादपप्लवकों की मात्रा को निर्धारित करते हैं?

1. महासागरीय धाराएँ
2. तापमान एवं लवणता
3. महासागरीय जल की गहराई
4. दिन एवं रात की लम्बाई

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 3
(C) 2 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

14. ऑस्ट्रेलिया का उत्तरी भाग निम्नलिखित में से किस एक के द्वारा प्रारूपित होता है?

(A) भूमध्यरेखीय जलवायु
(B) भूमध्यसागरीय जलवायु
(C) शीतोष्ण जलवायु
(D) मानसूनी जलवायु

15. मिनीमाता घटना का, जो पर्यावरणीय निम्नीकरण का एक उदाहरण है, निम्नलिखित में से कौन–सा एक कारण है?

(A) वायु प्रदूषण (B) न्यूक्लीय दुर्घटना
(C) जल प्रदूषण (D) तापीय प्रदूषण

16. निम्नलिखित में से कौन–सा एक देश विश्व में सर्वाधिक मात्रा में अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन करता है?

(A) जापान
(B) संयुक्त राज्य अमेरिका
(C) दक्षिण कोरिया
(D) चीन

17. पूर्व से पश्चिम की ओर कनाडा के शहरों का निम्नलिखित में से कौन–सा एक अनुक्रम सही है?

(A) क्यूबेक–मॉण्ट्रियल–ओटावा–टोरन्टा
(B) मॉण्ट्रियल–क्यूबेक–ओटावा–टोरन्टा
(C) क्यूबेक–मॉण्ट्रियल–टोरन्टो–ओटावा
(D) मॉण्ट्रियल–क्यूबेक–टोरन्टो–ओटावा

18. नियाग्र प्रपात निम्नलिखित झील–युग्मों में से किसके बीच स्थित है?

(A) सुपीरियर झील तथा ह्यूरॉन झील
(B) ह्मरॉन झील तथा ईरी झील
(C) ईरी झील तथा ओंटैरियो झील
(D) ओंटैरियो झील तथा ह्मरॉन झील

19. निम्नलिखित में से किसने प्रमुख शहर (Primate City) का नियम प्रतिपादित किया?

(A) कार्ल सॉवर (B) इसाया बोमैन
(C) मार्क जेफरसन (D) वाल्टर क्रिस्टालर

20. निम्नलिखित मरुस्थलों में से कौन–सा एक अपने नाइट्रेट निक्षेपों के लिए प्रसिद्ध है?

(A) अटाकामा (B) कालाहारी
(C) गोबी (D) सहारा

21. निम्नलिखित युग्मों में से कौन–सा एक सही सुमेलित नहीं है?

(A) अकबा की खाड़ी – जोर्डन
(B) अदन की खाड़ी – यमन
(C) लिगुरियन सागर – यूनान (ग्रीस)
(D) कारडिगन खाड़ी – यूनाइटेड किंगडम

22. निम्नलिखित देशों में से किस एक में रेड रिवर डेल्टा है?

(A) जापान (B) इण्डोनेशिया
(C) मलेशिया (D) वियतनाम

23. निम्नलिखित में से किस एक के साथ सर्वाधिक संख्या में स्थल सीमा वाले पड़ोसी देश हैं?

(A) ब्राजील (B) रूस
(C) जर्मनी (D) जाम्बिया

24. निम्नलिखित युग्मों में से कौन–सा एक सही सुमेलित नहीं है?

सहायक नदी		**नदी**
(A) किन्नरसानी	–	गोदावरी
(B) अमरावती	–	कृष्णा
(C) मालप्रभा	–	कृष्णा
(D) प्रणहिता	–	गोदावरी

25. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I
(संगम का नाम)

a. विष्ण प्रयाग
b. कर्ण प्रयाग
c. रुद्र प्रयाग
d. देव प्रयाग

सूची–II
(अलकनन्दा के साथ मिलने वाली नदी)

1. भागीरथी
2. मन्दाकिनी
3. पिण्डर
4. धौलीगंगा

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	4	2	3	1
(D)	4	3	2	1

26. कथन (A)–काली कपास वाली मृदाएँ वर्षाधीन खेती के लिए आदर्श हैं।

कारण (R)–काली कपास वाली मृदाएँ सूक्ष्मकणिक हैं।

कूट :

(A) A और R दोनों सही हैं और R,A का सही स्पष्टीकरण है
(B) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R,A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) A सही है, परन्तु R गलत है
(D) A गलत है, R सही है

27. निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म भारत की मुख्य भूमि एवं श्रीलंका की मुख्य भूमि के बीच सबसे कम दूरी से सम्बन्धित है?

(A) जाफना – वेदारन्नियम
(B) तलैमन्नार – धुनषकोडि
(C) कोलम्बो – कन्याकुमारी
(D) तलैमन्नार – तूतीकोरिन

28. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (घाटी)	**सूची–II (राज्य)**
a. जुको घाटी	1. हिमाचल प्रदेश
b. युमथांग	2. सिक्किम
c. न्योरा घाटी	3. नागालैण्ड
d. सांग्ला घाटी	4. पश्चिम बंगाल

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	4	3
(B)	1	4	2	3
(C)	3	2	4	1
(D)	3	4	2	1

29. भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः एक अंग था–

(A) जुरैसिकलैंड का
(B) अंगारालैंड का
(C) आर्यावर्त का
(D) गोंडवानालैंड का

30. निम्नलिखित में से कौन–सा एक सही कथन है?

वारेनियस का 'विशिष्ट भूगोल'

(A) क्रमबद्ध भूगोल था

(B) प्रादेशिक भूगोल था

(C) अनुभव द्वारा सिद्ध आनुभविक विचार था

(D) उद्देश्यवादी (टीलियोलॉजिकल) संकल्पना था

31. निम्नलिखित शैल तन्त्रों में कौन भारत के कोयला निचयों का मुख्य कृत है?

(A) धारवाड़ तन्त्र (B) गोण्डवाना तन्त्र

(C) कुडप्पा तन्त्र (D) विन्ध्य तन्त्र

32. निम्नलिखित में कौन–सा सुमेलित नहीं है?

(A) लासेन शिखर – संयुक्त राज्य अमेरिका

(B) मोनालोआ – हवाई

(C) कोटोपैक्सी – बोलीविया

(D) विसवियस – इटली

33. जिस जिले से 70° पूर्वी देशान्तर रेखा गुजरती है, वह है–

(A) जोधपुर (B) जैसलमेर

(C) धौलपुर (D) नागौर

34. निम्नांकित मिट्टियों में से कौन शंकुधारी वनों में पायी जाती है?

(A) पॉडजॉल (B) लैटोसोल

(C) चेस्टनट (D) चेरनोजेम

35. निम्नलिखित प्रमुख भारतीय नगरों में से कौन-सा एक सबसे अधिक पूर्व की ओर अवस्थित है ?

(A) हैदराबाद

(B) भोपाल

(C) लखनऊ

(D) बंगलूरू (बंगलौर)

36. भारत के तीन सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य हैं–

(A) बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र

(B) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु

(C) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश

(D) बिहार, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश

37. निम्नलिखित में से किसका सही सुमेल नहीं है?

(A) ऐक्रॉन – कृत्रिम रबर

(B) ओसाका – पोत–निर्माण

(C) मैग्निटोगोर्स्क – लोहा तथा इस्पात

(D) बाकू – तेलशोधन

38. नीचे दिए हुए जम्मू–कश्मीर के मानचित्र की जाँच कीजिए 1, 2, 3 और 4 से अंकित पर्वत–श्रेणियाँ क्रमशः हैं–

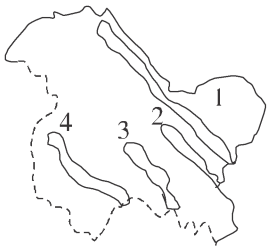

(A) लद्दाख, जास्कर, काराकोरम और पीर पंजाल

(B) काराकोरम, पीर पंजाल, जास्कर और लद्दाख

(C) काराकोरम, लद्दाख, जास्कर, पीर पंजाल

(D) लद्दाख, पीर पंजाल, काराकोरम और जास्कर

39. निम्नलिखित में से कौन सही नहीं है?

(A) मुम्बई प्राकृतिक गोदी वाला पत्तन है

(B) काण्डला खम्भात की खाड़ी में अवस्थित है

(C) कोलकाता हुगली नदी पर अन्तर्देशीय पत्तन है

(D) चेन्नई की कृत्रिम गोदी है

40. निम्नलिखित में से कौन पृथ्वी परत का एक प्रमुख तत्व है ?

(A) एल्युमिनियम (B) लोहा

(C) ऑक्सीजन (D) सिलिकॉन

41. धौलाधर तथा पीरपंजाल की महत्वपूर्ण श्रेणियाँ अवस्थित हैं–

(A) ट्रॉन्स–हिमालय में

(B) महान् हिमालय में

(C) लघु–हिमालय में

(D) बाह्य हिमालय में

42. पश्चिमी भाग में हिमालय की श्रेणियों का दक्षिण से उत्तर की ओर निम्नांकित में से कौन–सा क्रम सही है ?

(A) महान हिमालय → लघु हिमालय → शिवालिक

(B) शिवालिक → लघु हिमालय → महान हिमालय

(C) लघु हिमालय → महान हिमालय → शिवालिक

(D) शिवालिक → महान हिमालय → लघु हिमालय

(E) इनमें से कोई नहीं

43. निम्न में से कौन–सा जलडमरूमध्य काला सागर और मारमरा सागर को जोड़ता है ?

(A) बैरिंग जलडमरूमध्य

(B) बोस्फोरस जलडमरूमध्य

(C) मलक्का जलडमरूमध्य

(D) पाक जलडमरूमध्य

44. निम्नलिखित में से कौन–सी चट्टान प्रणाली, भारत में नवीनतम है ?

(A) विंध्यन (B) कुडप्पा

(C) धारवाड़ (D) गोंडवाना

45. नर्मदा परियोजना विवाद से कौन–सा राज्य सम्बन्धित नहीं है ?

(A) मध्य प्रदेश

(B) गुजरात

(C) महाराष्ट्र और राजस्थान

(D) सभी सम्बन्धित हैं

46. हिमालय की पहाड़ी श्रृंखला में ऊँचाई के साथ–साथ निम्न कारणों से वनस्पति में परिवर्तन आता है

1. तापमान में गिरावट
2. वर्षा में बदलाव
3. मिट्टी का अनउपजाऊ होना
4. तेज हवा

सही उत्तर चुनिए–

(A) 1, 2 एवं 3 (B) 2, 3 एवं 4

(C) 1, 3 एवं 4 (D) 1, 2 एवं 4

(E) इनमें से कोई नहीं

47. वायुमण्डल में पाये जाने वाले धूलकणों को आर्द्रता ग्राही कण कहते हैं, क्योंकि–

(A) ये अच्छे संघनन केन्द्र होते हैं

(B) ये जल का अवशोषण करते हैं

(C) इनके इर्द–गिर्द हवा के ठंडी होने से संघनन की प्रक्रिया होती है

(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

48. मार्कोपोलो की यात्रा का मार्ग था–

(A) वेनिस, रूस, मध्य एशिया, मंगोलिया, मलाया

(B) वेनिस, रूस, भारत, मलाया, चीन, मंगोलिया, मध्य एशिया

(C) वेनिस, मध्य एशिया, पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका, मलाया, चीन, मंगोलिया, मध्य एशिया

(D) उपरोक्त कोई नहीं

49. 'नया संसार' नामक पुस्तक किस भूगोलवेत्ता द्वारा लिखी गई थी ?

(A) ईसा बोमेन (B) मार्टोनी डी

(C) टेलर (D) हंटिगटन

50. पश्चिमी यूरोपीय प्रदेश में मुख्यतः चलती है–

(A) पछुआ हवा

(B) व्यापारिक हवा

(C) मानसून हवा

(D) जल और स्थल समीर

51. दिल्ली के लाल किले में किस चट्टान का प्रयोग किया गया है ?
(A) संगमरमर (B) बलुआ पत्थर
(C) चूना पत्थर (D) ग्रीट

52. सिन्धु नदी अरब सागर में गिरती है। इसका उद्‌गम स्थल है–
(A) गंगोत्री
(B) मढ़वाल हिमानी
(C) कैलाश हिमानी
(D) सियाचिन हिमानी

53. सूची–I (घाटी) को सूची–II (राज्य) के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (घाटी)	सूची–II (राज्य)
A. मर्खा घाटी	1. सिक्किम
B. जुकू घाटी	2. हिमाचल प्रदेश
C. सांगला घाटी	3. जम्मू और कश्मीर
D. यूथांग घाटी	4. नगालैंड

कूट :	A	B	C	D
(A)	2	4	3	1
(B)	3	1	2	4
(C)	2	1	3	4
(D)	3	4	2	1

54. दक्षिणी–पश्चिमी एशिया का प्रतिनिधि तेल उत्पादक देश है–
(A) ईरान
(B) कुवैत
(C) सऊदी अरब
(D) उपरोक्त कोई नहीं

55. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है ?

गर्म जल-स्रोत	अवस्थिति
(A) मनीकरण	हिमाचल प्रदेश
(B) ज्वालामुखी	जम्मू एवं कश्मीर
(C) अनहोनी	मध्य प्रदेश
(D) तप्तपानी	ओडिशा

56. समुद्र का स्थल की ओर बढ़ाना कौन–सा संचरण है ?
(A) निर्माण धनात्मक संचरण
(B) ऋणात्मक संचरण
(C) आकस्मिक संचरण
(D) उपरोक्त कोई नहीं

57. मुख्य रूप से भारत में यूरेनियम पाया जाता है ?
(A) मध्य प्रदेश में (B) महाराष्ट्र में
(C) राजस्थान में (D) झारखण्ड में

58. समुद्र तल पर सामान्य वायुमण्डलीय दाब कितना होता है ?
(A) 1,014.23 मिलीबार
(B) 1,013.25 मिलीबार
(C) 1,210.10 मिलीबार
(D) 1,521 मिलीबार

59. दो समानान्तर भ्रंशों के बीच धँसे हुए भाग को कहते हैं–
(A) कन्दरा
(B) 'U' आकार की घाटी
(C) 'V' आकार की घाटी
(D) भ्रंश घाटी

60. निम्न में से कौन–सा युग्म गलत है ?
(A) भाखड़ा नांगल – सतलज
(B) सलाल परियोजना – बीज (Beas)
(C) दामोदर घाटी परियोजना – गंगा
(D) हीराकुण्ड परियोजना – महानदी

61. मानव की सभी क्रियाएँ तथा मौसमी घटनाएँ घटित होती हैं–
(A) समताप मण्डल परत में
(B) क्षोभ मण्डल परत में
(C) ओजोन मण्डल परत में
(D) आयन मण्डल परत में

62. थार्नथ्वेट के अनुसार AA'r (उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु) पाई जाती है ?
(A) पश्चिमी तटीय मौसम एवं त्रिपुरा व मिजोरम में
(B) पश्चिमी घाट के पूर्वी ढालों तथा पश्चिमी बंगाल में
(C) तमिलनाडु एवं समीपवर्ती आन्ध्र प्रदेश में
(D) सिक्किम, ऊपरी असम एवं अरुणाचल प्रदेश में।

63. निम्नलिखित में से कौन–सी ठंडी समुद्री जलधारा है ?
(A) फाकलैण्ड धारा
(B) मोजाम्बिक धारा
(C) गल्फ स्ट्रीम
(D) ब्राजील धारा

खण्ड–III नागरिकशास्त्र

2. एक लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को पहली बार स्पष्ट किया गया–
(A) बालफोर समिति में
(B) बैवरिज प्रतिवेदन में
(C) न्यू डील नीति में
(D) इनमें से कोई नहीं

3. राज्य की उत्पत्ति के पितृ–प्रधान सिद्धान्त का समर्थन कौन करता है?
(A) जेक्स (B) हेनरी मेन
(C) लास्की (D) मॉर्गन

4. निम्नलिखित में से किसका राज्य सम्बन्धी कोई सिद्धान्त नहीं है?
(A) श्रमिक संघवाद
(B) मार्क्सवाद
(C) श्रेणी समाजवाद
(D) फेबियनवाद

5. ''सम्प्रभुता मूलतः संकट का सिद्धान्त था' यह मत किसने प्रतिपादित किया?
(A) जॉर्ज केटलिन (B) एच.जे. लास्की
(C) वाल्टर लिपमैन (D) एच. क्रेब

6. निम्नलिखित में से किसके द्वारा स्वतन्त्रता को सकारात्मक अवधारणा का प्रतिपादन किया गया?
(A) जे.एस. मिल (B) हर्बर्ट स्पेन्सर
(C) कार्ल पॉपर (D) टी.एच. ग्रीन

7. कौन–सा सिद्धान्त राज्य के 'रात्रि के पहरेदार' की ही भूमिका का समर्थन करता है?
(A) कल्याणकारी राज्य का सिद्धान्त
(B) उदारवादी सिद्धान्त
(C) समाजवादी सिद्धान्त
(D) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित में से कौन–सा एक अध्यक्षात्मक सरकार का लक्षण है?
(A) संविधान की कठोरता
(B) न्यायपालिका की सर्वोच्चता
(C) विधायिका की सर्वोच्चता
(D) कार्यकारिणी प्रमुख की सर्वोच्चता

9. संविधानवाद की पाश्चात्य अवधारणा आधारित है–
1. विधि एवं अभिसमयों पर।
2. विधि के शासन पर।
3. प्रेस की स्वतन्त्रता पर।
4. एक राजनीतिक दल के आधिपत्य पर।

कूट :
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 3
(C) 2, 1, 3, 4 (D) 3, 1, 2, 4

10. निम्नांकित में से संघात्मक शासन व्यवस्था का अधिकृत विद्वान कौन माना जाता है?
(A) सी.एफ. स्ट्रीम (B) एच. फाइनर
(C) ए.एच. ब्रिच (D) के.सी. व्हीयर

11. किसने कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वास्तव में सार्वभौमिक नहीं है?
(A) लास्की
(B) गिलक्राइस्ट
(C) गैटिल
(D) गार्नर

12. निम्नलिखित में कौन–सा एक जीन ब्लौन्डेल के सामुदायिक दबाव समूह के वर्गीकरण का उपवर्ग है?
(A) संस्थागत दबाव समूह
(B) संरक्षात्मक दबाव समूह
(C) उत्थानात्मक दबाव समूह
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

13. ''जनमत किसी विषय पर लोगों के व्यवहार को संकेत करता है, जब वे किसी एक ही सामाजिक समूह के हों'' यह विचार है–
(A) मॉरिस गिन्सबर्ग का
(B) किम्बाल यंग का
(C) ल्योनार्ड डब्ल्यू. डोब का
(D) हरमान फाइनर का

14. निम्न में से किस पुस्तक में प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार विस्तार से मिलते हैं?
(A) कथा सरित्सागर
(B) मेघदूत
(C) योग वशिष्ठ
(D) व्यास रचित महाभारत

15. निम्नलिखित में से कौन मण्डल का अंग नहीं है?
(A) अरि (B) मित्र
(C) सामन्त (D) विजिगीषु

16. निम्नलिखित में से कौन–सी इकाई प्राचीन भारत में राज्य प्रशासन से सम्बद्ध थी?
(A) जनपद (B) भुक्ति
(C) नगर (D) ये सभी

17. लॉक के अनुसार प्राकृतिक अधिकार–
(A) सार्वभौम नहीं है
(B) बुद्धि प्रसूत नहीं है
(C) नैतिक नहीं है
(D) विकासशील नहीं है

18. 'द्वन्द्वात्मक–भौतिकवाद' शब्द का प्रयोग किसके द्वारा नहीं किया गया?
(A) मार्क्स (B) लेनिन
(C) स्टालिन (D) प्लेखनाव

19. 'डेमोक्रेटिक थ्योरी' नामक पुस्तक के लेखक थे–
(A) एच.ए. मेयो (B) बी. टूमैन
(C) मैकफरसन (D) जी. सरटोरी

20. निम्न में से किसने आनुपातिक समानता का सिद्धान्त प्रस्तुत किया है?
(A) अरस्तू (B) बेन्थम
(C) मार्क्स (D) लास्की

21. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करें तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I	**सूची–II**
a. प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धान्त	1. अधिकार मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक है।
b. अधिकारों का कानूनी सिद्धान्त	2. अधिकारों का उद्देश्य समाज कल्याण है।
c. अधिकारों का सामाजिक कल्याण का सिद्धान्त	3. अधिकारों का कृत राज्य है।
d. अधिकारों का आदर्शवादी सिद्धान्त	4. अधिकार प्रकृति से प्राप्त होते हैं।

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	2	1

22. तानाशाही समर्थन करती है–
(A) संवैधानिक एवं शान्तिपूर्ण तरीकों का
(B) सत्ता के केन्द्रीकरण का
(C) उदार राष्ट्रवाद का
(D) विश्वशान्ति का

23. प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धान्त की पुष्टि की गई है–
(A) सभी उदारवादियों द्वारा
(B) केवल कुछ उदारवादियों द्वारा
(C) केवल जॉन लॉक द्वारा
(D) केवल जॉन स्टुअर्ट मिल द्वारा

24. सहभागी लोकतन्त्र के लिए आवश्यक है–
(A) विधानमण्डल के कार्य में विधानमण्डलों का ज्यादा से ज्यादा शामिल होना
(B) अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मामले में प्रतिनिधियों का सक्रिय भाग लेना
(C) अभिशासन में नागरिकों को ज्यादा और सक्रिय भाग लेना
(D) निर्वाचनों में मतदाताओं की उपस्थिति बढ़ाना

25. निम्न में से कौन एक राजनीतिक उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करने की युक्ति नहीं है?
(A) आवधिक निर्वाचन
(B) सुविज्ञ जनमत
(C) स्वतन्त्र प्रेस
(D) दबाव समूह

26. नीचे दिए गए अभिजन के दो स्थूल प्रकारों पर विचार कीजिए–
1. संगठित और निर्देशित करने वाले अभिजन, जो मूर्त लक्ष्यों और कार्यक्रमों के सम्बन्ध में व्यवहार करते हैं; और
2. अनौपचारिक संगठन और विसरित अभिजन, जो नैतिक और आध्यात्मिक समस्याओं के सम्बन्ध में व्यवहार करते हैं।

निम्न में से किसने अभिजन के इन दो स्थूल प्रकारों में वर्गीकृत किया?
(A) विलफ्रेडो पेरेटो
(B) कार्ल मेनहीन
(C) गेनटरो
(D) मोस्का

27. ''प्रजातन्त्र इसलिए वांछनीय है क्योंकि इसमें सकल सन्तुष्टि शासन की अन्य प्रणालियों की अपेक्षा बेहतर समाहित है'', यह तर्क दिया गया है–
(A) उदारवादियों द्वारा
(B) उपयोगितावादियों द्वारा
(C) मार्क्सवादियों द्वारा
(D) समाजवादियों द्वारा

28. निम्न में से कौन एक संकल्पना नागरिक को प्रजा होने से भिन्न करती है?
(A) कर्त्तव्य (B) आज्ञाकारिता
(C) अधिकार (D) देशभक्ति

29. विधि का शासन जिस प्रकार की समानता को प्रतिस्थापित करता है, वह है–
(A) मूलविषयक (B) प्रक्रियात्मक
(C) वितरक (D) प्रतिमानित

30. लोकसभा का कोई सदस्य सदन का सदस्य बने रहने से निरर्हित नहीं हो जाता, यदि वह सदस्य
(A) जिस राजनीतिक दल से निर्वाचित होकर आया था/आई थी, उससे स्वैच्छिक रूप से अपनी सदस्यता छोड़ देता/देती है।
(B) जिस राजनीतिक दल से सदन में निर्वाचित हुआ था/हुई थी, उससे निष्कासित कर दिया गया/दी गई हो

(C) एक स्वतन्त्र उम्मीदवार के रूप में निर्वाचित होने के पश्चात् किसी राजनीतिक दल में सम्मिलित हो जाता है

(D) अपने राजनीतिक दल द्वारा दिए गए निर्देश के विपरीत मतदान से प्रविरत रहता है

31. निम्नलिखित भाषाओं में से किस एक को, भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता नहीं दी गई है?

(A) अंग्रेजी (B) संस्कृत

(C) उर्दू (D) नेपाली

32. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. समान (कॉमन) सिविल संहिता का आदर्श भारत के संविधान के अनुच्छेद–44 में उपवर्णित किया गया है।
2. कुछ विषयों में, भारत में उच्च न्यायालयों को सर्वोच्च न्यायालय से अधिक विस्तृत शक्तियाँ दी गई हैं।
3. भारत का सर्वोच्च न्यायालय, देश के लिए प्रथम पूर्णरूप से स्वतन्त्र न्यायालय, भारत के संविधान के अधीन वर्ष 1950 में स्थापित किया गया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 1 और 3 (B) 1 और 2

(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

33. निम्नलिखित में से भारत के संविधान के किस एक अनुच्छेद/अनुसूची का सम्बन्ध स्वशासी जिला परिषदों से है?

(A) आठवीं अनुसूची

(B) अनुच्छेद–370

(C) छठी अनुसूची

(D) अनुच्छेद–250

34. भारत के नियन्त्रक–महालेखापरीक्षक (कैग) के बारे में निम्नलिखित में से कौन–से कथन सही हैं?

1. कैग, पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष तक पद धारण करेगा। वह 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर, यदि ऐसे 6 वर्ष की अवधि समाप्त होने से पहले हो, पद रिक्त कर देगा।
2. कैग की शक्तियाँ भारत के संविधान से व्युत्पन्न होती है।
3. कैग प्रधानमन्त्री और मन्त्रिपरिषद् की सलाह पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त एक बहु–सदस्य निकाय है।
4. कैग को, सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर, संसद के दोनों सदनों द्वारा समावेदन किए जाने पर ही, राष्ट्रीय द्वारा हटाया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 4 (B) 1, 2 और 3

(C) 3 और 4 (D) 1 और 2

35. अनुसूचित जनजाति और अन्य पारम्परिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन–से कथन सही हैं?

1. यह अधिनियम, वनवासी अनुसूचित जनजातियों के, जिनका 25 अक्टूबर, 1980 के पूर्व से वन भूमि पर दखल है, वन अधिकारों को मान्यता प्रदान करता है।
2. अधिनियम का कार्यान्वित करने का भार राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकारों के स्तर पर होता है।
3. यह अधिनियम वनवासी अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारम्परिक वनवासियों को कुछ वन अधिकारों की मान्यता देता है और उनमें निहित करता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

36. भारत के सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक न्यायपीठ के निम्नलिखित में से किस एक निर्णय में मृत्युदण्ड अधिनिर्णीत करने के लिए 'विरलो में विरलतम' सिद्धान्त को पहली बार अधिकथित किया गया?

(A) बचन सिंह *बनाम* पंजाब राज्य (1980)

(B) गोपालनचारी *बनाम* केरल राज्य (1980)

(C) डॉ. उपेन्द्र बख्शी *बनाम* उत्तर प्रदेश राज्य (1983)

(D) तुकाराम *बनाम* महाराष्ट्र राज्य (1979)

37. भारत के संविधान के अनुसार, प्रतिषेध रिट किस आदेश से सम्बन्धित है?

1. न्यायिक और न्यायिककल्प प्राधिकारी के खिलाफ दिया गया आदेश।
2. अवर न्यायालय को, किसी विशिष्ट मामले में, जहाँ उसे विचार करने की अधिकारिता नहीं है, कार्यवाही करने से रोकना।
3. किसी व्यक्ति को किसी सार्वजनिक पद को, जिसके लिए वह हकदार नहीं है, धारण करने से रोकना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) केवल 1 (D) 1, 2 और 3

38. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत के राष्ट्रपति को, लोकसभा के अध्यक्ष को नियुक्त करने और हटाने की शक्ति होगी।
2. अध्यक्ष को अपने कार्यालय के कृत्यों का निर्वहन अपने पूरे कार्यकाल के दौरान स्वयं करना होता है और वह स्टेशन से अपनी अनुपस्थिति या अपनी बीमारी के दौरान अपने कृत्यों को उपाध्यक्ष को प्रत्यायोजित नहीं कर सकता।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2

(D) न तो 1 और न ही 2

39. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (2005) किससे सम्बन्धित था?

(A) उत्तम शासन के लिए सांस्थानिक व्यवस्था में सुधार

(B) भारतीय दण्ड संहिता और आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार

(C) सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को कम करने के लिए लोकपाल तन्त्र का सृजन करना

(D) शहरी शासन और प्रबन्धन के नए उपाय निकालना

40. राज्यसभा के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. राज्यसभा की अधिकतम अनुज्ञेय संख्या 250 है।
2. राज्यसभा में, 238 सदस्य राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों से अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होते हैं।
3. अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन जैसे मामलों में इसकी लोकसभा के साथ समान रूप से विधायी शक्तियाँ हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 1, 2 और 3

(C) 2 और 3 (D) केवल 1

41. निम्नलिखित में से भारत के कौन–से प्रधानमन्त्री अविश्वास मत से पराजित हुए?

1. मोरारजी देसाई
2. विश्वनाथ प्रताप सिंह
3. एचडी देवगौड़ा
4. अटल बिहारी वाजपेयी

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2, 3 और 4 (B) 1, 2 और 3
(C) 2, 3 और 4 (D) 1 और 4

42. भारत के राष्ट्रपति के पद से सम्बन्धित निम्नलिखित में से कौन–से कथन सही हैं?

1. राष्ट्रपति को विशेष मामलों में किसी अपराधी को क्षमादान की शक्ति है।
2. राष्ट्रपति अध्यादेश प्रख्यापित तब भी कर सकता है, जब संसद सत्र में हो।
3. आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति राज्यसभा को भंग कर सकता है।
4. राष्ट्रपति को आंग्ल–भारतीय समुदाय के दो सदस्य लोकसभा में नाम–निर्देशित करने की शक्ति है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 1 और 4
(C) 3 और 4 (D) 1, 3 और 4

43. संघ तथा राज्यों के विनिर्दिष्ट वित्तीय सम्बन्धों पर राष्ट्रपति को सिफारिशें निम्नलिखित में से कौन देता है?

(A) वित्त मन्त्रालय
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) वित्त आयोग
(D) योजना आयोग

44. निम्नलिखित में से कौन–सा एक संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख अंग नहीं है?

(A) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय
(B) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्
(C) न्यास परिषद्
(D) खाद्य एवं कृषि संगठन

45. भारत के संविधान के निम्नलिखित संशोधनों में से किसके द्वारा भारतीय नागरिकों के मूल कर्त्तव्य निर्धारित किए गए?

(A) 40वाँ संशोधन (B) 41वाँ संशोधन
(C) 42वाँ संशोधन (D) 43वाँ संशोधन

46. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत के राष्ट्रपति किसी भी समय अध्यादेश प्रत्यापित कर सकते हैं यदि उनका यह समाधान हो जाता है, कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, जिनके कारण तुरन्त कार्यवाही करना उनके लिए आवश्यक हो गया है।
2. भारत के उपराष्ट्रपति को उनके पद के लिए पुनः भी चुना जा सकता है।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

47. राज्य विधान–सभा का चुनाव कराता है।

(A) मुख्यमंत्री
(B) मुख्य चुनाव अधिकारी
(C) गवर्नर
(D) मुख्य सचिव

48. किसकी देख–रेख में जिले में पुलिस बल शान्ति और व्यवस्था कायम करता है?

(A) जिलाधीश
(B) पुलिस कप्तान
(C) राज्य के गृह मंत्री
(D) मुख्य मंत्री

49. मुख्य लेखा अधिकारी इनमें से किसके आय–व्यय की जाँच नहीं करते?

(A) राज्य सरकार की
(B) केंद्रीय सरकार की
(C) नगर निगम की
(D) सरकारी उद्योग की

50. निम्न में से कौन नौकरशाही की विशेषता नहीं है?

(A) स्थायित्व (B) तटस्थता
(C) अक्षमता (D) गोपनीयता

51. उदारवाद किसका हित चाहता है ?

(A) अभिजात्य वर्ग का
(B) धनवानों का
(C) निर्धनों का
(D) सभी का

52. फासीवाद विश्वास करता है, कि–

(A) राज्य दल का श्रेष्ठ है
(B) दल राज्य से श्रेष्ठ है
(C) राज्य और दल दोनों एक–दूसरे से अलग हैं
(D) राज्य और दल एक ही हैं

53. भाषण की स्वतंत्रता किस शासन के लिए आवश्यक है?

(A) लोकतंत्र (B) अधिनायकवाद
(C) राजतंत्र (D) वर्गतंत्र

54. निम्नलिखित में से कौन कल्याणकारी राज्य का समर्थक था?

(A) लेनिन
(B) बेंथम
(C) जवाहर लाल नेहरू
(D) जे.एस.मिल

55. भारतीय संविधान के अनुसार संसद की बैठक एक साल में कम से कम कितनी बार होनी चाहिए?

(A) एक बार (B) दो बार
(C) तीन बार (D) चार बार

56. निम्नलिखित में से कौन–सी दल पद्धति लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए सबसे उपयुक्त है?

(A) एक दल प्रधानता
(B) दल रहित
(C) बहुदलीय
(D) द्विदलीय

57. नागरिक शास्त्र के अध्ययन का मुख्य विषय है :

(A) नागारिकता (B) पंचायती राज
(C) राज्य (D) नगर निगम

58. भारत में पंचायती राज व्यवस्था को द्विस्तरीय बनाने का सुझाव थाः

(A) के. सन्थानम समिति का
(B) बलवन्त राय मेहता समिति का
(C) अशोक मेहता समिति का
(D) संविधान प्रारूप समिति का

59. आसियान कब गठित हुआ था?

(A) 1964 (B) 1965
(C) 1966 (D) 1967

60. भारत में संविधान सभा का निर्माण किस योजना के अंतर्गत् हुआ?

(A) मंत्रिमंडल मिशन
(B) बेवल योजना
(C) राजगोपालाचारी योजना
(D) शिमला सम्मेलन

61. 'मार्शल योजना' का सम्बन्ध है :

(A) जर्मनी की सहायता से
(B) सोवियत संघ की सहायता से
(C) पश्चिमी यूरोप की सहायता से
(D) पूर्वी यूरोप की सहायता से

62. भारतीय संविधान के कौन–से अनुच्छेद संघीय संसद् को राज्य सूत्री में सम्मिलित विषयों पर विधि–निर्माण का अधिकार प्रदान करते हैं ?

1. अनुच्छेद 249 2. अनुच्छेद 250
3. अनुच्छेद 252 4. अनुच्छेद 254

सही उत्तर का चयन निम्न कूटों की सहायता से कीजिए :

कूट :

(A) सभी चारों (B) A, B, D
(C) C.D (D) B, C, D

63. क्षेत्रीय परिषदें :

(A) विधि निर्माणकारी इकाइयाँ होती हैं
(B) परामर्शदात्री इकाइयाँ होती हैं
(C) प्रशासकीय इकाइयाँ होती हैं
(D) उपर्युक्त सभी होती हैं

खण्ड–IV अर्थशास्त्र

2. निम्नलिखित में से कौन–सा साधारणतया किसी अल्पाधिकार बाजार का लक्षण नहीं है?

(A) प्रचार पर अत्याधिक व्यय

(B) दीर्घकाल में असामान्य लाभ

(C) नई फर्मों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध

(D) कठोर कीमत प्रतियोगिता

3. यदि P मूल्य स्तर हो; x निर्यात का m आयात का तथा Q परिणाम का द्योतक हो, तो आय व्यापार–शर्त होगी–

(A) $\frac{Px}{Qm}Qx$ (B) $\frac{Px}{Pm}\frac{Qx}{Qm}$

(C) $\frac{Px}{Pm}Qx$ (D) $\frac{Pm}{Px}Qx$

4. निम्न में से कौन–सा कारण लागतजन्य मुद्रास्फीति के लिए उत्तरदायी है?

(A) बढ़ती हुई जीवन निर्वाह की लागत

(B) बढ़ती श्रम उत्पादकता

(C) बढ़ती हुई बेरोजगारी

(D) बढ़ते हुए आयात–निर्यात

5. निम्न में से कौन–सा कथन सही है?

(A) किसी भी देश का भुगतान सन्तुलन हमेशा सन्तुलित होता है

(B) किसी भी देश का भुगतान सन्तुलन हमेशा असन्तुलित होता है

(C) यह किसी देश के प्रतिकूल तब होता है जब आयात– निर्यात से कम होता है

(D) यह किसी देश के अनुकूल तब होता है जब आयात और निर्यात बराबर होते हैं।

6. फिशर का विनियम समीकरण स्थापित करता है।

(A) द्रव्य तथा कीमतों के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध

(B) द्रव्य तथा कीमतों के बीच विपरीत सम्बन्ध

(C) द्रव्य तथा कीमतों के बीच प्रत्यक्ष एवं आनुपातिक सम्बन्ध

(D) द्रव्य तथा कीमतों के मध्य विपरीत एवं आनुपातिक सम्बन्ध

7. भारत में 'राष्ट्रीय विकास परिषद्' का गठन हुआ था–

(A) 1945 में (B) 1948 में

(C) 1952 में (D) 1965 में

8. उत्पादन के एक साधन के सीमान्त उत्पाद और सीमान्त आय उत्पाद के मानों में कोई विसंगति नहीं होगी, यदि–

(A) AR = MR (B) AC = MC

(C) TC = TR (D) AC = AR

9. भारत में विदेशी विनिमय दर से संबंधित 1990 के दशक में उठाये गये निम्नलिखित कदमों को काल–क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

(1) चालू खाते की परिवर्तनीयता

(2) एकीकृत बाजार निर्धारित विनिमय दर प्रणाली

(3) उदारीकृत विनिमय दर प्रबंधन प्रणाली

(4) विनिमय दर में दो चरणों में यथार्थपरक समायोजना

कूट :

(A) (1) (2) (3) (4)

(B) (4) (3) (2) (1)

(C) (1) (3) (2) (4)

(D) (4) (2) (1) (3)

10. भुगतान अवशेष को अवमूल्यन तभी सुधार सकता है जब आयातों की माँग लोच एवं निर्यातों की माँग लोच का योग हो–

(A) एक के बराबर

(B) एक से अधिक

(C) एक से कम

(D) शून्य

11. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन कर के संबंध में सही है?

(A) कर एक अनिवार्य भुगतान है

(B) कर तथा फीस दोनों ही अनिवार्य भुगतान हैं

(C) कर एक ऐच्छिक भुगतान है

(D) कर तथा फीस दोनों ऐच्छिक भुगतान हैं

12. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

(A) फरवरी 2006 में

(B) फरवरी 2007 में

(C) फरवरी 2008 में

(D) फरवरी 2009 में

13. पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत अल्पकाल में किस परिस्थिति में एक फर्म उत्पादन बंद कर देगी?

(A) P यदि AVC से कम हो

(B) P यदि AVC के बराबर हो

(C) P यदि AVC से कम है परन्तु AVC से ऊँची हो

(D) P यदि AC से अधिक हो

14. भारतीय जनसंख्या की वृद्धि दर की दृष्टि से कौन सा वर्ष महान विभाजक वर्ष माना जाता है?

(A) 1901 (B) 1921

(C) 1951 (D) 1971

15. इनमें से कौन–सा सूत्र, औसत और सीमान्त आय की सहायता से माँग की लोच मापने के लिए उपयुक्त है–

(A) $e = \frac{MR}{AR - MR}$

(B) $e = \frac{AR}{TR - AR}$

(C) $e = \frac{MR}{MR - AR}$

(D) $e = \frac{AR}{AR - MR}$

16. यदि किसी वर्ष मुद्रा की आय चलन गति 3 हो तो अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रा भंडार होगा–

(A) वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 1/3

(B) 3 महीने की राष्ट्रीय आय

(C) वर्ष की मौद्रिक आय का 1/3

(D) वास्तविक फसल राष्ट्रीय उत्पाद का तीन गुना

17. हैरड के मॉडल में वांछित वृद्धि दर निर्भर करती है–

(A) बचत अनुपात पर प्रत्यक्षतः तथा पूँजी–उत्पादन अनुपात पर अप्रत्यक्षतः

(B) बचत अनुपात तथा पूँजी–उत्पादन अनुपात दोनों पर प्रत्यक्षतः

(C) बचत अनुपात पर तथा पूँजी–उत्पादन दोनों पर अप्रत्यक्षतः

(D) बचत अनुपात पर अप्रत्यक्षतः तथा पूँजी–उत्पादन अनुपात पर प्रत्यक्षतः

18. मुद्रा की सट्टा माँग को, जैसा कि कीन्स के द्वारा वर्णित है, इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है–

(A) $L_2 = f(r)$ (B) $L_2 = f(y)$

(C) $L_2 = f(v\text{-}s)$ (D) $L_2 = f(y, r)$

19. जे. एस. मिल के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विनिमय दर अनुपात का निर्धारण होता है–

(A) तुलनात्मक लागत अनुपात

(B) वस्तु की माँग की लोच

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) वस्तु की पूर्ति लोच

20. निम्नलिखित में से कौन–सा राजकोषीय नीति का संयंत्र नहीं है?

(A) परिवर्तनीय आरक्षित अनुपात

(B) करारोपण

(C) सार्वजनिक व्यय

(D) बाह्य उधार

21. फिशर का मूल समीकरण–

(A) $\frac{P}{T} = MV$ (B) $P \times MV = T$

(C) $PT = MV$ (D) $P = MV \times T$

22. IS-LM वक्र का प्रतिच्छेदन बिन्दु बताता है–

(A) वस्तु बाजार के संतुलन को

(B) मुद्रा बाजार के संतुलन को

(C) वस्तु व मुद्रा दोनों ही बाजारों के संतुलन को

(D) इनमें से किसी को भी नहीं

23. भारत में निम्न में कौन अपरिवर्त्य पत्र–मुद्रा है?

(A) एक रुपये का नोट

(B) पाँच रुपये का नोट

(C) दस रुपये का नोट

(D) सौ रुपये का नोट

24. 'क्रय शक्ति समता सिद्धान्त' प्रतिपादित किया गया था–

(A) गुस्तव कैसल द्वारा

(B) हरबर्लर द्वारा

(C) जे. एस. मिल द्वारा

(D) रिकार्डो द्वारा

25. एकाधिकारिक प्रतियोगिता का लक्षण ऐसे विक्रेताओं की अधिक संख्या का होना है, जो–

(A) स्वतंत्र व्यवहार करते हैं तथा समाँग वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

(B) स्वतंत्र व्यवहार करते हैं तथा असमाँग वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

(C) परस्पर निर्भर हैं तथा असमाँग वस्तुओं का उत्पादन करते हैं

(D) परस्पर निर्भर हैं तथा असमाँग वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते हैं

26. किसी फर्म को अधिकतम लाभ उस स्थिति में प्राप्त होगा जब उसे सीमान्त आय मिलने लगे–

(A) AC के बराबर

(B) AVC के बराबर

(C) AFC के बराबर

(D) MC के बराबर

27. यदि स्वायत्त निवेश में वृद्धि ₹ 5, 000 करोड़ हो तथा सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति 0.08 हो, तो राष्ट्रीय आय में वृद्धि क्या होगी?

(A) ₹ 20, 000 करोड़

(B) ₹ 25, 000 करोड़

(C) ₹ 10, 000 करोड़

(D) ₹ 30, 000 करोड़

28. उपज का वह भाग जिसे कृषक बाजार में बेचते हैं–

(A) कृषि आधिक्य

(B) विक्रय योग्य आधिक्य

(C) बिक्री आधिक्य

(D) उपभोक्ता आधिक्य

29. प्रो. पी. सी. महालनोबिस का नाम जुड़ा है–

(A) प्रथम योजना से

(B) द्वितीय योजना से

(C) तृतीय योजना से

(D) चतुर्थ योजना से

30. तुलनात्मक लागत सिद्धान्त किससे सम्बन्धित है?

(A) वस्तु उत्पादन

(B) वस्तु विक्रय

(C) देशी व्यापार

(D) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

31. विश्व बैंक समूह में कितने अंतर्राष्ट्रीय संगठन सम्मिलित हैं?

(A) चार (B) पाँच

(C) छः (D) सात

32. भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना आर्थिक विकास के किस मॉडल पर आधारित थी?

(A) प्रोफेसर पी. सी. महालनोबिस मॉडल

(B) प्रोफेसर ए. के. सेन मॉडल

(C) प्रोफ़सर मनमोहन सिंह मॉडल

(D) प्रो. हैरोड–डोमर मॉडल

33. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम उत्पादन की तीन अवस्थाओं की चर्चा करता है। उत्पादन के प्रथम चरण में–

(A) सीमान्त और औसत उत्पाद बढ़ते हैं

(B) सीमान्त उत्पाद बढ़ता है और औसत उत्पाद गिरता है

(C) औसत उत्पाद बढ़ता है और गिरना आरम्भ हो जाता है

(D) सीमान्त उत्पाद बढ़ता है और गिरना आरम्भ हो जाता है

34. व्यय–योग्य आय बराबर है–

(A) सकल राष्ट्रीय उत्पादन–घिसावट

(B) विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन–अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक अनुदान

(C) वैयक्तिक आय–वैयक्तिक प्रत्यक्ष कर

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. 'स्टैगफ्लेशन' वह स्थिति है जिसमें निम्नलिखित विशेषताएँ देखी जाती हैं–

(A) विस्फीति एवं बढ़ती हुई बेरोजगारी

(B) स्फीति एवं बढ़ता हुआ रोजगार

(C) सतत् मूल्य वृद्धि एवं बढ़ती बेरोजगारी

(D) स्थिर रोजगार एवं विस्फीति

36. दो देशों A तथा B के मध्य समान मात्रा में पूँजी एवं श्रम से वस्तु X तथा Y का उत्पादन निम्न प्रकार से होता है–

	वस्तुओं की इकाइयाँ	
	X	**Y**
देश A	**5**	**2**
देश B	**1**	**1**

ये देश उत्पादन में किस प्रकार विशिष्टता प्राप्त करेंगे तथा व्यापार करेंगे?

(A) देश A, X वस्तु व देश B, Y वस्तु के उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त करेंगे

(B) देश A दोनों वस्तुओं का उत्पादन करेगा

(C) देश B दोनों वस्तुओं का उत्पादन बराबर मात्रा में करेगा

(D) A और B के बीच व्यापार सम्भव ही नहीं है

37. ऋण योग्य राशियों के ब्याज निर्धारण सिद्धान्त में माँग वक्र में शामिल किया जाता है–

(A) बचत एवं साख

(B) उपभोग संचय एवं विनियोग

(C) निर्निवेश

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त से सम्बन्धित अर्थशास्त्री हैं–

(A) मार्शल (B) क्लार्क

(C) हिक्स (D) उपरोक्त सभी

39. रिकार्डो के अनुसार उपज की कीमत बढ़ने से भूमि की कीमत अर्थात् लगान–

(A) बढ़ जाता है

(B) कम हो जाता है

(C) शून्य हो जाता है

(D) समान बना रहता है

40. औसत स्थिर लागत को प्राप्त किया जा सकता है–

(A) $AFC = \frac{TFC}{TS}$ के द्वारा

(B) $AFC = \frac{FC}{TC}$ के द्वारा

(C) $AFC = \frac{TC}{FC}$ के द्वारा

(D) $AFC = \frac{TFC}{TO}$ के द्वारा

41. तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त किस पर आधारित है?

(A) मूल्य का श्रम सिद्धान्त

(B) वास्तविक लागत

(C) मौद्रिक लागत

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. भारत में ब्रिटिश काल में किसने 'आर्थिक दोहन' के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था?

(A) सी. एन. वकील

(B) डी. टी. लकड़ वाला

(C) विनोबा भावे

(D) दादा भाई नौरोजी

43. एक फर्म विक्रय लागतें व्यय करती हैं–

(A) पूर्ण प्रतिस्पर्धा में

(B) एकाधिकार में

(C) एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा में

(D) सभी बाजार अवस्थाओं में

44. निम्नलिखित में से किस एक कर को प्रगतिशील कर नहीं कहा/बनाया जा सकता है:

(A) आय कर (B) सम्पत्ति कर

(C) निगम कर (D) उत्पाद कर

45. निम्नलिखित में कौन एक किसी देश की व्यापार शर्तों को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है :

(A) प्रशुल्क

(B) अवमूल्यन

(C) आर्थिक संवृद्धि

(D) स्थिर विनिमय दर

46. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिष्ठित सिद्धान्त के अनुसार दो देश व्यापार इसलिए करते हैं कि :

(A) परिवहन लागत महत्वपूर्ण है।

(B) समाज को श्रेष्ठ वस्तुएँ उपभोग के लिए प्राप्त होती हैं।

(C) देश प्रशुल्क लगाते हैं।

(D) उत्पादन की दशाएँ भिन्न–भिन्न हैं।

47. स्टॉप्लर–सैम्युलसन प्रमेय का सम्बन्ध है, प्रशुल्क के प्रभाव का :

(A) आय वितरण पर

(B) व्यापार शर्त पर

(C) उपभोग पर

(D) कीमतों पर

48. अनुभव आधारित गवेषणाओं से यह स्पष्ट होता है कि दीर्घकालीन औसत लागत वक्र का आकार होता है :

(A) U के समान

(B) L के समान

(C) उल्टे 'J' के समान

(D) 'K' आकार का

49. 'लगान किसी साधन की स्थानान्तरण आय से अतिरिक्त प्राप्त होने वाली आय को कहते हैं।' यह विचारावलम्ब है :

(A) डी. रिकार्डो का

(B) ए. मार्शल का

(C) जे.एस. मिल का

(D) जे. रॉबिन्सन का

50. ओहलिन और हेक्शचर के अनुसार, वस्तुओं के सापेक्षिक मूल्यों में अन्तर का सबसे महत्वपूर्ण कारण तथा देशों के मध्य व्यापार होने का कारण है :

(A) साधन सम्पदा में अन्तर

(B) तकनीक में अन्तर

(C) रुचियों में अन्तर

(D) माँग की दशाओं में अन्तर

51. एक आदर्श माँग सारणी में मांगी गई मात्रा में परिवर्तन :

(A) मूल्य के साथ प्रत्यक्ष रूप से होता है

(B) मूल्य के अनुपात में होता है

(C) मूल्य के विलोमानुपात में होता है

(D) मूल्य पर आश्रित नहीं होता है

52. आर्थिक संवृद्धि के सिद्धान्त में 'चाकू की धार' के विचार का प्रयोग निम्नलिखित में से किस प्रारूप में हुआ है :

(A) रोस्टोव (B) हैरोड–डोमर

(C) सोलो (D) कैल्डोर

53. निम्नलिखित में से कौन–सा सिद्धान्त कहता है, कि 'ब्याज विशुद्ध रूप से एक मौद्रिक चर है' :

(A) ऋण–योग्य कोष सिद्धान्त

(B) तरलता अधिमान सिद्धान्त

(C) बचत–निवेश सिद्धान्त

(D) त्याग सिद्धान्त

54. 'न्यूनतम क्रांतिक प्रयास' सिद्धान्त में आय बढ़ने के पश्चात् जनसंख्या बढ़ने का कारण है :

(A) ज्यादा बड़े परिवार की लालसा

(B) मृत्युदर का कम होना

(C) दूसरे देशों से प्रवसन

(D) बेहतर आहार

55. 'असंतुलित विकास' प्राक्कलन इस मान्यता पर बनाया गया है कि :

(A) विस्तार विभिन्न दिशाओं में एक साथ होता है

(B) पूंजी और कुशल श्रम की पूर्ति दुर्लभ है

(C) श्रम और पूंजी की पूर्ति असीमित है

(D) विकासशील देशों में विकास दर की उच्चतम सीमा है

56. कथन (A) : भारतीय कृषि अभी भी श्रम शक्ति के बड़े भाग को खपाती है।

कारण (R) : कृषि क्षेत्रक में रोजगार अवशोषण लोच निरंतर बढ़ी है।

उपर्युक्त के संदर्भ में निम्न में से कौन–सा एक सही है?

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या है।

(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) का सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

57. नीचे दिये आरेख में कौन एक त्रुटिपूर्ण दिखाया गया है?

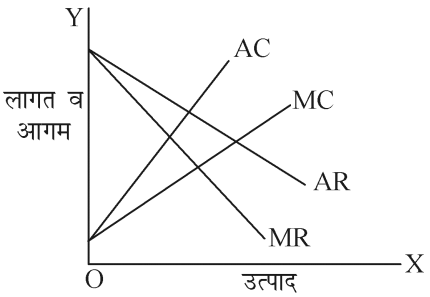

(A) AC (B) MC

(C) AR (D) MR

58. NABARD का प्रमुख कार्य है–

(A) जनता को ऋण प्रदान करना

(B) जनता से जमाएं स्वीकार करना

(C) ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए व्यापारिक बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को ऋण प्रदान करना

(D) सरकारी प्रतिभूतियों में सौदा करना

59. अधिकतम सामाजिक लाभ का नियम सम्बन्धित है–

(A) करारोपण से

(B) सार्वजनिक व्यय से

(C) सार्वजनिक ऋण से

(D) करारोपण और सार्वजनिक व्यय दोनो से

60. एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा में एक फर्म का दीर्घकालीन सन्तुलन बनता है–

(A) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के न्यूनतम बिन्दु पर

(B) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के गिरते हुए खण्ड में

(C) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के उठते हुए खण्ड में

(D) जब कीमत सीमान्त लागत के बराबर है

61. सामान्य पदार्थ एवं श्रेष्ठ पदार्थ के लिये आय प्रभाव सदैव–

(A) शून्य होता है

(B) ऋणात्मक होता है

(C) धनात्मक होता है

(D) ये सभी असत्य हैं

62. उपभोक्ता साम्य की स्थिति में तब होता है, जब–

(A) MU शून्य हो

(B) MU और TU बराबर हो

(C) AU और MU बराबर हों

(D) TU और AU बराबर हों

63. MRSxy व्यक्त करता है–

(A) उपभोक्ता x की एक अतिरिक्त इकाई के लिए y की कितनी मात्रा का त्याग करता है और उसी उदासीनता–वक्र पर रहता है

(B) उपभोक्ता y की एक अतिरिक्त इकाई के लिए x की कितनी इकाइयों का त्याग करता है और उसी उदासीनता–वक्र पर करता है

(C) उपभोक्ता x की एक इकाई के लिए y की कितनी इकाइयों का त्याग करता है और ऊँचे उदासीनता–वक्र पर चढ़ जाता है

(D) उपभोक्ता निचले उदासीनता–वक्र पर उतर जाता है

व्याख्यात्मक हल

भाग–I (Part-I)

1.(i)(C) ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किसी भी कानून को न्यायालयों में चुनौती नहीं दी जा सकती है, जो कि उसकी संसदीय सम्प्रभुता की द्योतक है। तात्पर्य यह है, कि संसद सर्वोच्च है।

1.(ii)(B) स्विफ्ट का निर्माण तट के सहारे चलने वाले वेलांचली प्रवाह द्वारा होता है। स्विफ्ट एक प्रकार की रोधिका है, जिसका एक छोर शीर्ष स्थल से जुड़ा होता है तथा दूसरा छोर महासागर की ओर निकला रहता है।

1.(iii)(C) उदारवादी विचारक राज्य को एक ऐसी संस्था मानते हैं जिसे सब मुनष्यों या उनके समूहों ने मिलकर अपने हित और लाभ के लिए बनाया है। यह विचार राज्य के यन्त्रीय सिद्धान्त (Mechanistic Theory of the State) के साथ निकट से जुड़ा है। सामाजिक समझौता का सिद्धान्त राज्य की उत्पत्ति के बारे में ऐसी परिकल्पना को व्यक्त करता है, जिससे उदारवाद की मान्यताओं की पुष्टि होती है। इसमें यह कल्पना की गई है, कि राज्य का निर्माण सब मनुष्यों ने मिलकर सबके हित–साधन के उद्देश्य से किया है। अतः सामाजिक समझौते के अनुसार राज्य एक यन्त्र है।

1.(iv)(B) पूर्ण प्रतियोगिता में मांग वक्र व सीमांत आय वक्र आधार–अक्ष के समानान्तर सरल रेखा होती है, जबकि एकाधिकारी फर्म का मांग वक्र नीचे गिरता हुआ होता है। एकाधिकार में सीमांत आय (MR) सदैव कीमत से कम होती है, क्योंकि एकाधिकारी का मांग वक्र और औसत आय वक्र एक ही होता है, जो नीचे की ओर ऋणात्मक ढाल का होता है। यदि एकाधिकारी अपनी कीमत या उत्पादन में परिवर्तन करेगा तो उसका प्रभाव सीमांत आय पर पड़ेगा। इसको निम्न समीकरण द्वारा समझा जा सकता है–

$$MR = \frac{\Delta TR}{\Delta Q}$$

$$= \frac{\Delta(P.Q)}{\Delta Q}$$

जहाँ ΔTR = कुल आय में परिवर्तन

P = वस्तु की कीमत

Q = उत्पादन मात्रा

या, $\Delta TR = P.\Delta Q + Q.\Delta P$

दोनों पक्षों में ΔQ से भाग देने पर–

$$\frac{\Delta TR}{\Delta Q} = \frac{P.\Delta Q}{\Delta Q} + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}$$

या, $$\frac{\Delta TR}{\Delta Q} = P + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}.$$

या, $$MR = P + Q.\frac{\Delta P}{\Delta Q}$$

उपरोक्त समीकरण से स्पष्ट है, कि सीमांत आय (MR) पढ़ाई की कीमत से कम हो। इसको निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट कर सकते हैं–

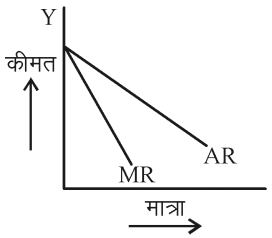

भाग–II (Part-II)

इतिहास

2. (A) कोल का कथन है कि श्रेणी समाजवाद समष्टिवाद तथा श्रमिक संघवाद का समन्वय है। समष्टिवाद केवल उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखकर उत्पादन प्रणाली का पुनर्निर्माण करता है और श्रमिक संघवाद उत्पादों के हित को एकमात्र महत्व देता है। यह समष्टिवाद की भाँति राज्य को न तो शक्तिशाली बनाता है और न संघवादियों की भाँति राज्य का उन्मूलन चाहता है।

3. (B) हड़प्पा सभ्यता का उत्कर्ष काल 2250–1750 ई. पू. था। तिथि निर्धारण इस प्रकार है–

तिथि निर्धारण	विद्वान्
3250 – 2750 ई. पूर्व	जॉन मार्शल
2800 – 2500 ई. पूर्व	अर्नेस्ट मैके
3500 – 2700 ई. पूर्व	माधोस्वरूप वत्स
2350 – 1700 ई. पूर्व	सी.जे. गैड
2500 – 1500 ई. पूर्व	मार्टिमर ह्वीलर
2000 – 1500 ई. पूर्व	फेयर सर्विस

रेडियो कार्बन C–14 जैसी नवीन पद्धति के द्वारा हड़प्पा सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2500 ई. पू. से 1750 ई. पू. को माना जाता है।

4. (A) उत्तरी भारत में नव–पाषाणकाल के पुरावेशेष जम्मू कश्मीर प्रदेश में स्वात घाटी में स्थित पुरास्थालों से प्राप्त हुए हैं। प्रमुख पुरास्थलों में बुर्जहाम, गुफ्कराल तथा मार्तण्ड का उल्लेख किया जा सकता है।

5. (C) गयासुद्दीन बलबन (1266–1286 ई.) इल्बारि जाति का व्यक्ति था, जिसने एक नये राजवंश 'बलबनी वंश' की स्थापना की थी। गयासुद्दीन बलबन गुलाम वंश का नवाँ सुल्तान था। बलबन मूलतः सुल्तान इल्तुतमिश का तुर्की गुलाम था। बलबन को ख्वाजा 'जमालुद्दीन बसरी' नाम का एक व्यक्ति खरीद कर 1232–33 ई. में दिल्ली लाया था। इल्तुतमिश ने ग्वालियर

को जीतने के उपरान्त बलबन को खरीद लिया। अपनी योग्यता के कारण ही बलबन इल्तुतमिश के समय में, विशेषकर रजिया सुल्तान के समय में 'अमीर–ए–शिकार', मुइजुद्दीन बहरामशाह के समय में 'अमीर–ए–आखूर', अलाउद्दीन मसूद के समय में 'अमीर–ए– हाजिब' एवं सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद के समय में 'अमीर–ए–हाजिब' व नाइन के रूप में राज्य की सम्पूर्ण शक्ति का केन्द्र बन गया। बलबन दिल्ली का प्रथम सुल्तान था जिसने दरबार में गैर–इस्लामी प्रथाओं का प्रचलन किया। उसने दरबार में सिजदा (घुटने पर बैठकर सिर झुकाना) व पायोबोस (सुल्तान का चरण चुम्बन) की प्रथा प्रारम्भ की। दरबार में उसने प्रत्येक वर्ष ईरानी नौरोजे मनाने की प्रथा आरम्भ की। अपने व्यक्तिगत जीवन में भी उसने फारस के रीति रीवाजों का अनुसरण किया।

6. (A) सिन्धु सभ्यता के लोग देवियों और देवताओं दोनों की पूजा करते थे। सिन्धु सभ्यता से मन्दिर, महल आदि नहीं मिले है। इस सभ्यता में मातृशक्ति की पूजा सर्वप्रधान थी क्योंकि सैन्धव सभ्यता से स्त्री मश्ण्यमूर्तियाँ अधिक मिली है। सिन्धु सभ्यता में पशुपति पूजा भी प्रचलित थी।

7. (A) ब्राह्मण पिता तथा वैश्य माता से उत्पन्न पुत्र अम्बष्ठ में वर्गीकृत किया जाता था।

8. (C) ब्राह्मण पुराण में शैव सम्प्रदाय की संख्या चार बतायी गई हैं–

1. शैव 2. पाशुपत
3. कापालिक 4. कालामुख

पाशुपत सम्प्रदाय शैवों का सर्वाधिक प्राचीन सम्प्रदाय है। इसका विवरण महाभारत में मिलता है। इस सम्प्रदाय के सिद्धान्त के तीन अंक हैं–पति (स्वामी), पशु (आत्मा), पाश (वचन)। इसके संस्थापक लकुलीश या नकुलीश थे, जिन्हें भगवान शिव के 18 अवतारों में से एक माना जाता था। इस सम्प्रदाय के अनुयायियों को पंचाधिक कहा गया। इस मत का प्रमुख सैद्धान्तिक ग्रन्थ 'पाशुपत सूत्र' है।

9. (D) मौर्य प्रशासन में माप और तौल का अध्यक्ष पौतवाध्यक्ष था। अर्थशास्त्र में 28 अध्यक्षों का विवरण मिलता है, जो विभिन्न विभागों के अध्यक्ष के रूप में मन्त्रियों के नीचे काम करते थे। इन अध्यक्षों में प्रमुख थे–

पण्याध्यक्ष – वाणिज्य का अध्यक्ष
सूनाध्यक्ष – बूचड़खाने का अध्यक्ष
आकाराध्यक्ष – खानों का अध्यक्ष
पौतवाध्यक्ष – माप–तौल का अध्यक्ष
गणिकाध्यक्ष – वेश्याओं का अध्यक्ष
सीताध्यक्ष – कृषि विभाग का अध्यक्ष
पत्तनाध्यक्ष – बन्दरगाहों का अध्यक्ष
लौहाध्यक्ष – धातु का अध्यक्ष
कुप्याध्यक्ष – वन सम्पत्ति अध्यक्ष
सूत्राध्यक्ष – कपड़े का अध्यक्ष
विविताध्यक्ष – चरागाहों का अध्यक्ष

10. (D) चन्द्रगुप्त मौर्य का प्राचीनतम अभिलेखीय उद्धरण रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख में मिलता है।

11. (C) मौर्य प्रशासन में 'रूपदर्शक' सिक्कों के परीक्षक को कहा जाता था।

12. (A)

मुद्रा	राजवंश
1. पण	– मौर्य काल
2. तोल	– गुप्त काल
3. काकिनी	– गुप्त काल
4. दीनार (स्वर्ण सिक्का)	– गुप्त काल

13. (C) प्राचीन तमिल ग्रन्थ 'तोलकाप्पियम' व्याकरण से सम्बन्धित है। इसके रचनाकार तोलकाप्पियर थे। इसमें तीन खण्ड हैं। यह धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की नियमावली भी है।

14. (D) कनिष्क ने चरक को संरक्षण प्रदान किया था। कनिष्क कला और विद्वता का आश्रयदाता था। इसके दरबार में अश्वघोष (साहित्यकार), नागार्जुन (वैज्ञानिक), वसुमित्र, चरक (चिकित्सक) इत्यादि थे।

15. (C) शुंग शासक अग्निमित्र कालिदास की कृति 'मालविकाग्निमित्रम्' का नायक था। चौथी शताब्दी के उत्तरार्द्ध एवं पाँचवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में कालिदास द्वारा रचित इस संस्कृत ग्रन्थ से पुष्यमित्र शुंग एवं उसके पुत्र अग्निमित्र के समय के राजनीतिक घटनाचक्र तथा शुंग एवं यवन संघर्ष का उल्लेख मिलता है।

16. (D) चतुर्थ बौद्ध सभा कनिष्क के शासनकाल में प्रथम शताब्दी ई. के कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित की गई थी। इसके अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इस बौद्ध सभा में 'विभाषशास्त्र' नामक टीका का संकलन किया गया तथा बौद्ध धर्म का दो सम्प्रदायों हीनयान एवं महायान में विभाजन हो गया।

17. (B) संगम काल में तमिल भाषा में महाभारत कुट्टन ने लिखा था।

18. (D) गान्धार (अब अफगानिस्तान में) गुप्त–पूर्व काल में ऊनी वस्त्र उत्पादन का प्रमुख केन्द्र था।

19. (B) प्रसिद्ध बौद्ध लेखक हरिभद्र पाल शासक धर्मपाल के दरबार में था। धर्मपाल एक उत्साही बौद्ध था। उसके लेखों में उसे 'परम सौगात' कहा गया है। उसने विक्रमशिला तथा सोमपुरी (पहाड़पुर) में प्रसिद्ध विहारों की स्थापना की। तारानाथ के अनुसार उसने 50 धार्मिक विद्यालयों की स्थापना करवायी थी, किन्तु राजा के रूप में उसमें धार्मिक असहिष्णुता एवं कट्टरता नहीं थी।

20. (C) प्रसिद्ध व्यापारिक मार्ग उत्तरापथ मथुरा एवं तक्षशिला स्थानों को जोड़ता था।

21. (D) अनन्तवर्मन ने अपने बारबरा गुफा अभिलेख में अपने पिता को सामन्त चूड़ामणि के नाम से उद्धत किया है।

22. (A) मोटूपल्ली बंदरगाह पूर्वीतट का बंदरगाह है। मुजिरिस, सुर्पारक एवं कल्याण भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित बन्दरगाह थे।

23. (C) हड़प्पा सभ्यता में इस बात का साक्ष्य मिला है कि हड़प्पा वासियों ने पशुपति का सम्मान करना आरम्भ कर दिया था। हड़प्पा सभ्यता के मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर पर योगी की मुद्रा में एक व्यक्ति बैठा हुआ है। यह बकरी, हाथी, शेर तथा हिरण से घिरा हुआ है। विशेषज्ञों ने इसे पशुपति शिव माना है। जॉन मार्शल के अनुसार इस सभ्यता के लोग पशुपति शिव की आराधना करते थे।

24. (C) कुँए से पानी को ऊपर निकालने का एक उपकरण था। जिसका उपयोग खेत की सिंचाई के लिए होता था।

25. (B) दहशाला भूमि व्यवस्था को बन्दोबस्त व्यवस्था भी कहा जाता था। वास्तविक उत्पादन, स्थानीय कीमतें, उत्पादकता आदि पर उनकी सूचना के आधार पर अकबर ने 1580 ई. में 'दहशाला' नाम की नवीन प्रणाली का प्रारम्भ किया। इस प्रणाली के अन्तर्गत राजा टोडरमल ने अलग–अलग फसलों पर नकद के रूप में वसूल किए जाने वाले लगान का 1571 से 1580 के मध्य करीब 10 वर्ष का औसत निकालकर उस औसत का एक–तिहाई (1/3) भू–राजस्व के रूप में निश्चित किया। कालान्तर में इस प्रणाली में सुधार के अन्तर्गत न केवल स्थानीय कीमतों को आधार बनाया गया, बल्कि कृषि उत्पादन वाले परगनों को विभिन्न कर इलाकों में बाँटा गया। अब किसान को भू–राजस्व स्थानीय कीमत एवं स्थानीय उत्पादन के

अनुसार देना होता था। इस आइने दहशाला व्यवस्था को 'टोडरमल बन्दोबस्त' भी कहा जाता था।

26. (B) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर तथा बुक्का नामक दो भाइयों ने की थी। हरिहर तथा बुक्का प्रारम्भ में काकतीय राजवंश के अधीन सामन्त थे तथा कालान्तर में काम्पिल्य राज्य के मन्त्री बने। 1328 ई में काम्पिल्य अभियान में मुहम्मद बिन तुगलक दोनों को बन्दी बनाकर दिल्ली लाया तथा इस्लाम ग्रहण करने को मजबूर किया। इनके गुरु माधव विद्यारण्य ने इन दोनों को पुनः हिन्दू धर्म में दीक्षित किया। अपने अन्य भाइयों की सहायता से हरिहर और बुक्का ने विजयनगर साम्राज्य की नींव डाली।

27. (A) महाराष्ट्र में वरकरी पन्थ की स्थापना नामदेव ने की थी। सगुण ब्रह्म के उपासक नामदेव ने मोक्ष प्राप्ति के लिए भक्ति के मार्ग को बताया। वे महाराष्ट्र में भक्ति आन्दोलन के अग्रणी नेता थे। उन्होंने अपना उपदेश (सन्देश) हिन्दी एवं मराठी भाषा में कविता लिखकर जनसामान्य तक पहुँचाया। उन्होंने अन्धविश्वास, तीर्थयात्रा, धार्मिक भेदभाव आदि का विरोध किया। महाराष्ट्र के अन्य धार्मिक नेता ज्ञानेश्वर, हेमाद्रि, चक्रधर, रामनाथ, तुकाराम इत्यादि थे।

28. (B) देवराय II ने 'गजबेटकर' की उपाधि धारण की। गजबेटकर का अर्थ 'हाथियों का शिकारी' होता है। उन्होंने बहमनियों की बराबरी करने के लिए सेना में मुसलमानों को भर्ती किया था। इटली के यात्री निकालोकॉण्टी ने 1420 ई. में तथा फारस के दूत अब्दुर्रज्जाक ने 1443 ई. में इसी के शासन काल में विजयनगर का भ्रमण किया। पुर्तगाली यात्री नूनिज ने भी इस काल का वर्णन किया।

29. (A) मराठा साम्राज्य के पेशवा बाजीराव I ने हिन्दू पद–पादशाही की उपाधि धारण की थी। बालाजी विश्वनाथ की मृत्यु के बाद शाहू ने इसके बड़े लड़के बाजीराव प्रथम को अपना अगला पेशवा बनाया। यह विस्तारवादी प्रकृति का आदमी था। इसने हिन्दू जाति की कीर्ति को विस्तृत करने के लिए ही हिन्दू पादशाही के आदर्श को फैलाने का प्रयत्न किया। बाजीराव ने मुगल साम्राज्य की कमजोर हो रही स्थिति का फायदा उठाने के लिए शाहू को उत्साहित करने के लिए कहा कि–''आओ हम इस पुराने वृक्ष के खोखले तने पर प्रहार करें, शाखाएँ तो स्वयं ही गिर जाएँगी, हमारे प्रयत्नों से मराठा पताका कृष्णा नदी से अटक तक फहराने लगेगी।'' उत्तर में शाहू ने कहा–''निश्चित रूप से ही आप इसे हिमालय के पार गाड़ देंगे। निःसन्देह आप योग्य पिता के योग्य पुत्र हैं।''

30. (C) मुगल काल में तनब भू–मापन का एक उपकरण था। यह बास की छड़ियों से जुड़ी लौ छल्ले युक्त था। सोलहवीं शताब्दी में आमतौर पर इसका इस्तेमाल किया जाता था। इससे जमीन का क्षेत्र निर्धारण किया जाता था, जिसे 'पैमाइश' कहा जाता था।

31. (C) मनसबदारों को वेतन नकद एवं जागीर दोनों में ही देने की व्यवस्था थी। ऐसे मनसबदार, जिन्हें मुद्रा के रूप में वेतन दिया जाता था, उन्हें अमीर कहा जाता था। कार्यकाल के समय मनसबदारों के मरने पर उसकी सम्पत्ति को जब्त कर लिया जाता था। मनसबदारों की जागीरें एक प्रान्त से दूसरे प्रान्त में स्थानान्तरित कर दी जाती थीं। ऐसी जागीरों को 'वतन जागीर' भी कहा जाता था। अकबर के समय कुल मनसबदारों की संख्या लगभग 1803 थी जो औरंगजेब के समय बढ़कर 14,449 हो गई थी। मनसब अरबी भाषा का एक शब्द है जिसका अर्थ पद होता है।

32. (B) औरंगजेब के समय अमीन जजिया का संग्रह करता था।

33. (D) सिन्धु सभ्यता के लोग लोहे से परिचित नही थे। सिन्धु सभ्यता में ताँबा, सोना, चाँदी तथा कीमती पत्थर आदि धातुएं प्रचलन में थी। लोहे को वैदिक काल में कृष्ण अयस् कहा जाता था। सिन्धु सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। हड़प्पा काल में ताँबा राजस्थान से, टिन, सोना, चाँदी अफगानिस्तान से तथा रत्न दक्षिण भारत से मँगाये जाते थे।

34. (A) मुगल मन्त्री दीवान वेतनाधिकारी प्रमुख था। यह एक फारसी शब्द है। इसका नियन्त्रण राजस्व एवं वित्तीय विभागों पर होता था। अकबर के समय में उसका वित्त विभाग दीवान मुजफ्फर खाँ, राजा टोडरमल एवं ख्वाजा शाह मंसूर के अधीन करीब 23 वर्ष तक रहा। जहाँगीर के काल में ग्यासबेग, एत्मादुद्दौला दीवान के पद पर रहे। शाहजहाँ के समय अफजल खाँ, इस्लाम खान एवं सादुल्ला खाँ के अधीन राजस्व विभाग 32 वर्ष तक रहा। औरंगजेब के समय में 'असद खान' ने सर्वाधिक 31 वर्ष तक दीवान के पद पर कार्य किया। दीवान या वजीर के निरीक्षण में कार्य करने वाले मुख्य विभाग दीवान–ए–खालसा (खालसा भूमि के लिए), दीवान–ए–तन (नकद तनख्वाओं), दीवान–ए–तवजिह (सैन्य लेखा–जोखा के लिए), दीवान–ए–जागीर (राजस्व के कार्यों के लिए दिया जाने वाला वेतन), दीवान–ए–वद्यताल (मीर सामान के विभाग के लिए), इत्यादि थे।

35. (C) भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत प्रान्तों में द्वैध शासन की स्थापना की गई थी जिसके अन्तर्गत प्रान्तीय सरकार के सभी विषयों को हस्तान्तरित तथा सुरक्षित नामक दो श्रेणियों में विभाजित कर दिया गया। सुरक्षित मामले गवर्नर द्वारा अपने कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों के सहयोग से सम्पादित किए जाते थे, जबकि हस्तान्तरित मामलों का प्रशासन गवर्नर लोकप्रिय मन्त्रियों के सहयोग से चलाता था। पुलिस, जेल, भू–राजस्व, सिंचाई तथा वन जैसे विषय सुरक्षित श्रेणी में रखे गए जबकि स्थानीय स्वशासन, शिक्षा, समाज कल्याण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि तथा उद्योग जैसे–विषय हस्तान्तरित श्रेणी में रखे गए हैं।

36. (A) सर थॉमस मुनरो ने मद्रास प्रेसिडेन्सी की स्थापना की थी, 1639 ई. में अंग्रेजों ने मद्रास को पट्टे पर लेकर कारखाने की स्थापना की। साथ ही कारखाने की किलेबन्दी करके उसे फोर्ट–सेन्ट जॉर्ज का नाम दिया।

37. (D) बक्सर के युद्ध में मीर कासिम की सेना को पराजित करने वाला अंग्रेजी सेना का अध्यक्ष **मेजर मुनरो** था। वह युद्ध 22 अक्टूबर 1764 ई. में हुआ था। इस युद्ध में एक ओर मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय, अवध का नवाब शुजाउद्दौला तथा मीर कासिम थे तो दूसरी ओर अंग्रेजी सेना का नेतृत्व उनका कुशल सेनापति कैप्टन मुनरो कर रहा था। दोनों सेनाएँ बिहार में बलिया से लगभग 40 किमी दूर 'बक्सर' नामक स्थान पर आमने–सामने हुईं। लगभग तीन घण्टे में ही युद्ध का निर्णय हो गया जिसकी बाजी अंग्रेजों के हाथ में रही।

38. (B) आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती थे। उन्होंने बम्बई में 10 अप्रैल 1875 ई. में आर्य समाज की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य वैदिक धर्म को पुनः शुद्ध रूप में स्थापित करने का प्रयास करना, भारत को धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक रूप से एक सूत्र में बाँधने का

प्रयत्न एवं पाश्चात्य प्रभाव को समाप्त करना इत्यादि था। दयानन्द द्वारा चलाए गए शुद्धि आन्दोलन के अन्तर्गत उन लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में आने का मौका मिला जिन्होंने किसी कारणवश इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया था।

'वेलेण्टाइन शिरोल' ने आर्य समाज को भारतीय अशान्ति का जन्मदाता कहा था।

39. (C)

ट्रेड यूनियन	स्थापना वर्ष
1. बम्बई मिलहैण्ड एसोसिएशन	1884
2. कोलकाता प्रिन्टर्स यूनियन	1905
3. मद्रास लेबर यूनियन	1918
4. अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन	1920
5. कांग्रेस इण्डिया ट्रेड यूनियन	1920
6. ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन फेडरेशन	1929
7. जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन	1925

आधुनिक भारत का पहला ट्रेड यूनियन मद्रास में लेबर यूनियन है जिसकी स्थापना बी.पी. वाडिया ने 1918 ई में की थी।

40. (B) रैयतवाड़ी भूमि कर व्यवस्था को सर्वप्रथम 1792 ई. में थॉमस मुनरो ने मद्रास के बारामहल जिले में लागू किया था। थॉमस मुनरो जिस समय मद्रास का गवर्नर था, उस समय इसके कुल उपज के तीसरे भाग को भूमि कर का आधार मान कर मद्रास में इस व्यवस्था को लागू किया गया।

बम्बई में 1835 ई. में लेफ्टिनेन्ट बिनगेट के भूमि–सर्वेक्षण के आधार पर रैयतवाड़ी व्यवस्था लागू की गई। इसमें भूमि की उपज की आधी मात्रा सरकारी लगान के रूप में निश्चित की गई। रैयतवाड़ी व्यवस्था में प्रत्येक पंजीकृत भूमिदार भूमि का स्वामी होता था। यही सरकार का लगान देने के लिए उत्तरदायी होता था। इसके पास भूमि को रेहन रखने व बेचने का अधिकार होता था। इस व्यवस्था के अन्तर्गत सरकार का रैयत से सीधा सम्पर्क होता था। यह व्यवस्था मद्रास, बम्बई एवं असम अधिकांश भागों में लागू की गई थी।

41. (C) पुर्तगालियों ने भारत को तम्बाकू फसल से पहली बार परिचय कराया था। भारत के साथ व्यापार के लिए नया मार्ग खोजने का श्रेय पुर्तगालियों को जाता है। 1497 ई. में पुर्तगाली नाविक वास्को–डि–गामा ने लिस्बन से अपनी यात्रा प्रारम्भ की तथा केप ऑफ गुड होप होते हुए भारत में समुद्र तटीय नगर कालीकट में 1498 ई. में समाप्त की। कालीकट में राजा जमोरिन ने वास्को–डि–गामा का स्वागत किया था। भारत में तम्बाकू का पौधा पुर्तगालियों द्वारा 1508 ई. में लाया गया था। वर्तमान समय में तम्बाकू को भारतीय कृषि में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। यह सरकार के राजस्व का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।

42. (B) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के प्रयास से विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 में पारित हुआ जिसके फलस्वरूप विधवा विवाह को मान्यता दे दी गई। यह अधिनियम लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में पारित हुआ था। लार्ड डलहौजी का कार्यकाल 1848-1856 ई. तक था।

43. (B) 'गुलामगिरी' पुस्तक ज्योतिबा फुले ने लिखी थी। वे 19वीं सदी के महान् समाज सुधारक थे। वे अछूत जाति के थे तथा सामाजिक समानता के लिए संघर्ष करने वाले आरम्भिक सुधारकों में से थे। वे स्त्रियों की शिक्षा के प्रबल समर्थक थे तथा 1848 ई. में अपनी पत्नी सावित्री देवी के सहयोग से उन्होंने निम्न वर्ग की बालिकाओं के लिए पूना में विद्यालय स्थापित किया।

44. (D) तमिल पत्रिका कुदी अरासू के संस्थापक ई. वी. रामास्वामी नायकर थे।

45. (A) भारत सरकार अधिनियम, 1935 के द्वारा भारतीयों को प्रान्तीय शासन प्रबन्ध का अधिकार दिया गया। परिणामस्वरूप 1937 ई. में प्रान्तीय विधान सभा के चुनाव हुए। कांग्रेस को संयुक्त प्रान्त, मद्रास, मध्य प्रदेश, बरार, उड़ीसा, बिहार में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। कांग्रेस ने इस आश्वासन पर कि गवर्नर बिना वजह हस्तक्षेप नहीं करेंगे 8 प्रान्तों में अपनी सरकार बनाई एवं सिन्ध, सीमा प्रान्त तथा मराठा में मिला–जुला मन्त्रिमण्डल बना।

46. (C) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 ई. में लाहौर में आयोजित अधिवेशन में एक प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस ने 'पूर्ण स्वराज्य' का अपना लक्ष्य घोषित किया था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता पं. जवाहरलाल नेहरू ने की थी। 31 दिसम्बर, 1929 को रात के 12 बजे जवाहरलाल नेहरू ने रावी नदी के तट पर अपार जनसमूह के मध्य नये तिरंगे झण्डे को फहराया था। अधिवेशन में 26 जनवरी, 1930 को प्रथम स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाने का निश्चित किया गया। इसी के साथ प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा शुरू हुई।

47. (D) अभिनव भारत समिति (यंग इंडिया सोसाइटी) 1904 में विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गनेश दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित एक गुप्त समाज था।

48. (A) बंगाल का विभाजन सन् 19 जुलाई 1905 में लॉर्ड कर्जन के आदेश के आधार पर किया गया। साइमन आयोग 1928 में भारत आया। इसका मुख्य कार्य, भारत शासन अधिनियम, 1919 के व्यावहारिकता और सफलता की जाँच करना था। जब वह भारत आया, तो उस समय भारत के वायसराय लॉर्ड–इरविन थे। भारत शासन अधिनियम, 1919 को मान्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार के नाम से जाना जाता है।

49. (C) राजा राममोहन राय प्रथम भारतीय थे जिन्होंने सर्वप्रथम भारतीय समाज में व्याप्त मध्ययुगीन बुराइयों के विरोध में आन्दोलन चलाया। 1815 ई. में हिन्दू धर्म के एकेश्वरवादी मत के प्रचार हेतु इन्होंने **आत्मीय सभा** का गठन किया। **20 अगस्त, 1828** को राजाराम मोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की इस समाज का मुख्य उद्देश्य एकेश्वरवाद की उपासना, मूर्तिपूजा का विरोध, पुरोहितवाद का विरोध, अवतारवाद का खण्डन आदि था।

50. (C) 22 मार्च, 1947 को भारत के 34वें और अन्तिम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउण्टबेटन, लॉर्ड बैवेल के स्थान पर आए जिनका एकमात्र उद्देश्य भारत को अतिशीघ्र स्वतन्त्रता प्रदान करना था और इसी के उपलक्ष्य में माउण्टबेटन योजना बनाई जिसे अधिनियमित कर, भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947 पारित किया गया।

51. (B) खिलाफत आन्दोलन का समर्थन मदनमोहन मालवीय ने नहीं किया था। खिलाफत आन्दोलन भारतीय मुसलमानों का मित्र राष्ट्रों के विरुद्ध विशेषकर ब्रिटेन के खिलाफ टर्की के खलीफा के समर्थन में आन्दोलन था। 17 अक्टूबर, 1919 में समूचे देश में खिलाफत दिवस मनाया गया। 23 नवम्बर, 1919 को हिन्दू और मुसलमानों की एक संयुक्त कॉन्फ्रेंस हुई, जिसकी अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की।

52. (D) इल्बर्ट बिल को वर्ष 1883 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड रिपन के कार्यकाल के दौरान लाया गया। इस विधेयक का नाम कोर्टनी इल्बर्ट के नाम पर रखा गया, जो वायसराय के भारत परिषद् के कानूनी सलाहकार थे। इस बिल के अन्तर्गत जिला स्तर के भारतीय न्यायाधीश को ब्रिटिश मुलाजिमों से सम्बन्धित मुकदमा सुनने का हक दिया जाना था, लेकिन इस प्रस्ताव को लेकर भारत में रह रहे ब्रिटिश नागरिकों ने इसका विरोध किया। विरोध के बावजूद भी सीमित परिवर्तनों के साथ (तोड़–मरोड़कर) इसे पारित किया गया। यह बिल भारत न्यायाधीशों को सम्पूर्ण सिविल एवं दाण्डिक अधिकार देने की बात नहीं करता है।

53. (D) स्वराज का शाब्दिक अर्थ होता है 'स्वशासन' या 'अपना राज्य'। महात्मा गाँधी ने सर्वप्रथम वर्ष 1920 में कहा कि, ''मेरा स्वराज भारत के लिए संसदीय लोकतन्त्र की माँग है, जो वयस्क मताधिकार पर आधारित होगा।'' उन्होंने स्वराज को सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह के साथ जोड़ा। गाँधीजी के अनुरूप स्वराज का अर्थ केवल राजनीतिक स्तर पर विदेशी शासन ने स्वाधीनता प्राप्त करना ही नहीं, अपितु इसमें सांस्कृतिक एवं नैतिक स्वाधीनता का विचार भी निहित है। उन्होंने 'स्वराज' प्राप्ति के लिए समय एवं धैर्य दोनों पर बल दिया।

54. (B) **4 फरवरी, 1916** को महामना मदनमोहन मालवीय के नेतृत्व में **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना** हुई। महात्मा गाँधी ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपने भाषण में इस बात पर बल दिया कि हमारी मुक्ति केवल किसानों से हो सकती है, न कि वकील, डॉक्टर, धनी अभिजात्य वर्ग तथा जमींदारों के द्वारा। उन्होंने भारतीय अभिजात्य वर्गों पर आरोप लगाया कि वे मजदूरी करने वाले गरीबों के प्रति चिन्तित नहीं रहते हैं, केवल उनका शोषण करते हैं। यह आरोप उन्होंने विभिन्न स्थलों पर यात्रा करके, किसानों की दयनीय स्थिति को देखकर लगाया।

55. (D) नमक/डाण्डी मार्च महात्मा गाँधी एवं उनके द्वारा चुने गए 78 सत्याग्राहियों के साथ **12 मार्च, 1930** को प्रारम्भ हुआ। नमक सत्याग्रह का विवरण अमेरिकी एवं यूरोपियन पत्रकारों ने व्यापक स्तर पर दिया। अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर ने इसका आँखों देखा हाल प्रस्तुत किया। यह पहली राष्ट्रवादी घटना थी, जिसके अन्तर्गत महिलाओं ने व्यापक स्तर पर भाग लिया।

56. (C) आर्य समाज की स्थापना 10 अप्रैल, 1875 को स्वामी दयानन्द सरस्वती के नेतृत्व में बम्बई में हुई थी। इसका मुख्य बल जाति व्यवस्था को तोड़ना तथा सभी हिन्दुओं में समानता का भाव जाग्रत करना था। इसमें सभी जातियाँ शामिल थीं। इसका विस्तार क्षेत्र **पंजाब एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में था।** ब्रह्मसमाज की तुलना में यह बहुत अधिक सीमित नहीं था।

57. (A) देश में पहली बार प्रान्तीय विधानमण्डल का चुनाव वर्ष 1937 में हुआ। कुल 11 प्रान्तों के लिए चुनाव हुआ। 11 में से 5 प्रान्तों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला। (संयुक्त प्रान्त, मध्य प्रान्त, मद्रास, उड़ीसा तथा बिहार)। मुस्लिमों के लिए आरक्षित सीटों में से उन्हें उम्मीद से अधिक सफलता मिली। लगभग 10 से 14 प्रतिशत जनसंख्या को मत देने का अधिकार था। इस चुनाव में अछूतों को भी मत देने का अधिकार था।

58. (D) ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन ने दलित वर्ग हेतु पृथक् निर्वाचक मण्डल की अम्बेडकर की माँग का समर्थन नहीं किया था। एसोसिएशन ने वर्ष 1932 में साथ में चुनाव लड़ने की बात कही थी तथा जनसंख्या के आधार पर निर्वाचक मण्डल की स्थापना की मांग की थी। इसके लिए राजा–मुन्जे पैक्ट किया गया।

59. (B) भू–राजस्व में रैयतवाड़ी प्रयोग का प्रारम्भ सर्वप्रथम अलेक्जेण्डर रीड ने 1792 ई. में बड़ामहल नामक स्थान पर किया। इसे थॉमस मुनरो के द्वारा वर्ष 1801 तक बढ़ा दिया गया। वर्ष 1820 तक इसे मद्रास, बम्बई प्रेसीडेन्सी, ईस्ट बंगाल और कुर्ग (कर्नाटक) के कुछ भागों में बढ़ा दिया गया था।

60. (C) औपनिवेशिक भारत में ब्रिटिश कम्पनियों द्वारा रेलवे के निर्माण के लिए भूमि कम्पनियों को सरकार से निःशुल्क मिलनी चाहिए। कथन सही नहीं है।

61. (A) सैन्धव सभ्यता की खोज सर्वप्रथम 1921 ई. में हड़प्पा नामक पुरास्थल में की गई थी, इसीलिए सैन्धव सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है। हड़प्पा नामक पुरास्थल पंजाब (पाकिस्तान) प्रान्त के शाहीवाल जिले में रावी नदी के बायें तट पर अवस्थित है।

62. (B) मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर पर योग मुद्रा में सिंहासन पर आसीन पशुओं से घिरा हुआ एक त्रिमुखी पुरुष दिखाया गया है जो भैंसे के शृंग वाला सिर मुकुट पहने है। दाहिनी ओर एक हाथी एवं व्याघ्र (बाघ) तथा बायीं तरफ एक गैण्डा तथा एक भैंसा और सिंहासन के नीचे हिरण युगल दर्शित है। इस पुरुष का समीकरण मार्शल ने 'पशुपति शिव' से किया है।

63. (D) कालीबंगा (राजस्थान) में दुर्ग वाले टीले में एक चबूतरे पर एक कुँआ, अग्नि वेदी और एक आयताकार गर्त मिला है जिसके भीतर चारों ओर पालतू पशु की हड्डी और हिरन के सींग मिले हैं।

भूगोल

2. (B) भू–अभिनतियों का निर्माण आमतौर पर ग्लोब के अपेक्षतया अधिक ठोस शील्ड क्षेत्रों या प्लेटफार्म क्षेत्रों के बीच अथवा उनके निकट होता है। ये कुछ समुचित संरचनात्मक विकास के साथ व्यापक अपरूपण के स्थल बन सकते हैं।

3. (C) अधः कर्तित विसर्प, निक प्वाइंट तथा नदी वेदिका बहुचक्रीय स्थलाकृतियाँ हैं, जो नदी के पुनर्युवन का परिणाम हैं। गोखुर झील नदी के पुनर्युवन का निर्माण नहीं है।

4. (B) उत्तरी–अमेरिकन प्लेट तथा यूरेशियाई प्लेट के बीच का सीमा क्षेत्र अपसारी सीमान्त का उदाहरण है। उपरोक्त दोनों प्लेटों के एक–दूसरे से दूर हटने के कारण ही मध्य अटलाण्टिक कटक का निर्माण हुआ है।

5. (B) मत्स्य काल या 'डिवोनी कल्प' भूवैज्ञानिक काल है जो पराजीवी महाकल्प के सिल्युरी युग के अन्त से आरम्भ होकर (लगभग 416.0 मिलियन वर्ष पहले कार्बनी कल्प के आरम्भ तक लगभग 359.2 मिलियन वर्ष पहले फैला हुआ है।

6. (D) मृत सागर, लाल सागर एवं स्कॉटलैण्ड का मध्यभूमि मैदान रिफ्ट घाटी में स्थित है।

7. (A) भारत का नीलगिरि एवं सतपुड़ा, जर्मनी का हार्ज एवं ब्लैक फॉरेस्ट, फ्रांस का वास्टेज, अमेरिका का वासाय रेंज एवं सियरा नेवादा आदि ब्लॉक पर्वत के उदाहरण हैं।

8. (B) जैविक तत्वों द्वारा निर्मित अवसादी चट्टान को अखण्डज अवसादी चट्टान

कहा जाता है, जबकि यान्त्रिक क्रियाओं द्वारा निर्मित अवसादी चट्टान को खण्डज अवसादी चट्टान कहा जाता है। अधिकांश अवसादी चट्टानें खण्डज हैं न कि अखण्डज।

9. (C) अमेरिका के हवाई द्वीप का मोनालोआ एक सक्रिय शील्ड ज्वालामुखी है। गोरोंगोरो क्रेटर तंजानिया के उत्तर–पूर्वी भाग में महान् भ्रंश घाटी में स्थित हैं। इसका क्षेत्रफल 326 वर्ग किमी है।

10. (B) अमेरिकी प्लेट एवं प्रशान्त प्लेट के आपस में रगड़ खाने के कारण सान एण्ड्रीज भ्रंश का निर्माण हुआ है। यह कैलिफोर्निया में स्थित है।

11. (A) सागर तल पर वातावरण द्वारा 1013.25 मिलीबार (1013.25 KPA) या 29.921 इंच पारा या 760 (MmHg) का दवाब डाला जाता है।
वायुमण्डल में मौजूद हवा का अपना भार है। पृथ्वी अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण इस वायु को अपनी ओर खींचती है। इस तरह से वायुमण्डल की ऊपरी हवा की परतों का दबाव नीचे पड़ता है जिसे वायुमण्डलीय दबाव या वायुदाब कहते हैं।

12. (B) पक्षाभ मेघ का आधार 5000 मी. से अधिक ऊँचाई पर होता है। सामान्यतः इस मेघ का आधार 500 मी से 13,700 मी के बीच होता है।

13. (D) दिन एवं रात की लम्बाई महासागरीय जल में पादप प्लवकों की मात्रा को निर्धारित करते हैं।

14. (D) मानसूनी जलवायु के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं–
1. एशिया में भारत, पाकिस्तान एवं दक्षिण–पूर्वी एशिया
2. उत्तरी ऑस्ट्रेलिया
3. पूर्वी एवं पश्चिमी अफ्रीफा (गिनी तट) में सीमित क्षेत्र में
4. मध्य अमेरिका

15. (C) पर्यायवरण निम्नीकरण का सर्वाधिक वृहद प्रभाव जैव विविधता पर पड़ता है। जल प्रदूषण, पर्यावरणीय निम्नीकरण का एक कारण है।

16. (D)

देश	उत्पादन (मिलियन टन)
चीन	418.8
जापान	116.2
अमेरिका	98.5
रूस	70.6
द. कोरिया	48.4
भारत (7^{th})	44.0

17. (A) पश्चिम से पूर्व की ओर कनाडा के नगरों का सही क्रम है क्यूबेक–मॉण्ट्रियल–ओटावा–टोरन्टो

18. (C) नियाग्रा जलप्रपात ईरी एवं ओन्टारियो झीलों के बीच स्थित है। यह जलप्रपात तेजी से पीछे की ओर हट रहा है।

19. (C) मार्क जेफ्ररसन ने 1939 ई. में प्राथमिक नगर के नियम का प्रतिपादन किया। इसके अन्तर्गत उन्होंने यह बतलाया कि किसी प्रदेश के प्राथमिक नगर तथा द्वितीय नगर की जनसंख्या में परस्पर क्या सम्बन्ध होता है।

20. (A) चिली का अटाकामा मरुस्थल नाइट्रेट निक्षेप के लिए प्रसिद्ध है।

21. (C) लिगूरियन सागर उत्तरी भूमध्यसागर का एक भाग है। यह कोर्सिका एवं उत्तर–पश्चिमी इटली तट के बीच स्थित है।

22. (D) रेड नदी चीन से निकलती है तथा टांगकिंग की खाड़ी में गिरती है। यह नदी वियतनाम में डेल्टा का निर्माण करती है।

23. (B) रूस के साथ जिन देशों की सीमाएँ मिलती है। उनके नाम है नार्वे, फिनलैण्ड, एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया, पौलेण्ड, बेलारूस, यक्रेन, जॉर्जिया, अजरबेजान, कजाकिस्तान, चीन मंगोलिया और उत्तर कोरिया।

24. (B) अमरावती, हेमावती, सुवर्णावती, अर्कावती, भवानी आदि कावेरी की सहायक नदियाँ हैं।

25. (D) a. विष्णु प्रयाग–धौलीगंगा–अलकनन्दा
b. कर्ण प्रयाग–पिण्डर–अलकनन्दा
c. रुद्र प्रयाग–मन्दाकिनी–अलकनन्दा
d. देव प्रयाग–भागीरथी–अलकनन्दा

26. (A) सूक्ष्मकणिक होने के कारण काली कपास मृदा की जलधारण क्षमता अधिक होती है। अतः यह मृदा वर्षाधीन कृषि के लिए आदर्श है।

27. (B) मैकमिलन स्कूल एटलस के अनुसार भारत एवं श्रीलंका के बीच **तलैमन्नार** एवं **धनुषकोडि** के बीच सबसे कम दूरी 18 मील की है।

28. (C) a. जुको घाटी – नागालैण्ड
b. युमथांग घाटी – सिक्किम
c. न्योरा घाटी – पश्चिम बंगाल
d. सांग्ला घाटी – हिमाचल प्रदेश

29. (D) भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः गोंडवानालैंड का भाग था। ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, मेडागास्कर आदि इसी के भाग थे। पैंजिया का विभाजन दो वअहद स्थल खंडों में हुआ इसके उत्तरी खंड को अंगारालैंड और दक्षिणी खंड को गोंडवानालैंड कहा जाता था। इन दोनों स्थल खंडों के विभाजन के बाद ही वर्तमान आकार सामने आया।

30. (B) वारेनियस ने ज्योग्राफिया जेनरेलिस नामक पुस्तक की रचना की थी। यह पुस्तक दो भागों में विभाजित है।
1. सामान्य भूगोल (विश्व भूगोल)
2. विशिष्ट भूगोल (क्षेत्र विवरण भूगोल)

31. (B) गोण्डवाना तन्त्र का निर्माण कार्बोनिफेरस काल में हुआ था। भारत का लगभग 98% कोयला इसी संरचना में पाया जाता है।

32. (C) कोटोपैक्सी एण्डीज पर्वत पर स्थित ज्वालामुखी शिखर है, जो लगभग 5,897 मीटर ऊँचा है। यह चोटी इक्वेडोर में स्थित है।

33. (A) 70^0 पूर्वी देशांतर रेखा बीकानेर, जोधपुर, पाली और माउंटआबू के निकट से होकर गुजरती है जो सिरोही जनपद में है, जबकि जैसलमेर 68^0 पूर्वी भाग में है और नागौर, धौलपुर 72^0 पर स्थित हैं।

34. (A) पॉडजॉल मिट्टी यूरेशिया एवं उत्तरी अमेरिका के टैगा जलवायु वाले क्षेत्रों में पायी जाती है। यह मिट्टी अम्लीय होती है। अपक्षालन की अधिकता के कारण संस्तर में मिट्टी का रंग धुली हुई राख की तरह भूरा होता है। B संस्तर में मिट्टी पत्थर की तरह कड़ी होती है।

35. (C) भारत का मानचित्र देखने से ज्ञात होता है कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सबसे पूर्व में स्थित है। दिए गए विकल्पों में भोपाल मध्य प्रदेश की, हैदराबाद तेलंगाना की तथा बंगलुरू कर्नाटक की राजधानी है।

36. (B) वर्तमान समय में चीनी मिलों की सख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है एवं नवीनतम आँकड़ों के अनुसार उत्पादन में भी इसका प्रथम स्थान है। उत्पादन में महाराष्ट्र का दूसरा स्थान है। तमिलनाडु का तीसरा एवं आन्ध्र प्रदेश का चौथा है।

37. (D) उपर्युक्त सभी
सभी सुमेलित हैं।
ऐक्रॉन (यू. एस. ए.) – कृत्रिम रबर
ओसाका (जापान) – पोत– निर्माण
मैग्निटोगोर्स्क (रूस) – लोहा एवं इस्पात
बाकू (अजरबैजान) – तेलशोधन

38. (C) जम्मू–कश्मीर के दिए गए उपर्युक्त मानचित्र की 1, 2, 3 और 4 से अंकित पर्वत श्रेणियाँ क्रमशः इस प्रकार हैं–
1. काराकोरम श्रेणी, 2. लद्दाख श्रेणी, 3. जास्कर श्रेणी एवं 4. पीर पंजाल।

39. (B) काण्डला बन्दरगाह कच्छ की खाड़ी (गुजरात) के पूर्वी सिरे पर स्थित है।

40. (C) पृथ्वी की बाहरी पटल को भूपटल अथवा भू–पर्पटी कहते हैं ऊपरी क्रस्ट का घनत्व 2.8 तथा निचली क्रस्ट का 3 है। पृथ्वी का क्रस्ट कुल आयतनों का एक प्रतिशत है। इसकी नीचे की सीमा मोहो असम्बद्धता है।

भू–पर्पटी पर पाये जाने वाले प्रमुख तत्व–

आक्सीजन–46.6%

सिलिकॉन–27,72%

एल्युमिनियम–8.13%

लोहा– 5%

भू–पटल की रचना सामग्री में सबसे अधिक ऑक्सीजन 46.6% दूसरे स्थान पर सिलिकॉन 27.72% और तीसरे स्थान पर एल्युमिनियम 8.13% है।

41. (C) धौलाधर (हिमाचल प्रदेश में), पीरपंजाल (कश्मीर में), महाभारत (नेपाल में) तथा मसूंरी श्रेणी (उत्तरांचल में) आदि लघु हिमाचल की शाखाएँ हैं।

42. (B) पश्चिमी भाग में हिमालय की श्रेणियों का दक्षिण से उत्तर की और क्रम होगा– शिवालिक → लघु हिमालय → महान हिमालय।

43. (B) बोस्फोरस (वास पोरस) जल सन्धि–कालासागर–मारमारा सागर बैंरिग जलडमरूमध्य–बेरिंग सागर–चुकसी सागर मलक्का जलडमरूमध्य–अण्डमान सागर द. चीन सागर, पाक जलडमरूमध्य –मन्नार एवं बंगाल की खाड़ी।

44. (D) भारत के प्रायद्वीपीय भाग में पाई जाने वाली चट्टानें हैं–आर्कियन क्रम की चट्टानें, धारवाड़ क्रम की चट्टानें, कुडप्पा क्रम की चट्टानें, विन्ध्यन क्रम की चट्टानें, गोंडवाना क्रम की चट्टानें तथा दक्कन ट्रैप। इनमें आर्कियन क्रम की चट्टानें सर्वाधिक पुरानी तथा गोंडवाना क्रम की चट्टानें नवीनतम हैं। आर्कियन क्रम की चट्टानों के रूपांतरण अथवा भ्रंशन से धारवाड़ क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ। धारवाड़ क्रम की चट्टानों में सोना, लोहा, मैंगनीज, अभ्रक, कोबाल्ट, क्रोमियम, ताँबा, टंगस्टन, सीसा आदि खनिज पाए जाते हैं। धारवाड़ क्रम की चट्टानों के बाद कुडप्पा क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ और इनके बाद विंध्यन क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ। विंध्यन क्रम की चट्टानों के काफी समय बाद गोंडवाना क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ। भारत का अधिकांश कोयला गोंडवाना क्षेत्र से ही सम्बंधित है। इस क्षेत्र का कोयला उच्च श्रेणी का तथा बिटुमिनस प्रकार प्रकार होता है।

45. (D) नर्मदा घाटी परियोजना वृहदतम परियोजना में से एक है। नर्मदा नदी 87% मध्य प्रदेश 11% गुजरात एवं 2% महाराष्ट्र में प्रवाहित होती है। जिसके अन्तर्गत सरदार सरोवर बांध गुजरात में तथा नर्मदा सागर बांध मध्य प्रदेश में है तथा गुजरात–पश्चिमी राजस्थान नहर लिंक के अन्तर्गत नर्मदा नहीं पर नवगांव के पास एक टर्मिनल स्टोरेज डेम बनाया जायेगा। वह परियोजना पर्यावरण के कारण विवादित है। अतः इसका सम्बन्ध सभी राज्यों अर्थात् मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान राज्यों से है।

46. (A) हिमालय पर्वत श्रृंखला में जैसे-जैसे ऊँचाई बढती है वैसे-वैसे तापमान में गिरावट, वर्षा में परिवर्तन, मिट्टी के अनउपजाऊ होने, वायुमंडलीय दबाव कम होने, ऊँचाई बढ़ने के साथ भू क्षेत्र के कम होने, जलवायु में परिवर्तन होने, अक्षांशीय स्थिति बदलने तथा हवा के हल्का होने से वनस्पति परिवर्तित होती जाती है और जैव-विविधता में भी कमी देखने को मिलती है।

47. (D) धूल, धुआँ एवं नमक के कण जलवाष्प को आकृष्ट करने के कारण आर्द्रताग्राही नाभिक का कार्य करते हैं जिनके चारों तरफ संघनन के कारण जल बूदों का निर्माण होता है।

48. (A) 13वीं शताब्दी में मार्कोपोलो ने देनिस–रूस, मध्य एशिया, पूर्वी एशिया, पश्चिमी एशिया की लंबी यात्रा की। उसने इन देशों से सम्बंधित भौगोलिक एवं सामाजिक तथ्यों का वर्णन अपने यात्रा ग्रन्थों (Travels of Morcopolo) में किया अतः विकल्प (A) सही है।

49. (A) ईसा बोमेन–नया विश्व राजनीतिक भूगोल में समस्यायें डी माटोनी–मध्य यूरोप

हटिंगटन–दि पल्स ऑफ एशिया

टेलर– प्रजातीय भूगोल।

50. (A) पछुआ पवनों का सर्वोत्तम विकास 40 से 65 अक्षांशों के बीच पाया जाता है। इनकी दिशा उ. गोलार्द्ध में द.प. से उ. पू. होती है। इन्हीं हवाओं के प्रभाव से यूरोप के उच्च अक्षांशीय बन्दरगाह साल भर खुले रहते हैं।

51. (B) दिल्ली के लाल किले का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था जोकि लाल बलुआ पत्थर से बनवाया गया। शाहजहाँ ने आगरा के ताजमहल का निर्माण सफेद संगमरमर से करवाया जबकि आगरा का किला अकबर ने लाल बलुआ पत्थर से बनवाया था।

52. (C) सिन्धु नदी लद्दाख श्रेणी के उत्तरी भाग में कैलाश चोटी के दूसरी ओर 5000 मीटर की ऊँचाई से निकलती है।

53. (D) भारत की प्रमुख घाटियाँ निम्नवत हैं–

घाटी	अवस्थिति
मर्खा घाटी	लद्दाख (जम्मू और कश्मीर)
जुकू घाटी	नगालैंड में जफू श्रेणी (Japfu Range) के पीछे
सांगला घाटी	किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)
यूथांग घाटी	गंगटोक (सिक्किम की राजधानी)
शांत घाटी	केरल
स्पीती घाटी	हिमाचल प्रदेश
नुब्रा घाटी	जम्मू–कश्मीर
सुरु घाटी	जम्मू–कश्मीर
पार्वती घाटी	हिमाचल प्रदेश
किन्नौर घाटी	हिमाचल प्रदेश
पांगी घाटी	हिमाचल प्रदेश
कुल्लू घाटी	हिमाचल प्रदेश
कांगड़ा घाटी	हिमाचल प्रदेश
सांगला घाटी	हिमाचल प्रदेश
चंबा घाटी	हिमाचल प्रदेश
लाहुल घाटी	हिमाचल प्रदेश
मालना घाटी	हिमाचल प्रदेश
सोर घाटी	उत्तराखंड
धर्मा घाटी	पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)
फूलों की घाटी	चमोली (उत्तराखंड)
नेलांग घाटी	उत्तराखंड
दून घाटी	उत्तराखंड
जोहार घाटी	उत्तराखंड
फूलों की घाटी	चमोली (उत्तराखंड)
अराकू घाटी	विशाखापत्तनम (आन्ध्र प्रदेश)
नेओरा घाटी	दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)
कम्बम घाटी	तमिलनाडु

54. (C) वर्तमान समय में सऊदी अरब एशिया का ही नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा तेल भंडारक एवं उत्पादक देश है, जबकि अमेरिका विश्व में सबसे बड़ा उपभोक्ता एवं निर्यातक देश है।

55. (B) बैरेन द्वीप बंगाल की खाड़ी के अंडमान सागर में पोर्टब्लेयर से 135 किमी. दूर उत्तर-पूर्व में स्थित है। दक्षिण एशिया का

एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। इस ज्वालामुखी से पहला उद्‌गार 1787 ई. में हुआ था।

56. (A) समुद्र का स्थल की ओर बढ़ना निर्माण धनात्मक संचरण है।

57. (D) भारत में यूरेनियम मुख्य रूप से जादूगोडा झारखण्ड में पाया जाता है, जबकि थोरियम केरल में पाया जाता है।

58. (B) समुद्रतल एवं 45° अक्षांश पर वायुदाब 76 cm पारा या 1013.25 मिलीबार होता है। ऊँचाई बढ़ने के साथ–साथ वायुदाब कम होता जाता है। 300 मीटर की ऊँचाई पर वायुदाब लगभग 34 मिलीबार कम हो जाता है।

59. (D) जब दो भ्रंश रेखाओं के बीच का चट्टानी भाग नीचे की ओर धँस जाता है। उसे रिफ्ट घाटी या ग्रेवन कहते हैं, जबकि यदि बीच का भाग स्थिर एवं किनारे के भाग ऊपर उठ जाते हैं तो रैम्प घाटी का निर्माण होता है। जैसे ब्रह्मपुत्र नदी।

60. (C) दामोदर घाटी परियोजना दामोदर नदी पर झारखण्ड एवं पश्चिम बगाल में स्थित है। इसे पूर्व में बिहार व पश्चिम बंगाल का शोक कहा जाता था।

61. (B) वायुमण्डल की सबसे निचली परत को परिवर्तन मण्डल कहते हैं। इस परत को ट्रोपोस्फीयर के रूप में नामकरण टीजरेन्स डीवोर्ट ने किया है। इस मण्डल में ऋतु परिवर्तन हुआ करता है। धरातलीय जीवों का सम्बन्ध इसी मण्डल से हैं। मौसम की प्रायः सभी घटनाएँ इसी मण्डल में होती हैं।

62. (A) थार्नथ्वेट महोदय वर्षण प्रभावित, तापीय दक्षता सूयकांक और वर्षा के मौसमी सांद्रण के आधार पर भारत को कई जलवायु भागों में बाँटा है जिसमें AAr 'उष्ण कटिबंधीय उच्च आर्द्र जलवायु है। जो क्रमशः मालबार तट, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के क्षेत्रों में पाया जाता है।

63. (A) महासागरों में जल एक निश्चित दिशा में प्रवाहित होने की गति को धाराएँ कहते हैं। धाराएँ मुख्यतः दो होती हैं—एक उष्ण धारा, दूसरी शीत धारा। आर्कटिक सागर का ठण्डा जल फाकलैण्ड धारा के रूप में दक्षिण अमेरिका के पूर्वीतट पर अर्जेन्टीना तक प्रवाहित होती है। इस धारा के द्वारा हिमखण्ड अमेरिका के काफी दूर तक आ जाते हैं इसमें यातायात प्रभावित होता है।

नागरिकशास्त्र

2. (B) लॉर्ड विलियम बैवरिज की रिपोर्ट (1942) को कल्याणकारी राज्य का श्रेय मिलना चाहिए, जिसने पाँच बड़ी बुराइयों (बीमारी, बेरोजगारी, अज्ञानता, भुखमरी तथा आश्रयाभाव) के उन्मूलन में राज्य की सकारात्मक भूमिका की कामना की। क्योंकि ऐटली की श्रम सरकार ने बैवरिज रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू किया। इसलिए ब्रिटेन को 'कल्याणकारी राज्य का घर' होने का श्रेय मिला।

3. (B) परिवार या कुटुम्ब सामाजिक विकास की प्रथम इकाई है। पितृ–प्रधान परिवार प्रणाली के समर्थकों में सर हेनरी मेन का महत्त्वपूर्ण स्थान है। मैकलेनन, मॉर्गन तथा जेंक्स मातृ–प्रधान परिवार के समर्थक हैं।

वुडरो विल्सन ने लिखा है, कि ''विधि के लिए एकता के सूत्र में आबद्ध और निश्चित भूमि प्रदेश में रहने वाली जनता राज्य है।''

4. (B) मार्क्स ने स्वयं राज्य के सिद्धान्त पर अलग से तथा स्पष्ट रूप से नहीं लिखा है। मार्क्स का आदर्श वर्गविहीन समाज है, जिसमें 'राज्य' विलुप्त हो जाएगा।

5. (B) प्रो. लास्की (1893–1950) ने अपनी पुस्तक 'ए ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स' तथा अन्य कृतियों में एकलवादी प्रभुसत्ता की कठोर निन्दा की तथा यह दर्शाने का प्रयास किया कि एकलवादी प्रभुसत्ता का सिद्धान्त, 20वीं शताब्दी की परिस्थितियों तथा वातावरण को देखते हुए, 'एक विनाशकारी सिद्धान्त' है। ऐतिहासिक दृष्टि से, लास्की ने एकलवादी प्रभुसत्ता को जिस हद तक ऐतिहासिक विवशताओं को परिणाम माना है, उतना तर्क या न्याय दृष्टि का परिणाम नहीं माना।

6. (A) लॉक, मिल तथा स्पेन्सर स्वतन्त्रता का नकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इनके विपरीत ग्रीन, लास्की और प्रत्ययवादियों का स्वतन्त्रता विषयक दृष्टिकोण सकारात्मक है। स्वतन्त्रता का इसके सकारात्मक पक्ष में अर्थ स्पष्ट करना टी. एच. ग्रीन का योगदान है। ग्रीन ने इसकी परिभाषा से कार्य करने या किसी वस्तु का उपयोग करने के रूप में की है, जो दूसरों के साथ रहकर करने अथवा आनन्द लेने योग्य है।

7. (B) उदारवादी जिसकी कामना करते हैं, वह 'रात्रि के पहरेदार' जैसा राज्य है।

8. (A) अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली के गुण–

1. कार्यपालिका की अवधि निश्चित होती है।
2. कार्यकारिणी शक्तियाँ राष्ट्रपति में केन्द्रित रहती हैं।
3. संविधान की कठोरता होती है।

9. (B) सामान्यतया पाश्चात्य राजनीतिक समाजों के संविधानों में निम्नलिखित संस्थागत व्यवस्थाएँ की जाती हैं, जिनसे सरकार पर प्रभावशाली नियन्त्रण स्थापित होते हैं–

1. विधि का शासन
2. मौलिक अधिकारों व स्वतन्त्रताओं का प्रावधान
3. राजनीतिक शक्तियों का विभाजन, पृथक्करण, विकेन्द्रीकरण व नियन्त्रण सन्तुलन, और
4. स्वतन्त्र व निष्पक्ष न्यायपालिका।

10. (D) संघात्मक व्यवस्था में राज्यशक्ति, केन्द्रीय सरकार तथा राज्यों की सरकारों के बीच विभक्त होती है तथा दोनों ही स्तर राष्ट्रीय व प्रादेशिक, की सरकारों की सत्ता एक ही अधिसत्ता (basicauthority) या संविधान होता है। संघात्मक शासन व्यवस्था में केन्द्रीय, राष्ट्रीय या सामान्य सरकार (के. सी. व्हीयर केन्द्रीय सरकार को सामान्य सरकार नाम देता है) या संघीय सरकार तथा राज्यों या प्रादेशिक सरकारों (के. सी. व्हीयर घटकों की सरकारों को प्रादेशिक सरकारों का नाम देता है) की अपनी–अपनी मौलिक शक्तियाँ होती हैं, जो इन शक्तियों के प्रयोग में न तो एक–दूसरे पर आश्रित रहती हैं और न ही एक–दूसरों के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण कर सकती हैं।

11. (B) गिलक्राइस्ट ने कहा है, कि, ''सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वास्तव में सार्वभौमिक नहीं है।

12. (A) ब्लौन्डेल ने दबाव समूहों के निर्माण के प्रेरक तत्त्वों के आधार पर उन्हें साम्प्रदायिक तथा दबाव समूह कहा है। इन दोनों में से प्रत्येक को पुनः दो वर्गों में बाँटा गया है। उसके अनुसार साम्प्रदायिक समूह प्रथागत तथा संस्थात्मक और संसर्गात्मक समूह संरक्षणात्मक तथा उत्थानात्मक होते हैं। इस वर्गीकरण को इस प्रकार तालिकाबद्ध किया जा सकता है–

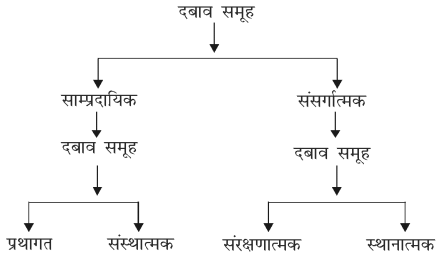

13. (C) ल्योनार्ड डब्ल्यू. डोब का कथन है, कि ''जनमत मुद्दों पर लोगों की अभिवृत्तियों की ओर संकेत करता है, जब वे उसी सामाजिक समूह के सदस्य होते हैं।''

14. (D) महाभारत प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था एवं राजनीतिक विचारों को जानने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। महाभारत में अट्ठारह (18) पर्व राजशास्त्र के किसी–न–किसी पहलू से सम्बधित हैं। महाभारत के रचयिता व्यास हैं। शेष तीनों में राजनीतिक विचार विस्तार से नहीं मिलते।

15. (C) कौटिल्य तथा मनु दोनों ने वैदेशिक या अन्तर्राज्यीय सम्बन्धों हेतु 'राज्यों का चक्र' बनाया, जिसे मण्डल कहा गया। मण्डल में कुल बारह राज्य होते हैं–
विजिगीषु, अरि, मित्र, अरिमित्र, मित्र–मित्र, अरिमित्र–मित्र, पार्ष्णिग्राह, आक्रन्द, पार्ष्णिग्राहसार, आक्रन्दसार, मध्यमा और उदासीन। कौटिल्य का मण्डल सिद्धान्त आज भी विदेश नीति का स्थायी प्रकाश स्तम्भ है।

16. (A) कौटिल्य (विष्णुगुप्त अथवा चाणक्य) ने अपनी पुस्तक अर्थशास्त्र में राज्य की सात प्रकृतियों या अंग जिसे सप्तांग सिद्धान्त भी कहा जाता है, का वर्णन किया है– स्वामी, अमात्य, जनपद (प्रदेश), दुर्ग, कोष, दण्ड एवं मित्र, जो प्राचीन भारत में प्रशासन से सम्बद्ध थे।

17. (A) लॉक के अनुसार सामाजिक समझौते के अन्तर्गत मनुष्य एक–दूसरे को वचन देते हैं, कि नियम का उल्लंघन होने पर वे स्वयं अपने–अपने न्यायाधीश नहीं होंगे, बल्कि इस प्राकृतिक अधिकार को वे सम्पूर्ण समुदाय के प्रति सौंप देते हैं, जो उनके मुख्य प्राकृतिक अधिकार (जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति के अधिकार) की रक्षा के लिए उत्तरदायी होता है। इस तरह लॉक के अनुसार राज्य की प्रभुसत्ता पूर्ण या असीम नहीं होती, बल्कि वह शर्तों से बँधी होती है।

18. (D) द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धान्त मार्क्स के सम्पूर्ण चिन्तन का मूलाधार है। इस सिद्धान्त के प्रतिपादन में मार्क्स ने द्वन्द्ववाद का विचार हीगल की द्वन्द्वात्मक पद्धति से ग्रहण किया और भौतिकवाद का दृष्टिकोण फ्यूअरबाख से लिया है।

19. (C) मैकफरसन अपनी पुस्तक 'डेमोक्रेटिक थ्योरी–ऐसेज इन रिट्रीवल), (लोकतन्त्रीय सिद्धान्त का पुनरुद्धार) (1973) के अन्तर्गत लिखते हैं कि स्वत्वमूलक व्यक्तिवाद मानव प्रकृति के बारे में ऐसा दृष्टिकोण है, जो प्रतिस्पर्धात्मक पूँजीवादी बाजार अर्थव्यवस्था की उपज हैं।

20. (A) एथेन्स जैसे यूनानी नगर राज्यों में प्रत्यक्ष लोकतन्त्र होने के कारण न केवल राजकीय पद और सम्मान नागरिकों में वितरित किए जाते हों, किन्तु असेम्बली तथा न्यायालयों में भाग लेने के लिए निश्चित धनराशि कई बार द्रव्य की तथा अन्न की राशि भी नागरिकों में वितरित की जाती थी। इसका विषम वितरण अर्थात् किसी वर्ग विशेष को ही राजकीय पदों का दिया जाना राज्य में गम्भीर दोष उत्पन्न कर सकता था। अतः अरस्तू इन्हें 'आनुपातिक समानता' (Proportionate Equality) के आधार पर वितरित करना चाहता था और इसी को वितरणात्मक न्याय कहता है।

21. (D) अधिकारों का कानूनी सिद्धान्त के अनुसार, राज्य ही अधिकारों का सृष्टा है।

22. (B) तानाशाही/अधिनायकतन्त्र/अधिनायकवाद (Dictatorship) का प्रयोग साधारणत : ऐसे सन्दर्भ में करते हैं।, जहाँ कोई व्यक्ति अपने विलक्षण नेतृत्व, लोकप्रियता या सैन्य संगठन की निष्ठा के बल पर सांविधानिक व्यवस्था को धराशायी करके पूर्ण सत्ता पर अपना अधिकार स्थापित कर लेता है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत सत्ता के विरोधियों के दमन पर विशेष बल दिया जाता है।

23. (C) प्राकृतिक अधिकारों के विचार को तर्कसंगत रूप में ढालने का श्रेय जॉन लॉक को है। लेकिन उनके अलावा टॉम पेन, ह्यगो ग्रेशियस, टॉमस हॉब्स आदि ने भी प्राकृतिक अधिकारों का समर्थन किया है।

24. (C) सहभागिता मूलक लोकतन्त्र मूलत : लोकतन्त्रीय प्रक्रिया के साधारण नागरिकों की सहभागिता पर बल देता है। यदि नागरिकों को राजनीतिक सहभागिता के अधिक अवसर मिलेंगे तो वे सार्वजनिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे। राजनीतिज्ञों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेंगे और शक्ति के दुरुपयोग तथा भ्रष्टाचार को एकदम रोक देंगे।

25. (D) राजनीतिक उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक निर्वाचन, लोकमत, स्वतन्त्र प्रेस, राजनीतिक विपक्ष आदि का सहारा लिया जाता है। लेकिन दबाव समूह, वे समूह हैं जो अपने लाभ के लिए शासन के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए प्रेस के माध्यम से लोकमत के माध्यम से जनता, सरकार पर, जनसाधारण की माँगों को पूरा करने को दबाव डाल सकती है और यदि वे असफल रहते हैं तो नियतकालिक निर्वाचन के माध्यम से उन्हें सत्ता से बेदखल कर सकती है।

26. (A) विलफ्रेडो पेरेटो (1848–1923) तथा गोयतनो मोस्का (1858–1941) ने यह सिद्धान्त प्रस्तुत किया कि किसी भी समाज या संगठन के अन्तर्गत महत्त्वपूर्ण निर्णय गिने–चुने लोग ही करते हैं, चाहे उस संगठन का बाहरी रूप कैसा भी क्यों न हो।

27. (B) उपयोगितावाद प्रजातान्त्रिक व्यवस्था के पक्ष में है। बेन्थम का मत है, कि केवल प्रजातन्त्र ही उसके सूत्र को सर्वोत्तम रूप में लागू कर सकता है केवल प्रजातान्त्रिक शासन में ही शासकों तथा शासितों के हितों में एकरूपता सम्भव है। यहाँ ही मन्तव्यों की अच्छाई या लोक सरकार की अधिक सम्भावना है, क्योंकि जनता कानून की विषय–वस्तु के बारे में मौन है।

28. (B) नागरिक अर्थात् राज्य के वे सदस्य जिन्हें कुछ विशेष अधिकार राज्य में रहने के कारण मिलते हैं। प्रजा, अर्थात् वे व्यक्ति जिन पर राज्य अपनी शक्ति का प्रयोग करता है और जिनको राज्य आदेश देता है। 'प्रजा' जो राज्य द्वारा बनाए गए नियमों से बाध्य है तथा राज्य की आज्ञापालन के लिए विवश होती है।

29. (B) ए. वी. डायसी ने अपनी कृति 'इन्ट्रोडक्शन टु द स्टडी ऑफ द लॉ ऑफ द कॉन्स्टीट्यूशन' (1885 ई.) के अन्तर्गत विधि के शासन की अवधारणा दी। डायसी के आलोचकों का कहना है, कि 'विधि के शासन' की संकल्पना केवल कानूनी प्रक्रिया को नियमित करती है, स्वयं कानून की विषय–वस्तु के बारे में मौन है।

30. (B) 52वें संविधान संशोधन अधिनियम 1985 द्वारा सांसदों एवं विधायकों के लिए दल परिवर्तन के आधार पर निरहर्तता के बारे में प्रावधान किया गया। इसके अनुसार सांसद या विधायक तभी निरर्हित होगा जब

- यदि वह स्वेच्छा से ऐसे राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है।
- यदि वह सदन में अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत मत देता है। या मतदान से अनुपस्थित रहता है।
- निर्दलीय सदस्य यदि किसी राजनीतिक दल की सदस्यता स्वीकार कर ले।

यदि जिस दल से वह निर्वाचित हुआ है, वह उसे निष्कासित कर दे, तो उसकी सदस्यता समाप्त नहीं होगी।

31. (A) 8वीं अनुसूची में संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 22 प्रादेशिक भाषाओं का उल्लेख है। इस अनुसूची में आरम्भ में 14 भाषाएँ (असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगू, उर्दू) थी। बाद में सिन्धी को तत्पश्चात् कोंकणी, मणिपुरी (21वाँ संशोधन, 1967) एवं नेपाली को शामिल किया गया (71वाँ संशोधन, 1992), जिससे इसकी संख्या 18 हो गई। तदुपरान्त बोडो, डोगरी, मैथिली, सन्थाली को शामिल किया गया (92वाँ संशोधन, 2003) और इस प्रकार इस अनुसूची में 22 भाषाएँ हो गईं। इसमें अंग्रेजी शामिल नहीं है।

32. (A) समान (कॉमन) नागरिक संहिता का उल्लेख संविधान के भाग–IV में वर्णित राज्य के नीति–निदेशक तत्वों के अन्तर्गत अनुच्छेद–44 में किया गया है। रिट जारी करने के सन्दर्भ में उच्च न्यायालय का न्यायिक क्षेत्र अधिक विस्तृत है। सर्वोच्च न्यायालय सिर्फ मूल अधिकारों के प्रवर्तन सम्बन्धी आदेश दे सकता है न कि किसी अन्य प्रयोजन के लिए। अतः इसका विस्तार ऐसे मामले में नहीं है जहाँ एक सामान्य कानूनी अधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। स्वतन्त्रता पश्चात् भारत के संविधान के अधीन सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना 28 जनवरी, 1950 को की गई।

33. (C) भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के स्वशासी जिला परिषदों के प्रशासन के सम्बन्ध में उपबन्ध शामिल किए हैं। इसमें अनुच्छेद–242(2) व 275(1) सम्मिलित हैं।

34. (A) नियन्त्रण एवं महालेखापरीक्षक का संविधान के अनुच्छेद–148 में प्रावधान है, जो केन्द्र व राज्य सरकारों के विभागों और उनके द्वारा नियन्त्रित संस्थानों के आय–व्यय की जांच करता है। इसका कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होता है। इसे संसद के दोनों सदनों द्वारा कदाचार या अक्षमता का प्रस्ताव विशेष बहुमत से पारित कर राष्ट्रपति द्वारा ही हटाया जा सकता है।

35. (B) 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारम्परिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006' के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति और पारम्परिक वनवासियों के वनाधिकार को मान्यता दी गई है। इस अधिनियम के अन्तर्गत वे सभी लोग आ जाते हैं, जो कई पीढ़ियों से वनों में रहते आए हैं और जिनके अधिकारों को अभी तक दर्ज नहीं किया गया है। अधिनियम को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी राज्य/केन्द्रशासित प्रदेशों की है।

36. (A) भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 11 जजों की संवैधानिक न्यायपीठ ने वर्ष 1980 में 'बच्चन सिंह बनाम पंजाब' बाद में मृत्युदण्ड अधिनिर्णीत करने के लिए विरलो में विरलतम सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इसमें बहुमत यह था कि उन कारक तत्वों पर विचार करना जरूरी है, जो अपराध की बर्बरता को बढ़ाते या घटाते हैं।

37. (A) जब कोई अधीनस्थ न्यायालय या अधिकरण अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करके मुकदमे की सुनवाई करती है या प्राकृतिक न्याय के नियमों के विरुद्ध कार्य करती है तो उनके खिलाफ प्रतिषेध रिट जारी की जाती है। इस रिट का मुख्य उद्देश्य अधीनस्थ न्यायालयों के द्वारा की गई न्यायिक त्रुटियों को ठीक करना है। इस रिट के जरिए वरिष्ठ न्यायालीय अधीनस्थ न्यायालय को उन कार्यवाहियों को आगे बढ़ाने से रोकता है, जो उसकी अधिकारिता में नहीं है। प्रतिषेध रिट केवल न्यायिक और अर्द्ध–न्यायिक संस्थाओं के विरुद्ध जारी किया जाता है। यह कार्यपालिका या प्रशासनिक प्राधिकारियों के विरुद्ध जारी नहीं किया जाता है और न ही विधायिका के विरुद्ध।

38. (D) लोकसभा का अध्यक्ष संसद के निम्न सदन का सभापति होता है। भारतीय लोकसभाध्यक्ष की भूमिका वेस्टमिस्टर प्रणाली सरकार का अनुसरण करने वाले देशों के समान है। उसका निर्वाचन लोकसभा चुनावों के बाद लोकसभा की प्रथम बैठक में ही कर लिया जाता है। वह संसद के सदस्यों में से ही पाँच वर्ष के लिए चुना जाता है। अध्यक्ष इस पद पर चुने जाने के पश्चात् लोकसभा का विघटन होने के बाद भी नई लोकसभा के गठन के उपरान्त उसकी प्रथम बैठक तक पद पर बना रहता है।

39. (A) 31 अगस्त, 2005 में एम वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में गठित द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने मुख्य रूप से उत्तम शासन के लिए सांस्थानिक व्यवस्था में सुधार करने के लिए अनुशंसाएँ की थीं। सूचना का अधिकार आपदा प्रबन्धन, शासन में नैतिकता आदि इसकी उल्लेखनीय रिपोर्ट है।

40. (A) संविधान के अनुच्छेद–80 में राज्यसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नाम–निर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं। तथापि, राज्यसभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि हैं और 12 राष्ट्रपति द्वारा नाम–निर्देशित हैं। अखिल भारतीय सेवा के सृजन के सन्दर्भ में इसे लोकसभा से अधिक शक्तियाँ प्राप्त हैं।

41. (C) भारत में वर्ष 2015 तक तीन प्रधानमन्त्रियों के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पास किए जा चुके हैं। ये प्रधानमन्त्री हैं–विश्वनाथ प्रताप सिंह (1990), एच.डी. देवगौड़ा (1997) तथा अटल बिहारी वाजपेयी (1999) हालांकि अभी तक 6 प्रधानमन्त्रियों के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है।

42. (B) संविधान का अनुच्छेद–72 राष्ट्रपति को न्यायिक शक्तियाँ देता है, कि वह दण्ड का उन्मूलन, क्षमा, आहरण, परिहरण तथा परिवर्तन कर सकता है। अनुच्छेद–331 के अनुसार, यदि राष्ट्रपति की राय में लोकसभा में आंग्ल–भारतीय समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिला हो तो वह आंग्ल–भारतीय समुदाय के दो व्यक्तियों को लोकसभा के लिए नाम–निर्देशित कर सकता है। राज्यसभा कभी भंग नहीं की जा सकती। संविधान के अनुच्छेद–123 के तहत राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई है। राष्ट्रपति के द्वारा अध्यादेश संसद के विश्रान्तिकाल में उस समय जारी किया जाता है, जब राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाए कि ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसके अनुसार अविलम्ब कार्रवाई करना आवश्यक है।

43. (C) अनुच्छेद 270, 273, 275 और 280 एक वित्त आयोग के गठन का उपबन्ध

करते हैं जो पाँच वर्ष के अन्तराल पर गठित किया जाएगा और राष्ट्रपति को संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण के सम्बन्ध में सिफारिश करेगा।

44. (D) खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख संगठन नहीं, बल्कि विशिष्ट संगठन है। संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख संगठन–महासभा, सुरक्षा परिषद्, आर्थिक और सामाजिक परिषद्, न्यासी परिषद्, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय और सचिवालय हैं।

45. (C) स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा एक प्रतितुलक प्रविष्टि की गई है, अर्थात् संविधान के भाग–4 (क) के अनुच्छेद–51(क) में मूल कर्त्तव्य प्रविष्ट किया गया है।

46. (C) अनुच्छेद–123 के अनुसार राष्ट्रपति को उस समय अध्यादेश द्वारा विधान बनाने की शक्ति है, जब उस समय, उस विषय पर तुरन्त संसदीय अधिनियम बनाना सम्भव नहीं है। दूसरे शब्दों में राष्ट्रपति तब अध्यादेश जारी कर सकता है, जब दोनों सदनों में से किसी एक का सत्रावसान हो गया हो या वह सत्र में नहीं है। लेकिन अध्यादेश का जीवन काल मात्र 6 सप्ताह का होता है इसके भीतर इसे संसद का अनुमोदन मिल जाना चाहिए अन्यथा यह समाप्त हो जाता है। यद्यपि अनुच्छेद–57 में उपराष्ट्रपति को पुनर्निर्वाचन के लिए कोई उपबन्ध नहीं है। लेकिन अनुच्छेद–66 से यह प्रतीत होता है, उपराष्ट्रपति पुनर्निर्वाचन के लिए पात्र है। डॉ. राधाकृष्णन 1957 में इस पद के लिए दोबारा निर्वाचित हुए थे।

47. (B) राज्य विधानसभा का चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी कराता है।

48. (A) जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिलाधीश उत्तरदायी होता है।

49. (C) मुख्य लेखा अधिकारी, राज्य सरकार केंद्र सरकार तथा सरकारी उपक्रमों के आय–व्यय की जांच करता है।

50. (C) अक्षमता नौकरशाही की विशेषता नहीं है जबकि स्थायित्व, तटस्थता, गोपनीयता इसकी विशेषता है।

51. (B) उदारवाद मानव को उत्पादन, विनिमय, वितरण, करने कोई भी व्यापार या व्यवसाय करने, अपनी सम्पत्ति को रखने तथा बेचने आदि की पूरी स्वतंत्रता देता है जिससे पूंजीवाद को बढ़ावा मिलता है।

52. (A) यदि राज्य शासक दल के हाथों में एक सर्वशक्तिशाली संस्था हो, तो उसके प्रति किसी प्रकार के विरोध की कोई गुजांइश नहीं है।

53. (A) लोकतंत्र शासन के लिए भाषण की स्वतंत्रता आवश्यक है।

54. (C) नेहरू जी का झुकाव समाजवाद की ओर अवश्य था, परन्तु मिश्रित अर्थव्यवस्था की नीति के साथ उन्होंने समाजवाद को वहीं अपनाने का आग्रह किया जहाँ तक वह कल्याणकारी राज्य का साथ निभा सकता है।

55. (B) भारतीय सविंधान के अनुसार संसद की बैठक एक साल में कम से कम दो बार होनी चाहिए।

56. (D) 'द्विदलीय' दल पद्धति लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए सबसे उपर्युक्त है।

57. (C) नागरिक शास्त्र के अध्ययन का मुख्य विषय राज्य है।

58. (C) अशोक मेहता समिति का गठन 1977 में किया गया था, जिसमें पंचायती राज्य व्यवस्था को द्विस्तरीय बनाने का सुझाव दिया।

59. (D) आसियान की स्थापना 1967 ई. में हुई। आसियान के संस्थापक सदस्यों में इण्डोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैण्ड एवं फिलीपींस थे। वर्तमान में आसियान में 10 देश शामिल हैं। इसका मुख्यालय जकार्त्ता (इंडोनेशिया) में स्थित है। आसियान की सर्वोच्च नीति निर्मात्री निकाय मंत्रिस्तरीय बैठक है, जिसमें प्रत्येक सदस्य देशों के विदेश मंत्री भाग लेते हैं, और चक्रीय रूप में वर्ष में एक बार इसकी बैठक होती है।

60. (A) कैबिनेट मिशन 1946 के अनुसार संविधान निर्माण सभा का गठन प्रान्तीय विधानसभाओं तथा देशी रियासतों प्रतिनिधियों के द्वारा किया जायेगा।

61. (C) अमेरिकी विदेश सचिव मार्शल ने 26 अप्रैल, 1947 को इस बात पर बल दिया कि यदि इस समय तत्काल यूरोप के आर्थिक पुनरुद्धार का यत्न न किया गया तो वह साम्यवादी हो जायेगा। परिणामस्वरूप राष्ट्रपति ट्रूमैन ने मार्शल द्वारा दिए गये सुझाव के अनुसार पश्चिमी यूरोपीय देशों के आर्थिक पुनर्निर्माण तथा इन देशों में व्याप्त बेकारी, भुखमरी, निर्धनता, साधनहीनता और अव्यवस्था को समाप्त करने के लिए उद्देश्य से मार्शल योजना शुरू की।

62. (A) उपर्युक्त चारों अनुच्छेद संघीय संसद को राज्य सूची में सम्मिलित विषयों पर विधि-निर्माण का अधिकार प्रदान करते हैं।

63. (B) क्षेत्रीय परिषदों का कार्य सम्बन्धित सदस्यों के सामान्य हितों पर विचार करके उच्च स्तरीय परामर्श देना हैं इसका अध्यक्ष केन्द्रीय गृहमंत्री होता है। तथा उपसभापति सम्बन्धित राज्यों के मुख्यमंत्री होते हैं जो प्रतिवर्ष बदलते रहते हैं।

अर्थशास्त्र

2. (B) एकाधिकार प्रतियोगिता में कोई भी फर्म दीर्घकाल में न तो असामान्य लाभ कमा सकती है और न ही हानि। दीर्घकाल में यदि कोई फर्म सामान्य लाभ कमाती है तो नई फर्में आकृष्ट होंगीं जिससे असामान्य लाभ समाप्त हो जायेगा। दीर्घकाल में कोई फर्म हानि की स्थिति का भी सामना नहीं करेगी, क्योंकि दीर्घकाल में फर्मों के पास इतना समय होता है, कि वे स्थिर साधनों में परिवर्तन कर सकती हैं।

3. (C) डोरेन्स ने व्यापार की आय शर्तों के सिद्धान्त को प्रतिपादित किया। यह सूचक किसी देश के निर्यातों और उस देश के निर्यात और आयात कीमतों पर ध्यान देता है। यह किसी देश के निर्यातों में परिवर्तनों के अनुपात में उसकी परिवर्तित हुई आयात क्षमता को प्रदर्शित करता है। इस व्यापार की आय शर्तें किसी देश के निवल वस्तु विनिमय व्यापार शर्तों तथा उसके निर्यात मात्रा सूचक का गुणनफल होती है।

4. (A) श्रमिकों की मजदूरी, जीवन निर्वाहित व्यय में वृद्धि तथा उद्यमियों की लाभ प्रत्याशा में वृद्धि लागत जन्य मुद्रा स्फीति के लिए उत्तरदायी हैं।

5. (A) किसी देश का भुगतान शेष द्वि–आधारीय गणना प्रवृत्ति के आधार पर होता है जिसमें लेखा की दृष्टि से हमेशा सन्तुलन की स्थिति होती है।

6. (C) फिशर का विनिमय समीकरण $MV=PT$

जिसमें $P = \frac{MV}{T}$ कीमत मुद्रा की मात्रा का प्रत्यक्ष तथा आनुपातिक फलन है।

7. (C) राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त 1952 में हुआ था, जबकि योजना आयोग का गठन 1950 में हुआ था राष्ट्रीय विकास परिषद् का कार्य पंचवर्षीय योजनाओं का क्रियान्वयन करना है। प्रधानमंत्री ही

राष्ट्रीय विकास परिषद् का भी अध्यक्ष होता है।

8. (A) सीमान्त उत्पाद मूल्य = M P P गुना AR

सीमान्त आय उत्पाद मूल्य = M P P गुना A R

जब AR = MR तब सीमान्त उत्पाद एवं सीमान्त आय उत्पाद के मान बराबर होता है।

9. (B) विनिमय दर में दो चरणों में यथार्थपरक समायोजना (1991) अरीकृत विनिमय दर प्रबन्ध प्रणाली (1992) एकीकृत बाजार निर्धारित विनिमय दर प्रणाली (1993) चालू खाते की परिवर्तनीय (1994) में लागू की गयी।

10. (B) अवमूल्यन का भुगतान असंतुलन पर अनुकूल प्रभाव तभी पड़ता है जब निर्यातों एवं आयातों के माँग की लोच इकाई से अधिक हो। यदि निर्यातों तथा आयातों की माँग की लोच इकाई से कम है तो भुगतान शेष पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

11. (A) कर एक अनिवार्य अंशदान है जिसका भुगतान करदाता को करना पड़ता है। पर फीस एक ऐच्छिक भुगतान है जिसको देने के लिए कोई व्यक्ति तभी बाध्य होता है जब उस विशिष्ट सेवा से लाभान्वित होता है। कर के बदले करदाता कुछ लाभ प्राप्त कर सकता है पर कर तथा उससे उत्पन्न होने वाले लाभ के बीच कोई प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं होता।

12. (A) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम सितम्बर 2005 को पारित हुआ 26 जनवरी 2009 को लोक सभा में पारित संशोधन विधेयक में इसका नाम बदलकर महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम कर दिया गया है। इसकी शुरुआत 2 फरवरी, 2006 को आन्ध्र प्रदेश के अल्कर गाँव से हुई।

13. (A) पूर्ण प्रतियोगिता में अल्पकाल में फर्म उत्पादन के स्थिर साधनों में कोई परिवर्तन नहीं कर सकता। यदि वह अपने उत्पादन में कोई भी परिवर्तन करना चाहता है तो वह ऐसा परिवर्तनशील साधनों में परिवर्तन के माध्यम से ही कर सकता है। अल्पकाल में फर्म हानि की स्थिति में भी उत्पादन कर सकती है पर यह वह तभी तक करेगी जब तक कि उसकी कीमत औसत परिवर्तनशील लागत के बराबर न हो जाए।

14. (B) भारत में बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों में जनसंख्या में साधारण वृद्धि हुई परन्तु 1921 से जनसंख्या वृद्धि की दर में तेजी से वृद्धि हुई इसी कारण से भारत के जनगणना कमिश्नर ने 1921 को महान विभाजक वर्ष कहा।

15. (D)

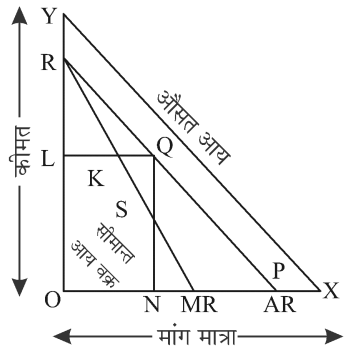

जब वस्तु की ON मात्रा बेची जाती है इस स्तर पर माँग की लोच

$$e = \frac{PQ}{RQ} = \frac{OL}{RL} = \frac{ON}{RL} = \frac{ON}{QS}$$

$(\because RL = QS)$

$$= \frac{QN}{QN-SN} = \frac{AR}{AR-MR}$$

16. (A) चलन गति का तात्पर्य एक निश्चित अवधि में मुद्रा की एक इकाई लेन–देन कार्यों हेतु प्रयुक्त होने से है। मुद्रा की चलन गति से वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद में तो कोई अंतर नहीं आएगा, किन्तु मुद्रा की पूर्ति निम्न समीकरण के अनुसार परिवर्तित हो जाएगी–

मौद्रिक भंडार = वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पादन × मुद्रा की चलन गति

अतः चलन गति 3 हो तो कुल मुद्रा भंडार वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद का तीन गुना हो जाएगा।

17. (A) हैरॉड मॉडल के अनुसार

$G_w = \frac{S}{Cr}$ जहाँ G_w संवृद्धि की वांछित दर, S बचत अनुपात को एवं Cr पूंजी उत्पाद अनुपात को व्यक्त करता है। समीकरण से स्पष्ट है, कि Gw या संवृद्धि की वांछित दर बचत आय अनुपात से प्रत्यक्षतः एवं पूँजी उत्पाद अनुपात से अप्रत्यक्षतः संबद्ध है।

18. (A) कीन्स के अनुसार बांड कीमतों और ब्याज की दर का एक दूसरे के साथ विपरीत सम्बन्ध होता है। कम बांड कीमतें ऊँची ब्याज दरों को और ऊँची बांड कीमतें कम ब्याज दरों को व्यक्त करती हैं। एक बांड पर निश्चित ब्याज प्राप्त होता है अर्थात् मुद्रा की सट्टा माँग ब्याज दर का घटता हुआ फलन है। कीन्स ने सट्टा माँग को इस प्रकार व्यक्त किया–$M_2 = L_2 C_0$.

19. (B) जे. एस. मिल के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विनिमय दर का निर्धारण वस्तु की माँग की लोच के अनुपात पर निर्भर करता है।

20. (A) परिवर्तनीय आरक्षित अनुपात का सम्बन्ध मौद्रिक नीति से है जबकि करारोपण, सार्वजनिक व्यय और बाह्य उधार का संबन्ध राजकोषीय नीति से है।

21. (C) PT = MV फिशर का मूल समीकरण है। चूँकि मुद्रा के दो रूप होते हैं–वैधानिक मुद्रा जैसे सिक्के, पत्र मुद्रा तथा साख मुद्रा। फिशर ने अपने समीकरण को और विस्तृत करने के लिए समीकरण में साख मुद्रा तथा उसकी चलन गति को भी सम्मिलित किया और एक दूसरा समीकरण दिया–

$MV + M^1V^1 = PT$

22. (C) IS वक्र वस्तु बाजार सन्तुलन से सम्बन्धित है। IM वक्र मुद्रा बाजार से सम्बन्धित है। IS-LM मॉडल में एक साथ दोनों बाजारों में सन्तुलन स्थापित करता है।

23. (A) अपरिवर्तनीय पत्र मुद्रा का आशय उस मूल्य में से है जिसके निर्गमन में आरक्षित संपत्ति के तौर पर कोई धनराशि नहीं रखी जाती। भारत में 1 रुपये का नोट भारत सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी होता है ऐसी ही मुद्रा में 1 रुपये से अधिक मूल्य प्रदर्शित करने वाली सभी मुद्राएँ विधिमान परिवर्तनीय हैं।

24. (A) अपरिवर्ती कागज करेंसी वाले देशों के बीच विनिमय दर निर्धारित करने के लिए जी. कैसल ने 1920 में क्रय शक्ति समता सिद्धान्त विकसित किया था। यह सिद्धान्त कहता है कि दो अपरिवर्ती कागज करेंसियों के बीच विनिमय दरों को उनकी क्रय शक्तियों की समता निर्धारित करती है।

25. (B) एकाधिकार प्रतियोगिता के बाजार में विक्रेता का अधिक संख्या में होना जो स्वतंत्र व्यवहार करते हों एवं असमाँग वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

26. (D) किसी फर्म का लाभ

π = कुल आय TR – कुल लागत TC

लाभ अधिकतमीकरण हेतु

प्रथम शर्त $\frac{d\pi}{dQ} = 0$

या $\frac{d}{dQ}(TR - TC) = 0$

या $\frac{dTR}{dQ} - \frac{dTC}{dQ} = 0$

या $MR - MC = 0$

या $MR = MC$

द्वितीय शर्त $\frac{d_2\pi}{dQ^2} < 0$ या $\frac{d}{dQ} MR < \frac{d}{dQ} MC$

इसका आशय MR वक्र की ढाल MC वक्र के ढाल से कम होगा।

27. (B) $K = \frac{1}{1-MPC} = \frac{1}{1-0.80} = \frac{1}{0.20} = 5$

$\because \quad K = \frac{\Delta y}{\Delta I}$

$\because \quad \Delta y = k \times \Delta I = 5000 \times 5$

$= 25000$

28. (B) उपज का वह हिस्सा जो कृषक के उपभोग के बाद बच जाता है उसे बाजार में बेचता है उसे विक्रय हेतु आधिक्य कहा जाता है।

29. (B) द्वितीय पंचवर्षीय योजना जो कि उद्योग प्रधान थी, पी.सी. महालनोविस मॉडल पर आधारित थी। पी. सी. महालनोविस 1499 में स्थापित राष्ट्रीय आय समिति के अध्यक्ष थे।

30. (D) रिकार्डो के अनुसार लागतों में निरपेक्ष अन्तर नहीं, बल्कि तुलनात्मक अन्तर दो देशों के बीच व्यापार सम्बन्धों को निर्धारित करता है। श्रम के भौगोलिक विभाजन तथा उत्पादन में विशिष्टीकरण के कारण विभिन्न देशों में उत्पादन लागतें भिन्न–भिन्न होती हैं।

31. (B) विश्व बैंक समूह में पाँच संगठन सम्मिलित हैं–(A) IBRD (B) IDA (C) IFC (D) MIGA (e) ICSID

32. (D) भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना हैराड–डोमर मॉडल पर आधारित थी जबकि द्वितीय पंचवर्षीय योजना पी.सी. महालनोविस मॉडल पर आधारित थी।

33. (D) परिवर्तनशील अनुपातों के नियम के अन्तर्गत उत्पादन के प्रथम चरण में सीमान्त उत्पाद बढ़ता है और फिर गिरना प्रारभ हो जाता है। इसे निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट किया जा सकता है–

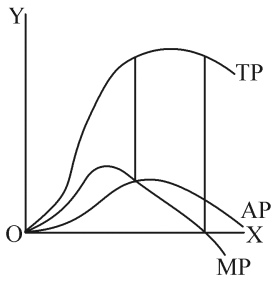

34. (C) व्यय योग्य आय बराबर होती है वैयक्तिक आय–वैयक्तिक प्रत्यक्ष कर, क्योंकि वैयक्तिक प्रत्यक्ष कर देने के बाद बची आय को व्यक्ति किसी भी वस्तु एवं सेवा पर खर्च कर सकता है।

35. (C) स्टेग फ्लेशन एक ऐसी विरोधाभास की स्थिति है जिसमें अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति के साथ–साथ गतिहीनता की स्थिति विद्यमान रहती है। इस स्थिति में अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में एक ओर ऊँचे मूल्य तथा अधिपूर्ण रोजगार की स्थिति दृष्टिगोचर होती है तथा दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में गतिहीनता की स्थिति रहती है।

36. (A) 'रिकार्डो' के तुलनात्मक लागत सिद्धांत के अनुसार व्यापार में संलग्न दो देशों में प्रत्येक देश B, Y वस्तु का उत्पादन एवं निर्यात करेगा।

37. (B) ऋण योग्य राशियों की माँग उपभोग, संचय एवं विनियोग व्यय हेतु की जाती है, जबकि इनकी पूर्ति विनिवेश, बचत, बैंक मुद्रा एवं निः संचय से की जाती है।

38. (D) सीमांत उत्पादकता सिद्धांत की शुरुआत 19वीं शताब्दी के आर्थिक विचारकों के लेखों में मिलती है। सीमांत उत्पादन की चर्चा सर्वप्रथम वान थनने ने 1826 में अपने एक लेख में की। इस सिद्धान्त का क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित विवेचन जे. बी. क्लार्क ने 1992 में The Distribution of Wealth में किया। बाद में जेवन्स, वालरा, विकस्टीड, मार्शल, बालदा आदि ने इस सिद्धांत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया।

39. (A) रिकार्डो के अनुसार उपज की कीमत बढ़ने से भूमि की कीमत, अर्थात् लगान बढ़ जाता है, क्योंकि लगान कीमत द्वारा निर्धारित होता है।

40. (D) औसत स्थिर लागतें कुल स्थिर लागतों को कुल उत्पादन से विभक्त करने पर प्राप्त होती हैं। इसको निम्न रूप में लिखा जा सकता है–

$AFC = \frac{TFC}{Q}$ or $\frac{TFC}{TO}$

(O = Output)

41. (A) तुलनात्मक लागत सिद्धांत मूल्य के श्रम सिद्धान्त की मान्यता पर आधारित है। इस मान्यता के अनुसार उत्पादन का एकमात्र साधन श्रम होता है एवं उत्पाद का मूल्य उसमें निहित श्रम की मात्रा के बराबर होता है।

42. (D) धन के बहिर्गमन या आर्थिक दोहन का सिद्धान्त दादा भाई नौरोजी ने प्रस्तुत किया और उन्होंने सिद्ध किया कि भारत की गरीबी एवं आर्थिक अवनति का प्रमुख कारण भारतीय सम्पत्ति का विदेश में जाना है अर्थात् भारत में जो भी उत्पादन किया जाता है, उसका अधिकांश भाग स्थायी रूप से इंग्लैण्ड को चला जाता है।

43. (C) विक्रय लागतों का तात्पर्य विज्ञापन व्यय से है। एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा में, जबकि फर्में कम होती हैं। उनके मध्य गलाकाट प्रतिस्पर्धा पायी जाती है एवं उनके उत्पादों में कोई मौलिक भेद नहीं वरन् ब्राण्ड का भेद होता है। विक्रय लागतें उत्पादन लागतों का एक आवश्यक भाग बन जाती हैं।

44. (B) आय से अधिक सम्पत्ति होने पर सम्पत्ति कर लगाया जाता है। परन्तु इस प्रकार के करदाताओं की संख्या कम होती है। यही कारण है कि सम्पत्ति कर से प्राप्त होने वाला राजस्व कम होता है। इसके अतिरिक्त निम्न तीन करों (A) आयकर, (B) निगमकर, (C) उत्पादकर से सरकार को अधिक राजस्व प्राप्त होता है तथा इनके भविष्य में बढ़ने की सम्भावनाएँ भी अधिक होती हैं। इसलिए ये तीनों प्रगतिशील कर हैं।

45. (D) स्थिर विनिमय दर किसी देश की व्यापार शर्तों को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है। व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं–

(1) मांग की लोच, (2) स्थानापन्न की उपलब्धता, (3) स्वदेश में पूर्ति की लोच, (4) प्रशुल्क नीति, (5) आर्थिक विकास का प्रभाव, (6) अवमूल्यन, (7) आयात/निर्यात की माँग परिवर्तन (8) एक पक्षीय स्थानान्तरण, (9) राजनैतिक स्थिरता, (10) आर्थिक विकास, (11) तकनीकी परिवर्तन, आदि

46. (D) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त रिकार्डो ने प्रतिपादित किया। दो देश व्यापार इसलिए करते हैं, कि प्रत्येक देश में श्रम का मूल्य उत्पादन के साधनों में अलग–अलग होता है और दोनों देशों को लाभ होता है।

(A) परिवहन लागत को शून्य मान लिया जाता है।

(B) दोनों देशों को श्रेष्ठ वस्तुएँ उपभोग के लिए प्राप्त होती हैं यह सही नहीं है।

(C) प्रशुल्क की बात प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री नहीं करते।

47. (D) स्टाप्लर–सैम्युल्सन के प्रमेय में प्रशुल्क के प्रभाव का कीमतों पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

स्टाप्लर–सैम्युल्सन प्रमेय

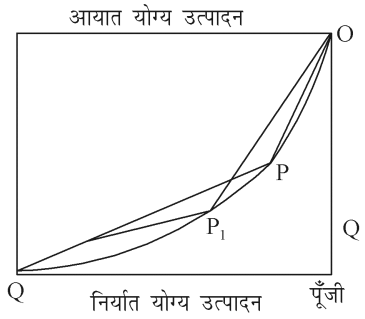

चित्र में O O_1 एक अनुबन्ध वक्र है हम एक स्वतन्त्र व्यापार की स्थिति से प्रारम्भ करते हैं, जब एक देश P बिन्दु पर उत्पादन कर रहा होता है। ऐसी स्थिति में आयात की गयी वस्तुओं पर प्रशुल्क लगाने का अर्थ यह है, कि आयात योग्य वस्तुओं की घरेलू कीमतों में वृद्धि करना। ऐसी स्थिति में स्वदेशी उत्पादक आयात की जाने वाली वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि कर देंगे और निर्यात की वस्तुओं का उत्पादन घटायेंगे जिसे P से P_1 बिन्दु पर एक रेखा के द्वारा दर्शाया गया है और उन्हें श्रम की भी विशेष आवश्यकता होती है अतः प्रशुल्क के दुर्लभसाधनों को लाभ मिलता है। अतः जैसे–जैसे शुल्क दर से प्रशुल्क की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होगी वैसे–वैसे उद्योग में अल्प रूप से प्रयोग किए गये साधन की माँग में वृद्धि आयेगी।

48. (B) लागतों के आधुनिक सिद्धान्त के अनुसार LAC वक्र U आकार का न होकर L आकार का होता है। जहाँ तक SAVC और MC वक्र का प्रश्न है ये एक–दूसरे के साथ मेल खाते हैं तथा उत्पादन के एक विस्तृत रेंज पर समानान्तर सीधी रेखा में होते हैं।

49. (D) आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार लगान से अभिप्राय किसी उत्पादन साधन के वास्तविक उपार्जनों एवं हस्तांतरण उपार्जनों के अन्तर से होता है। जॉन राबिन्सन में भी इसी आधार पर लगान की परिभाषा प्रस्तुत की है। उत्पादन साधन की न्यूनतम पूर्ति कीमत को हस्तान्तरण उपार्जन अथवा आय भी कहते हैं। हस्तान्तरण आय (transfer earning) से अभिप्राय उस मुद्रा राशि से है जो उत्पादन साधन द्वारा अपने दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदत्त उपयोगों में कमायी जाती है।

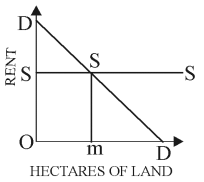

रेखा कृति में भूमि का पूर्ति वक्र SS क्षितिजीव सीधी रेखा है। यह पूर्णतः लोचदार है, DD माँग वक्र है। ये दोनों वक्र एक–दूसरे को P बिन्दु पर काटते हैं। इस रेखा कृति में उपयोग में लगायी गयी भूमि की मात्रा OM है, प्रति इकाई लगान PM (=OS) है, कुल उपार्जन OMPS है।

हस्तान्तरण उपार्जन भी OMPS है। चूँकि वास्तविक उपार्जन एवं हस्तान्तरण उपार्जन समान है अतः हस्तान्तरण उपार्जन के ऊपर आधिक्य के रूप में लगान उत्पन्न नहीं होता।

50. (A) हैक्शर और ओहलिन सिद्धान्त यह बताता है, कि उत्पादन विशिष्टीकरण तथा प्रदेशों में व्यापार के ढाँचे का प्रमुख निर्धारक तत्व है–साधन पूर्तियों की सापेक्ष प्राप्यता प्रदेशों अथवा देशों की साधन सम्पन्नतायें तथा साधन पूर्तियाँ भिन्न–भिन्न होती हैं। यही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का कारण होता है।

51. (C) माँग का नियम किसी वस्तु की कीमत एवं उपभोक्ताओं द्वारा माँग की गयी उसकी मात्रा के बीच के सम्बन्ध के गुणात्मक कथन को प्रस्तुत करता है। यह नियम इन दोनों परिणामों अर्थात् वस्तु की कीमत एवं माँग–मात्रा के बीच किसी मात्रात्मक सम्बन्ध को व्यक्त नहीं करता, कारण स्पष्ट है कि विभिन्न वस्तुओं एवं उनकी कीमतों में हुए परिवर्तनों के बीच कोई मात्रात्मक एकरूपता नहीं होती है।

52. (B)

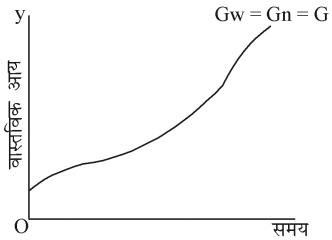

G = Gw-Gn की स्थिति में अर्थव्यवस्था पूर्णरोजगार की संस्थिति की दर से विकसित हो रही है पर यदि Gw = Gn में विचलन हो जाये तो अर्थव्यवस्था असन्तुलन की स्थिति में आ जायेगी। इसे ही चाकू की धार से व्यक्त किया।

53. (B) कीन्स का तरलता जाल सिद्धान्त ब्याज को विशुद्ध रूप से एक मौद्रिक चर मानता है। इस सिद्धान्त के अनुसार ब्याज का निर्धारण उस बिन्दु पर होता है जहाँ पर तरलता की माँग (मुद्रा की माँग) एवं मुद्रा की पूर्ति वक्र एक दूसरे को काटते हैं।

54. (B) न्यूनतम क्रांतिक प्रयास सिद्धान्त में यदि प्रति व्यक्ति आय इतनी वृद्धि हो कि वह जीवन निर्वाह से ऊपर उठ जाए तो मृत्युदर में कमी होगी पर जन्म दर में कोई कमी नहीं होगी–1 लेवेन्सटीन ने यह प्रतिपादित किया कि अल्पविकसित देशों में आर्थिक पिछड़ेपन से छुटकारा पाने के लिए विनियोग के रूप में आवश्यक न्यूनतम प्रयास होना चाहिए।

55. (B) असन्तुलित विकास सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है, कि अल्पविकसित देशों के पास पूँजी और कुशल श्रम की उपलब्धता बहुत कम होती है अतः इनके लिए सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश कर पाना सम्भव नहीं है ऐसी स्थिति में इन देशों में कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों में निवेश करके असन्तुलन उत्पन्न करना चाहिए।

56. (C) भारतीय कृषि में अभी भी श्रम शक्ति के बड़े भाग को खपाती है। जहाँ 1951 में 70 प्रतिशत लोगों को रोजगार मिलता था वही अब 54 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्रदान करता है, परन्तु कृषि क्षेत्र में रोजगार लोच घटी है जिस कारण बढ़े हुए बेरोजगारों को कृषि क्षेत्र खपा नहीं पाता है जिससे बेरोजगारी बढ़ी है।

57. (B) दिये गये रेखाचित्र में MC वक्र गलत खींचा गया है, क्योंकि AC & MC में निम्न सम्बन्ध है–

(1) जब AC नीचे गिरता हुआ होता है तो MC वक्र AC के नीचे होता है।

(2) जब AC न्यूनतम होता है तो MC, AC के बराबर होता है।

(3) जब AC ऊपर चढ़ता हुआ होता है तो MC, AC के ऊपर होता है।

58. (C) समन्वित आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए नाबार्ड कृषि क्षेत्र की वित्तीय आवश्यकता की पूर्ति के लिए पुनर्वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करता है। यह राज्य सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, भूमि विकास बैंकों तथा रिजर्व बैंक द्वारा मान्य अन्य वित्तीय संस्थाओं को अल्पकालीन मध्यकालीन ऋण प्रदान करता है।

59. (D) अधिकतम सामाजिक लान का नियम करारोपण और सार्वजनिक व्यय दोनों से संबंधित है। यह नियम उपयोगिता ह्रास

नियम पर आधारित है। घन वृद्धि के साथ उसकी उपयोगिता घटती जाती है तथा धन की मात्रा कम होने पर उपयोगिता बढ़ती जाती है।

60. (B) एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा में फर्म का दीर्घकालीन संतुलन दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के गिरते हुए खण्ड में बनता है क्योंकि एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा में फर्में जब सामान्य लाभ कमाती हैं तो भी इष्टतम से कम आकार की होती हैं और अतिरिक्त क्षमता के अन्तर्गत कार्य करती है।

61. (C) यदि कोई उपभोक्ता आय के बढ़ने पर किसी वस्तु की अधिक मात्रा क्रय करता है तो वह वस्तु उपभोक्ता की दृष्टि से सामान्य वस्तु कही जायेगी, अर्थात् सामान्य वस्तु के सम्बन्ध में "आय जन्य आय प्रभाव" धनात्मक होगा।

62. (A) जब एक उपभोक्ता वस्तु की अधिकाधिक इकाइयों का उपभोग करता है तो उस वस्तु के लिए उस की आवश्यकता की तीव्रता घटती जाती है और अन्त में एक ऐसी स्थिति पहुँच जाती है जिस पर वह उपभोक्ता उस वस्तु की कोई भी इकाई स्वीकार करने को तैयार नहीं होता। यहाँ पर पूर्ण सन्तुष्टि की स्थिति में पहुँच जाता है और उस वस्तु से प्राप्त सीमान्त तुष्टिगुण शून्य हो जाता है। और कुल प्रतियोगिता अधिकतम हो जाती है। उपभोक्ता साम्य की स्थिति में पहुँच जाता है।

63. (A) x के लिए y की प्रतिस्थापन की सीमान्त दर से आशय (MRS_{xy}) x की उस मात्रा से है जिसे छोड़ने के लिए उपभोक्ता तैयार है जिससे कि वह y की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त कर सके तथा सन्तुष्टि के उसी स्तर पर बना रहे।

●●

उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018

सामाजिक विज्ञान

हल प्रश्न-पत्र

परीक्षा तिथि : 29-07-2018

इतिहास (History)

1. कनिष्क बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का अनुयायी था?
(A) हीनयान (B) महायान
(C) वज्रयान (D) इनमें से काई नहीं

1. (B) कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था। इसी के समय प्रथम बौद्ध महा संगति में बौद्ध धर्म महायान और हीनयान में विभाजित हो गया था। 'महायान' बौद्ध धर्म का आरंभ पहली शताब्दी के आसपास माना जाता है। कुषाण शासक कनिष्क के समय से बौद्ध ग्रन्थों के लिए संस्कृत भाषा का प्रयोग हुआ और महायान बौद्ध संप्रदाय का भी प्रादुर्भाव हुआ। नागार्जुन बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध दार्शनिक हुआ है और महायान सम्प्रदाय का प्रवर्तक उसी को माना जाता है। नागार्जुन को कनिष्क का संरक्षण प्राप्त था। कनिष्क के समय में 'महायान' धर्म का प्रचार होने से बौद्ध और बोधिसत्वों की मूर्तियाँ बनने लगी थीं।

हीनयान संप्रदाय के लोग परिवर्तन अथवा सुधार के विरोधी थे। यह बौद्ध धर्म के प्राचीन आदर्शों को ज्यों का त्यों बनाए रखना चाहते थे।

दार्शनिक तौर पर वज्रयान में योगाचार साधना पद्धति, जिसमें मन की परम अवस्था (निर्वाण) पर बल दिया जाता है।

2. प्रथम जैन समिति किसने आहूत की थी?
(A) भद्रबाहु (B) गर्दभिल्ल
(C) स्थूलभद्र (D) देवर्धिगणि

2. (C) प्रथम जैन समिति संगति स्थूल भद्र ने आहूत की थी। जैन आचार्य स्थूल भद्र, अन्य जैन आचार्य भद्रबाहु के समकालीन थे।

प्रथम जैन सभा–

- ❖ **समय**–प्रथम जैन संगीति का आयोजन 300 ई. में हुआ।
- ❖ **शासनकाल**–यह सभा चंद्रगुप्त मौर्य के काल में हुई थी।
- ❖ **स्थान**–पाटलिपुत्र में प्रथम जैन संगीति हुई।
- ❖ **अध्यक्ष**–यह सभा स्थूलभद्र की अध्यक्षता में हुई।
- ❖ **कार्य**–इसमें जैन धर्म के प्रधान भाग 12 अंगों का संपादन हुआ। प्रथम जैन सभा में जैन धर्म दिगंबर एवं श्वेतांबर दो भागों में बँट गया। स्थूलभद्र ने श्वेताम्बरों का नेतृत्व किया था। जबकि भद्रबाहु के नेतृत्व में दिगम्बर सम्प्रदाय का विकास हुआ था।

3. भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया था?
(A) बोधगया (B) श्रावस्ती
(C) कुशीनगर (D) ऋषिपत्तन

3. (D) भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था। इस घटना को "धर्म चक्र प्रवर्तन" कहा जाता है। सारनाथ (ऋषि पत्तन) वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थल है।
गौतम बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिये थे, जबकि कुशीनगर में उनकी मृत्यु हुई थी तथा बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

4. 'भगवती सूत्र' किस धर्म से सम्बन्धित है?
(A) बौद्ध धर्म
(B) जैन धर्म
(C) ब्राह्मण धर्म
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. (B) भगवती सूत्र 'जैन धर्म' से सम्बन्धित है। भगवती सूत्र को 'व्यख्यप्रज्ञापति' के रूप में भी जाना जाता है जिसका अर्थ है स्पष्टीकरण। यह 12 अगमों में से 5वाँ है और सुधर्मास्वामी द्वारा जैन धर्म के श्वेताम्बर स्कूल द्वारा रचित है। यह जैन प्राकृत भाषा में लिखा गया है। भगवती सूत्र में 16 महाजनपदों का उल्लेख हुआ है।

5. मेगस्थनीज के लेखन में उल्लिखित 'ऐग्रोनोमोई' कौन हैं?
(A) प्रान्तीय अधिकारी
(B) पुलिस अधिकारी
(C) जिले के अधिकारी
(D) नगर के अधिकारी

5. (D) मेगस्थनीज लिखित पुस्तक इण्डिका में एग्रोनोमोई एक नगर अधिकारी था। वह कर वसूलता था और भूमि के स्वामित्व सम्बन्धी मामलों का भी निरीक्षण करता था। सार्वजनिक सड़कों का निर्माण और दस-दस स्टेडिया की दूरी पर स्तम्भ लगाने के काम का निरीक्षण भी यही अधिकारी करता था। इसकी पहचान कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्णित 'अध्यक्ष' और अशोक के शिलालेख में वर्णित 'राजुक' से की जाती है।

6. सीरिया का राजदूत, डायमेकस किस मौर्य शासक के दरबार में आया था?
(A) चन्द्रगुप्त (B) बिन्दुसार
(C) अशोक (D) दशरथ

6. (B)
- सीरिया के राजा एण्टियोकस प्रथम ने डायमाइकस नामक राजदूत को बिंदुसार के दरबार में भेजा था।
- ऐण्टियोकस प्रथम सेल्युकस निकेटर का पुत्र और सीरिया का राजा था। भारत में जब द्वितीय मौर्य सम्राट बिन्दुसार राज्य करता था, उसके समय में एण्टियोकस प्रथम सीरिया में राज्य करता था। स्टूबो नामक इतिहासकार के अनुसार एण्टियोकस प्रथम ने डायमेकस नामक एक दूत बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी।
- अशोक महानतम मौर्य राजवंश सम्राट थे।
- दशरथ अयोध्या के रघुवंशी (सूर्यवंशी) राजा थे।

7. गुप्त संवत् 61 का मथुरा स्तम्भ-लेख सम्बन्धित है?
(A) समुद्रगुप्त से (B) चन्द्रगुप्त द्वितीय से
(C) कुमारगुप्त से (D) स्कन्दगुप्त से

7. (B) गुप्त संवत् 61 का मथुरा स्तम्भलेख चन्द्र गुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) से सम्बन्धित है। समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कंदगुप्त ये सभी गुप्त सम्राट थे।
चन्द्रगुप्त द्वितीय की तिथि का निर्धारण उनके अभिलेखों आदि के आधार पर किया जाता है। चन्द्रगुप्त का, गुप्तसंवत् 61 (380 ई.) में उत्कीर्ण मथुरा स्तम्भलेख, जिसे उनके राज्य के पाँचवें वर्ष में उत्कीर्ण करवाया गया था।

8. राजराज प्रथम की माता का क्या नाम था?

(A) इलंगोनपिच्चि

(B) पंचवन मादेवियार

(C) बानवन महादेवियार

(D) वानवन महादेवी

8. (D) राजराज प्रथम की माता का नाम वानवन महादेवी था। राजराज प्रथम शासन के 30 वर्ष के चोल साम्राज्य के सर्वाधिक गौरवशाली वर्ष थे। उन्होंने अपने पितामह परान्तक प्रथम की 'लौह एवं रक्त की नीति' का पालन करते हुए 'राजराज' की उपाधि ग्रहण की।

9. इनमें से किस चोल शासक की उपाधि 'गंगैकोण्ड' थी?

(A) राजराज (B) राजेन्द्र प्रथम

(C) परान्तक (D) आदित्य प्रथम

9. (B) राजेन्द्र प्रथम ने उत्तर भारत अभियान के बाद 'गंगैकोण्डचोल', 'वीर राजेन्द्र', 'मुडिगोंडचोल' आदि उपाधियाँ धारण की थीं। राजेन्द्र प्रथम (1014-1044 ई.) राजराज प्रथम का पुत्र एवं उत्तराधिकारी 1014 ई. में चोल राजवंश के सिंहासन पर बैठा। राजेन्द्र अपने पिता के समान ही साम्राज्यवादी प्रवृत्ति का था। उसकी उपलब्धियों के बारे में सही जानकारी 'तिरुवालंगाडु' एवं 'करंदाइ अभिलेखों' से मिलती है। अपने विजय अभियान के प्रारम्भ में उसने पश्चिमी चालुक्यों, पाण्डयों एवं चेरों को पराजित किया। राजेन्द्र प्रथम ने श्री विजय (शैलेन्द्र) शासक विजयोत्तुंगवर्मन को पराजित कर जावा, सुमात्रा एवं मलया प्रायद्वीप पर अधिकार कर लिया।

10. द्वितीय राजतंरगिणी के रचनाकार थे–

(A) जोनराज (B) कल्हण

(C) श्रीवर (D) जयदेव

10. (A) ● द्वितीय राजतरंगिणी के रचनाकार जोनराज थे।

● जोनराज 15वीं सदी के एक कश्मीरी इतिहासकार और संस्कृत कवि थे। उन्होंने 'द्वितीय राजतरंगिणी' नामक इतिहास ग्रन्थ लिखा जिसमें उन्होंने कल्हण की राजतरंगिणी का सन् 1149 तक का वृत्तान्त जारी रखते हुए अपने समकालीन सुल्तान जैन-उल-अबिदीन (उर्फ बड शाह) तक का वर्णन लिखा।

● कल्हण कश्मीरी इतिहासकार तथा विश्वविख्यात ग्रन्थ राजतरंगिणी (1148-50 ई.) के रचयिता थे। वे कश्मीर के शासक श्रीहर्ष के दरबारी कवि एवं इतिहासकार थे।

● जयदेव 'गीतगोविंद और 'रतिमंजरी' के रचयिता थे। ये बंगाल के शासक लक्ष्मण सेन के दरबारी कवि एवं इतिहासकार थे।

11. निम्नलिखित शासकों के शासनकाल को कालक्रम व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. मुहम्मद बिन कासिम
2. महमूद गजनवी
3. तैमूर
4. चंगेज खान

(A) 1 4 3 2

(B) 1 2 4 3

(C) 2 3 4 1

(D) 4 1 2 3

11. (B) ● प्रश्नगत शासकों के शासनकाल का सही कालानुक्रम इस प्रकार है–

मुहम्मद बिन कासिम→महमूद गजनवी→ चंगेज खान→तैमूर

● मुहम्मद बिन कासिम—भारत में इस्लामिक शासन का आरंम्भ आठवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में सिन्ध पर आक्रमण और अधिकार के साथ हुआ।

● महमूद गजनी जिसे गजनी में (2 नवम्बर 971 AD-30 अप्रैल 1030 AD), महमूद–ए–जबूली के नाम से जाना जाता था, गजनी का शासक था जिसने 997 से 1030 में अपनी मृत्यु तक गजनी में शासन किया। उसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया था।

● तैमूर लंग अथवा 'तैमूर' (शुद्ध शब्द तिमुर है, जिसका अरबी भाषा में अर्थ है—लोहा (1336 ई.–1405 ई.)। चौदहवीं शताब्दी का मंगोल शासक था जिसने महान तैमूरी राजवंश की स्थापना की थी और फीरोजतुगलक के समय भारत पर आक्रमण किया था।)

● **चंगेज खान :** सन् 1162 से 1227 एक मंगोल खान (शासक) था जिसने मंगोल साम्राज्य के विस्तार में एक अहम भूमिका निभाई। वह मंगवरनी का पीछा करते हुए भारत पर आक्रमण करने के लिए दिल्ली तक आ गया था।

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. पृथ्वीराज चौहान, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती के समकालीन थे।

II. गियासुद्दीन तुगलक, निजामुद्दीन औलिया के सकालीन थे।

कूट :

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. (C) ● पृथ्वीराज (1167-1189 ई.) दिल्ली के चौहान शासक थे। ये ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के समकालीन थे।

● शेख निजामुद्दीन औलिया, ग्यासुद्दीन तुगलक के समकालीन थे। शेख निजामुद्दीन औलिया को हजरत निजामुद्दीन के नाम से जाना जाता है। औलिया ने ही ग्यासुद्दीन के बारे में "हनूज दिल्ली दूरस्थ" कहा था।

इस प्रकार विकल्प (C) सही है।

13. 'कुव्वत–उल–इस्लाम' मस्जिद का निर्माण किसने कराया?

(A) आराम शाह (B) इल्तुतमिश

(C) कुतुबुद्दीन ऐबक (D) नसीरुद्दीन

13. (C) कुव्वत अल इस्लाम मस्जिद का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने करवाया। कुतुबुद्दीन ऐबक गुलाम वंश का संस्थापक था। कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली सल्तनत का स्थापक और गुलाम वंश का पहला सुल्तान था। यह गौरी साम्राज्य का सुल्तान मुहम्मद गौरी का एक गुलाम था। यह पहले गौरी के सैन्य अभियानों का सहायक बना और फिर दिल्ली का सुल्तान। इसने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया और कुतुब मीनार की नींव डाली।

14. इल्तुतमिश के विषय में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

I. इल्तुतमिश ने अपने प्रभुत्व की मान्यता खलीफा द्वारा प्राप्त की।

II. इल्तुतमिश ने बंगाल के सुल्तान गियासुद्दीन को हराकर लखनौती पर अधिकार किया।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. (C) ● **खलीफा द्वारा मान्यता** इल्तुतमिश ने भारत में अपने सभी विरोधियों का दमन करके अपने आपको निर्विवाद रूप से दिल्ली का शासक सिद्ध कर दिया। फरवरी, 1229 ई. में इल्तुतमिश ने बगदाद के खलीफा से अनुमति

(खिलअत) प्राप्त की थी। इसके बाद दिल्ली सल्तनत एक स्वतन्त्र राज्य बन गया और सुल्तान का पद कानूनी तथा वंशानुगत बन गया।

- **बंगाल पर अधिकार**—इल्तुतमिश ने बंगाल प्रान्त पर भी कब्जा कर लिया था। 1211 ई. में हिसामुद्दीन एवाज खिलजी बंगाल का शासक बना तथा उसने ग्यासुद्दीन की उपाधि धारण की। उसने इल्तुतमिश की अधीनता स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। इल्तुतमिश के पुत्र नासिरुद्दीन महमूद ने 1226 ई. में ग्यासुद्दीन को युद्ध में पराजित कर उसकी हत्या कर दी और बंगाल पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार 1229 ई. में बंगाल में पुनः दिल्ली राज्य के अधीन एक सूबा बना दिया गया।

15. अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का यादव शासक कौन था?

(A) प्रतापरुद्रदेव (B) हरिवर्मन

(C) काकुस्थवर्मन (D) रामचन्द्र

15. (D) अलाउद्दीन खिलजी के समय देवगिरी का शासक रामचन्द्र था जिसने अलाउद्दीन के सेनापति के सामने समर्पण कर दिया था। वह सोने की बेड़ियाँ पहनकर आत्म–समर्पण के लिये दिल्ली में अलाउद्दीन के समक्ष उपस्थित हुआ था।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(A) सुल्तान खिलजी की हत्या—1296 ई.

(B) खिज्र खाँ ने दिल्ली का सिंहासन ग्रहण किया–1414 ई.

(C) सिकन्दर लोदी ने एक नये नगर आगरा की स्थापना की—1504 ई.

(D) कन्नौज का युद्ध—1530 ई.

16. (D)
- कन्नौज का युद्ध—1530 ई. सही सुमेलित नहीं है।
- कन्नौज का युद्ध मई 1540 ई. में हुमायूँ और शेरशाह के बीच लड़ा गया था। इस लड़ाई ने मुगलों और शेरशाह सूरी के बीच मामले का फैसला कर दिया। इस युद्ध के बाद बादशाह हुमायूँ बिना राज्य का राजा था। उसने अमर कोट में शरण ली थी, क्योंकि काबुल तथा कंधार कामरान के हाथों में थे। कन्नौज के युद्ध को 'बिलग्राम का युद्ध' भी कहा जाता है।

17. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. तैमूर का आक्रमण
2. सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन
3. बाजार नियंत्रण नीति
4. मलिक छज्जू का विद्रोह

कूट :

(A) 4, 1, 3, 2 (B) 3, 4, 2, 1

(C) 4, 3,2, 1 (D) 1, 2, 3, 4

17. (C)
- प्रश्नगत घटनाओं का क्रम इस प्रकार है—बाजार नियंत्रण नीति—मलिक छज्जू का विद्रोह—सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन तैमूर का आक्रमण।
- तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरुद्दीन महमूद के समय (1394-1414 ई.) सन् 1398 ई. में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया था।
- सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन (1330 ई.) मुहम्मद तुगलक द्वारा किया गया था।
- अगस्त 1290 में बलबन के भतीजे और कड़ा मानिकपुर (इलाहाबाद) के सूबेदार मलिक छज्जू ने विद्रोह किया था।
- बाजार नियन्त्रण व्यवस्था अलाउद्दीन खिलजी ने लागू की थी।

18. शेख सलीम चिश्ती की दरगाह स्थित है–

(A) लाहौर में (B) अजमेर में

(C) आगरा में (D) फतेहपुर सीकरी में

18. (D) शेख सलीम चिश्ती की दरगाह आगरा नगर से 35 किलो मीटर दूर फतेहपुर सीकरी में, जनाना रोजा के निकट, दक्षिण में बुलंद दरवाजे की ओर मुख किये हुए, जामी मस्जिद के भीतर स्थित है।

19. निम्नलिखित को उनकी निर्माण-तिथि के क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. आगरा का किला
2. दिल्ली का लाल किला
3. कुतुबमीनार
4. ताजमहल

कूट :

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 3, 1, 2, 4

(C) 2, 1, 3, 4 (D) 3, 4, 2, 1

19. (B) प्रश्नगत इमारतों की निर्माण तिथि का क्रम इस प्रकार है–
कुतुबमीनार→आगरा किला→दिल्ली का लाल किला→ताजमहल
- आगरा के किले का निर्माण वर्ष 1573 में मुगल बादशाह अकबर ने कराया था। इसे किला-ए-अकबरी के नाम से जाना जाता है।
- विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दिल्ली के लाल किले का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा 1638 ईसवी से 1648 तक किया गया। भारत के इस भव्य लाल किले का निर्माण लगभग 10 साल में हुआ।
- कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था, पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई।
- ताजमहल आगरा में यमुना नदी के दक्षिण तट पर एक हाथीदाँत-सफेद संगमरमर का मकबरा है। इसे 1632 में मुगल सम्राट शाहजहाँ (1628 से 1658 तक शासन किया) ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था।

20. 'किरोरी' शब्द किसकी प्रशासनिक व्यवस्था में राजस्व अधिकारी के लिए प्रयुक्त किया जाता है?

(A) अलाउद्दीन खिलजी

(B) मुहम्मद बिन तुगलक

(C) शेरशाह

(D) अकबर

20. (C) किरोरी शब्द शेरशाह सूरी की प्रशासनिक व्यवस्था में राजस्व अधिकारी के लिए प्रयुक्त किया जाता था।

शेरशाह द्वारा वर्ष 1573 में, वार्षिक मूल्यांकन की प्रणाली को बंद कर दिया गया था और उसके स्थान पर करोड़ी व्यवस्था को लागू किया गया। इस प्रणाली के अंतर्गत पूरे उत्तर भारत में सभी स्थानों पर कर को एकत्रित करने के लिए करोड़ी की नियुक्ति की गयी, जो कि भूमि कर के रूप में एक करोड़ रुपये को एकत्रित करने वाले थे, करोड़ी व्यवस्था के अंतर्गत पूरे साम्राज्य में हो रहे वास्तविक उत्पादन, फसलों की वास्तविक कीमत और उनके मूल्य का पता चल जाने के बाद समस्त जागीर व्यवस्था को खालसा भूमि में परिवर्तित कर दिया गया।

21. विजयनगर साम्राज्य के शासक कृष्णदेव राय ने संरक्षण दिया था—

(A) बल्लभाचार्य को (B) माधवाचार्य को

(C) रामानुजाचार्य को (D) निम्बार्काचार्य को

21. (A) विजय नगर के शासक कृष्णदेव राय ने बल्लभाचार्य को संरक्षण प्रदान किया था। कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य का महानतम शासक था, वह न केवल युद्ध और विजयों के लिए जाना जाता है। बल्कि वह साहित्य और कला प्रेमी भी था

जिसने तेलगू ग्रन्थ, आयुक्त दल्य और जाम्बती-कल्याणम की रचना की थी।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(A) देवराय द्वितीय : अब्दुर्रज्जाक

(B) मु. बिन तुगलक : इब्नबतूता

(C) महमूद गजनवी : अलबरूनी

(D) बलबन : मार्को पोलो

22. (D) बलबन : मार्कोपोलो सही सुमेलित नहीं है। वह पाण्ड्य शासकों के समय 1292 में भारत आया था।

1. देवराय द्वितीय : अब्दुर्रज्जाक
2. मु. बिन तुगलक : इब्न बतूता
3. महमूद गजनवी : अलबरूनी
4. बलबन : जबकि मार्कोपोलो एक इतावली यात्री था जिसने पांड्या साम्राज्य के समय भारत का दौरा किया था।

23. श्री सम्प्रदाय किस धर्म से सम्बन्धित है?

(A) शैवधर्म (B) वैष्णवधर्म

(C) बौद्धधर्म (D) जैनधर्म

23. (B)
- श्री सम्प्रदाय हिन्दू धर्म के अन्दर वैष्णव के चार सम्प्रदायों में से एक है। यह शास्त्रीय मत है जिसकी ऐसी मान्यता है कि, इसकी उत्पत्ति लक्ष्मीनाथ एवं श्रीमहालक्ष्मीजी की इच्छा से हुई है। श्री विष्णु जी श्रीनिवास हैं। इससे ज्ञात होता है कि महालक्ष्मी और श्री विष्णु एक ही हैं। इस सम्प्रदाय में श्री शब्द का प्रयोग किया गया है। यह शब्द श्रीदेवी और महालक्ष्मी के लिए आता है। श्रीदेवी भगवान विष्णु और मनुष्य के बीच मध्यस्थ हैं। महालक्ष्मी भक्त, भक्ति, भगवन्त, गुरु चारों को जोड़ती है। जीव को शरणागति कराकर तीनों दुःखों से मुक्ति कर देती हैं।
- भगवान शिव की पूजा करने वालों को शैव और इससे संबंधित धर्म को शैवधर्म कहा जाता है।
- बौद्ध धर्म भारत की श्रमण परम्परा से निकला ज्ञान धर्म और दर्शन है। ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में गौतम बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया गया।
- जैन धर्म भी श्रमण परम्परा के अनुसार जैन धर्म में 24 तीर्थंकर हैं जिनमें प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव तथा अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी हैं।

24. अकबर के शासनकाल में प्रचलित एक 'दाम' दशमलव मुद्रा में कितने पैसे के बराबर थी?

(A) 11/4 (B) 11/2

(C) 02 (D) 21/2

24. (A) अकबर द्वारा चलायी गयी ताँबे की मुद्रा 'दाम' थी, जिसे 'पैसा' या 'फलूस' भी कहा जाता था। इसकी तौल 323.5 ग्रेन होती थी। 40 दाम का 1 रुपया के बराबर होता था। ताँबे के सिक्कों में अधेला (आधा दाम), पावला (चौथाई दाम), और दमड़ी (आठवाँ भाग) नाम से भी सिक्के निकाले गये। दाम को जब पच्चीस भागों में विभक्त किया जाता था, तो इसे जीतल कहते थे।

25. मुगल साम्राज्य में 'मीर-ए-तुजुक' से तात्पर्य था—

(A) मुख्य सचिव

(B) मुख्य वित्त अधिकारी

(C) मुख्य न्यायाधीश

(D) पुलिस अधिकारी

25. (A) मीर-ए-तोजक (मीर-ए-तुजुक) से तात्पर्य मुख्य सचिव से था, यह सामान्य और सैनिक दोनों प्रशासन को देखता था।

26. निम्न घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

1. खुर्रम का विद्रोह
2. चौसा का युद्ध
3. धरमत का युद्ध
4. खुसरो को विद्रोह

(A) 1 2 3 4

(B) 4 3 2 1

(C) 4 1 3 2

(D) 2 4 1 3

26. (D)
- घटनाओं का सही कालानुक्रम इस प्रकार है—
- चौसा का युद्ध—खुसरो का विद्रोह—खुर्रम का विद्रोह—धरमत का युद्ध
- जहाँगीर के चार पुत्र अर्थात् खुसरो, परवेज, खुर्रम और शहरयार थे, उनमें से खुर्रम सबसे अधिक महत्वाकांक्षी था, उसने बिहार और बंगाल में स्वतंत्र संप्रभुता स्थापित करने की भी कोशिश की थी, जब उसने 1623-24 ईसवी में जहाँगीर के खिलाफ विद्रोह कर दिया था।
- चौसा की लड़ाई मुगल सम्राट हुमायूँ और अफगान, शेरशाह सूरी के बीच 26 जून, 1539 को हुई थी।
- धरमत की लड़ाई और औरंगजेब द्वारा उत्तराधिकार के मुगल युद्ध के दौरान अपने बड़े भाई दारा शिकोह के खिलाफ राजपूत शासक धरमत का युद्ध लड़ा था जिसमें औरंगजेब ने निर्णायक जीत हासिल की थी।
- खुसरो मिर्जा, जहाँगीर का ज्येष्ठ पुत्र था, उसने अपने पिता जहाँगीर के खिलाफ 1606 ईसवीं में विद्रोह कर दिया था।

27. अकबर के शासनकाल में उपज का कितना प्रतिशत भू-राजस्व के रूप में किसानों से लिया जाता था?

(A) $16\frac{2}{3}\%$ (B) 20%

(C) $33\frac{1}{3}\%$ (D) $49\frac{1}{9}\%$

27. (C) अकबर के शासनकल में उपज का $33\frac{1}{3}\%$ भू-राजस्व के रूप में किसानों से लिया जाता था।

28. 'पैवकी' शब्द से तात्पर्य था—

(A) मन्दिर (B) कर

(C) गाँवों का समूह (D) भूमि

28. (D) पैवकी शब्द से तात्पर्य भूमि था। मुगल काल में कर के आधार पर भूमि का विभाजन मुख्यतः 2 भागों में किया जाता था, जो केंद्रीय नियंत्रण में रहती थी। मुगल काल में जागीरों के हस्तांतरण एक आम प्रक्रिया बन गई थी। ऐसे हस्तांतरण के समय वह भूमि केन्द्र की देख-रेख में रहती थी और इसे पैवकी कहा जाता था।

29. निम्न में से किस कृति को उसके फारसी अनुवादकों द्वारा 'रज्मनामा' शीर्षक दिया गया?

(A) लीलावती (B) महाभारत

(C) रामायण (D) अथर्ववेद

29. (B) रज्मनामा हिन्दुओं के प्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत का फारसी भाषा में किया गया अनुवाद है। महाभारत का फारसी अनुवाद मुगल बादशाह अकबर के आदेश से नकीब खाँ और अब्दुल कादिर बदायूँनी ने 'रज्मनामा' नाम से किया था। रज्मनामा पाण्डुलिपि को मुगल चित्रकला के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है।

30. भारत में पुर्तगालियों द्वारा प्राप्त किये गये स्थानों को उनके वर्षों से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) कालीकट	1. 1522
(b) कन्ननोर	2. 1525
(c) धाबोल	3. 1500
(d) पोन्नानी	4. 1502

कूट :

	a	b	c	d
(A)	2	4	1	3
(B)	4	1	3	2
(C)	1	4	2	3
(D)	3	4	1	2

30. (D) पुर्तगालियों भारत पहुँचने के बाद सबसे पहले 1500 में कालीकट में बसे थे और यहीं उन्होंने कोठी स्थापित की थी, इसके बाद उन्होंने क्रमशः कन्नानोर (1502) धाबोल (1522) तथा पेन्नानी (1525) में कोठियाँ स्थापित की थीं।

31. निम्न में से किस स्थान को 1661 में पुर्तगाल द्वारा दहेज स्वरूप अंग्रेजों को दिया गया?

(A) गोवा (B) दमन

(C) बम्बई (D) क्विलोन

31. (C) पुर्तगालियों द्वारा वर्ष 1662 में इंग्लैण्ड के राजकुमार चार्ल्स–II को पुर्तगाल के राजा की बहन से शादी करने पर दहेज के रूप में भारतीय शहर बॉम्बे उपहार स्वरूप दिया गया था। पुर्तगाल की राजकुमारी ब्रैंगान्जा ऑफ कैथरीना का विवाह ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स–II से हुआ था। यह विवाह 1661 ई. में हुआ था।

32. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(A) ब्लैक होल—20 जून, 1756 ई.

(B) प्लासी का युद्ध–23 जून, 1757 ई.

(C) बक्सर का युद्ध—22 अक्टूबर, 1764 ई.

(D) देवगाँव की सन्धि—17 दिसम्बर, 1818 ई.

32. (D) देवगाँव की अथवा देवगढ़ की संधि 17 दिसम्बर, 1803 ई. को रघुजी भोंसले और अंग्रेजों के बीच हुई थी। द्वितीय मराठा युद्ध के दौरान आरगाँव की लड़ाई (नवम्बर, 1803) में अंग्रेजों ने रघुजी भोंसले को पराजित किया था, उसी के फलस्वरूप यह हुई। इस प्रकार विकल्प (D) सही सुमेलित नहीं है।

33. 'हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' पारित हुआ था–

(A) 24 जुलाई, 1856 को

(B) 25 जुलाई, 1856 को

(C) 26 जुलाई, 1856 को

(D) 28 जुलाई, 1856 को

33. (B) हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 25 जुलाई, 1856 को पारित किया गया था, इस अधिनियम के द्वारा विधवा पुनर्निवाह को कानूनी मान्यता मिली। इस अधिनियम को लॉर्ड डलहौजी द्वारा ड्राफ्ट किया गया था।

34. 1857 के विद्रोह के समय मुगल शासक कौन था?

(A) बहादुर शाह जफर

(B) मुहम्मद शाह रंगीला

(C) जहाँदार शाह

(D) शाह आलम II

34. (A)
- 1857 के विद्रोह के समय मुगल शासक बहादुरशाह जफर था।
- 24 अक्टूबर, 1775 को दिल्ली में आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का जन्म हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया था, बहादुर शाह जफर अपने पिता अकबर शाह II की मृत्यु के बाद गद्दी पर बैठा था। वह जफर नाम से कविता लिखता था। इसी कारण उसके नाम के पीछे वह जफर लगाता था।
- नसीरुद्दीन मुहम्मद शाह 1719 से 1748 तक मुगल बादशाह थे। इन्हें मोहम्मद शाह रंगीला के नाम से भी जाना जाता है। यह बड़े ही रंगीन मिजाज का व्यक्ति था। इसे नाच–गाने का बड़ा शौक था।
- जहाँदार शाह भी मुगल बादशाह था। इसने यहाँ 1712-1713 तक राज किया।
- शाह आलम द्वितीय जिसे अली गौहर भी कहा गया है, भारत का मुगल बादशाह रहा।

35. बिहार में 1857 के विद्रोह के नायक थे–

(A) तांत्या टोपे (B) नाना साहेब

(C) मंगल पांडे (D) कुँवर सिंह

35. (D)
- 1857 के विद्रोह के दौरान बाबू कुँवर सिंह बिहार में क्रांतिकारियों के नेता थे। 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान कुँवर सिंह एक प्रमुख विद्रोही नेता के रूप में उभरे थे।
- वह जगदीशपुर के परमार राजपूतों के उज्जैनिया कुल से जुड़े थे, जो वर्तमान में भोजपुर जिले, बिहार, भारत का एक हिस्सा है।
- तांत्या टोपे (16 फरवरी 1814-18 अप्रैल, 1859) भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के एक प्रमुख सेनानायक थे। उन्होंने ग्वालियर में विद्रोह का नेतृत्व किया था।
- नाना साहेब (19 मई, 1824, 24 सितम्बर, 1859) सन् 1857 के भारतीय स्वतन्त्रता के प्रथम संग्राम के शिल्पकार थे। उन्होंने कानपुर में विद्रोह का नेतृत्व किया था।
- मंगल पांडेय एक भारतीय विद्रोही सैनिक एवं स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में सर्वप्रथम विद्रोह की शुरुआत की थी।

36. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. श्रीरंगपट्टनम की सन्धि
2. सूरत की सन्धि
3. सालबाई की सन्धि
4. वसई (बेसीन) की सन्धि

कूट :

(A) 4, 1, 2, 3 (B) 2, 3, 1, 4

(C) 1, 2, 3, 4 (D) 4, 3, 2, 1

36. (B) घटनाओं का सही कालानुक्रम इस प्रकार है–2, 3, 1, 4

श्रीरंगपट्टनम की सन्धि मार्च 1792 ई. में हुई थी।

सूरत की सन्धि 1775 ई. में राघोवा (रघुनाथराव) और अंग्रेजों के बीच हुई।

सालबाई की सन्धि, मई 1782 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी और महादजी सिन्धिया के बीच हुई थी। बसई की सन्धि अथवा 'बसीन की सन्धि' 31 दिसम्बर, 1802 में, पूना (पुणे) के मराठा पेशवा बाजीराव द्वितीय और अंग्रेजों के मध्य हुई थी।

37. इनमें से किसने भारत में बेपटिस्ट, मिशनरियों की गतिविधियों को विनाशक माना है–

(A) बेंटिक (B) मेकॉले

(C) वेलेजली (D) हेस्टिंग्स

37. (C) लॉर्ड वेलेजली को भारत में वेपटिस्ट मिशनरियों की गतिविधियों का विनाशक माना जाता है। चूँकि ब्रिटेन में कैथोलिक और वैपटिस्ट के मध्य निरन्तर गतिरोध बना रहता था वे कभी-कभी आपस में युद्ध में उलझ जाते थे। वेलेजली स्वयं कैथोलिक था, इसलिए उसने भारत में बेपटिस्टों की गतिविधियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया था।

ईसाई मिशनरी, जिनका आधुनिक भारत पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। भारत के सुदूर दक्षिणी भागों में बहुत पहले से ही सीरियाई ईसाइयों की भारी संख्या में उपस्थिति इस बात की द्योतक है कि इस देश में सबसे पहले आने वाले ईसाई मिशनरी यूरोप के नहीं, सीरिया के थे, जो भी हो, राजा गोंडो फर्नीस (लगभग 28 से 48 ई.) से संत टामस का सम्बन्ध यह संकेत करता है कि ईसाई धर्म प्रचारकों का एक मिशन सम्भवतः प्रथम ईसवी के दौरान भारत आया था।

38. कौन-सा मैसूर युद्ध मंगलौर की सन्धि के साथ समाप्त हुआ?

(A) प्रथम (B) तृतीय

(C) चतुर्थ (D) द्वितीय

38. (D) मार्च 1784 में टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के साथ मंगलौर की सन्धि की और द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का अंत हुआ। भारत में अंग्रेजों और मैसूर के शासकों के बीच चार सैन्य मुठभेड़ हुई थीं। अंग्रेजों और हैदर अली तथा उसके पुत्र टीपू सुल्तान के बीच समय-समय पर युद्ध हुए। 32 वर्षों (1767 से 1799 ई.) के मध्य में युद्ध लड़े गए थे। युद्ध भारत के इतिहास में चार मैसूर युद्ध लड़े गये हैं, जो इस प्रकार से हैं–प्रथम युद्ध (1767-1769 ई.) द्वितीय युद्ध (1780-1784 ई.) तृतीय युद्ध (1790-1792 ई.) चतुर्थ युद्ध (1799 ई.)।

39. डलहौजी के पहले 'विलय का सिद्धांत' को किस राज्य पर लागू किया जा चुका था?

(A) मांडवी

(B) कोलाबा और जालौर

(C) सूरत

(D) उपर्युक्त सभी

39. (D) लॉर्ड डलहौजी से पूर्व लार्ड एल्गिन ने कोलाबा और जालौर, माण्डवी सूरत विलय सिद्धान्त के अन्तर्गत हड़प लिया था। यद्यपि लॉर्ड डलहौजी के व्यपगत/विलय सिद्धान्त के अन्तर्गत आने वाला प्रथम राज्य 1848 में सतारा था।

40. लंदन में 'ईस्ट इण्डिया एसोसिशन' की स्थापना की थी–

(A) बाल गंगाधर तिलक ने

(B) सुभाष चन्द्र बोस ने

(C) दादाभाई नौरोजी ने

(D) राजा राममोहन राय ने

40. (C)
- दादाभाई नौरोजी ने 1 अक्टूबर, 1866 को लंदन में ईस्ट इंडिया एसोसिशन की स्थापना की।
- इस संगठन का उद्देश्य भारतीयों के हितों के लिए कार्य करना था और ब्रिटिश जनता को भारत के बारे में सही जानकारी देना तथा ब्रिटिश प्रेस में भारतीय शिकायतों की आवाज उठाना है।
- यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पूर्ववर्ती राजनैतिक संगठन था।
- इसने जनरल ऑफ द ईस्ट इंडिया एसोसिएशन नामक अपनी पत्रिका का प्रकाशन भी किया था।

41. भारत की जनगणना 1891 में जनगणना आयुक्त थे–

(A) प्लोडन (B) बेन्स

(C) रिजले (D) गेट

41. (D)
- 1891 के भारत की जनगणना ब्रिटिश शासन द्वारा कराई गई थी जिसमें वर्तमान के भारत-पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा म्यांमार (बर्मा) देश शामिल हैं। जनगणना आयुक्त जेरोविस एथेलस्टेन बैनेस थे, जिन्हें बाद में भारत में उनके काम के लिए नाइट की उपाधि दी गयी।

42. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची–I	सूची–II
(a) 1854 ई.	1. शिक्षा पर सर चार्ल्स वुड का डिस्पैच
(b) 1882 ई.	2. सैडलर विश्वविद्यालय आयोग
(c) 1940 ई.	3. हंटर शिक्षा आयोग
(d) 1917 ई.	4. भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	3	4	2
(B)	1	4	3	2
(C)	4	2	1	3
(D)	4	1	2	3

42. (A)
- सूची I तथा सूची II का सही सुमेल इस प्रकार है।

  1854–चार्ल्स वुड का डिस्पैच

  1882–हंटर शिक्षा आयोग

  1904–भारतीय विश्व विद्यालय अधिनियम

  1907–सैडलर विश्व विद्यालय आयोग
- भारतीय शिक्षा के विषय में (1882) में एक कमीशन गठित किया जिसे "भारतीय शिक्षा आयोग" कहा गया। विलियम हंटर की अध्यक्षता में आयोग का गठन होने के कारण इसका नाम हण्टर कमीशन पड़ा।
- आयोग की सिफारिशों की रिपोर्ट के परिणामस्वरूप 1904 में भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया गया था।
- सैडलर आयोग का गठन 1917 में 'कलकत्ता विश्वविद्यालय' की समस्याओं के अध्ययन के लिए डॉक्टर एम.ई. सैडलर के नेतृत्व में किया गया था।
- वुड घोषणा पत्र बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल के प्रधान चार्ल्स वुड द्वारा 19 जुलाई, 1854 को जारी किया गया था। इस घोषणा पत्र में भारतीय शिक्षा पर एक व्यापक योजना प्रस्तुत की गई थी, जिसे वुड का डिस्पैच कहा गया।

43. दक्षिणेश्वर सम्बन्धित है–

(A) महर्षि दयानंद से

(B) रवीन्द्रनाथ टैगोर से

(C) रामकृष्ण परमहंस से

(D) अरबिन्दो से

43. (C) दक्षिणेश्वर रामकृष्ण परमहंस से सम्बन्धित है।

दक्षिणेश्वर काली मन्दिर उत्तर कोलकाता में, बैकरपुर में, विवेकानन्द सेतु के कोलकाता छोर के निकट, हुगली नदी के किनारे स्थित एक ऐतिहासिक हिन्दू मन्दिर है। यह मन्दिर, प्रख्यात दार्शनिक एवं धर्मगुरु, स्वामी रामकृष्ण परमहंस की कर्मभूमि रही है, जो कि बंगाली/हिन्दू नवजागरण के प्रमुख सूत्रधारों में से एक दार्शनिक, धर्मगुरु तथा रामकृष्ण मिशन के संस्थापक, स्वामी विवेकानन्द के गुरु थे।

44. इनमें से कौन 'देवबन्द स्कूल' से नहीं जुड़े हैं–

(A) शाह अब्दुल अजीज

(B) मो. कासिम वनातोवी

(C) रशीद अहमद गंगोही

(D) महमूद-उल-हसन

44. (A) शाह अब्दुल अजीज देवबन्द स्कूल से सम्बन्धित नहीं थे। देवबन्द स्कूल की स्थापना मुहम्मद कासिम ननौत्वी (1832-1880 ई.) एवं रशीद अहमद गंगोही (1828-1905 ई.) द्वारा की गई थी। इस स्कूल की शुरुआत 1866-1867 ई. में देवबन्द, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) से की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य मुस्लिम सम्प्रदाय के लिए धार्मिक नेता तैयार करना, विद्यालय के पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी शिक्षा एवं पश्चिमी संस्कृति को प्रतिबन्धित करना, मुस्लिम सम्प्रदाय का नैतिक एवं धार्मिक पुनरुद्धार करना तथा अंग्रेज सरकार के साथ असहयोग करना था। 1888 ई. में देवबन्द संस्था के उलेमाओं ने सर सैयद अहमद खाँ की संयुक्त भारतीय राजभक्त सभा एवं एंग्लो ओरिएण्टल सभा के खिलाफ फतवा जारी किया। इस संस्था के नेता

महमूद-उल-हसन ने संस्था के धार्मिक विचारों को राजनीतिक, बौद्धिक रंग देने का प्रयास किया। देवबन्द स्कूल के समर्थकों में शिबली नुमानी (1857-1914 ई.) जैसे फारसी और अरबी के प्रख्यात विद्वान और लेखक थे।

45. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदारवादी युग में 'भारतीय ग्लेडस्टोन' की उपाधि दी गई–

(A) गोपाल कृष्ण गोखले की

(B) दादाभाई नौरोजी को

(C) मोतीलाल नेहरू को

(D) फिरोज शाह मेहता को

45. (B) दादा भाई नौरोजी को 'भारतीय राजनीति का पितामह' कहा जाता है। वह दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद् और विचारक भी थे। श्री दादाभाई नौरोजी का शैक्षिक पक्ष अत्यन्त उज्जवल रहा। दादाभाई नौरोजी को कांग्रेस के उदारवादियों ने भारतीय ग्लैडस्टोन की उपाधि दी थी।

46. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए व इंगित कीजिए कि निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है।

(A) बी. जी. तिलक : गीता रहस्य

(B) अरविन्दो घोष : दि आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिट

(C) जे. एल. नेहरू : दि यूनिट ऑफ इण्डिया

(D) एस. सी. बोस : दि स्प्रिंगिंग टाइगर

46. (C) दि यूनिट ऑफ इण्डिया पुस्तक के लेखक सुनील खिलनानी हैं, जिन्होंने यह पुस्तक 1997 में लिखी थी। जवाहर लाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया है इस प्रकार विकल्प C सही सुमेलित नहीं है।

47. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(A) ऑल इण्डिया किसान सभा–महात्मा गांधी

(B) आत्मीय सभा–राजा राममोहन राय

(C) फॉरवर्ड ब्लॉक–सुभाष चन्द्र बोस

(D) रामकृष्ण मिशन–विवेकानंद

47. (A) ऑल इण्डिया किसान सभा की स्थापना महात्मा गांधी ने नहीं की थी।

अखिल भारतीय किसान सभा (AIKS) 1936 में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सहजानंद सरस्वती द्वारा गठित एक संस्था थी।

❖ सहजानंद सरस्वती ने 1929 में बिहार में जमींदारी प्रथा को समाप्त करने और किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच देने के लिए बिहार प्रांतीय किसान सभा (BPKS) का गठन किया था।

❖ 1935 में दक्षिण भारतीय किसान संघ और कृषि श्रम के एन. जी. रंगा और ई.एम.एस. नंबूदरीपाद ने एक अखिल भारतीय किसान संस्था बनाने का सुझाव दिया।

48. महात्मा गांधी के सम्बन्ध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

I. 1920 ई. में उन्होंने असहयोग आंदोलन आरम्भ किया।

II. उन्होंने ग्राम उद्योग संघ प्रारम्भ किया था।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) न तो 1 और न ही II

48. (C) अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ महात्मा गांधी ने एक अगस्त, 1920 को असहयोग आंदोलन शुरू किया था। अंग्रेजों द्वारा प्रस्तावित अन्यायपूर्ण कानूनों और कार्यों के विरोध में देशव्यापी अहिंसक आंदोलन था।

गांधीजी ने अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संघ की स्थापना 14-12-1934 को वर्धा में की थी।

अर्थात् विकल्प 1 और 2 दोनों गांधीजी के सम्बन्ध में सही हैं।

49. सुभाष चन्द्र बोस ने स्वाधीन भारत की अस्थायी सरकार के गठन की घोषणा की थी।

(A) 19 अक्टूबर, 1943 को

(B) 20 अक्टूबर, 1943 को

(C) 21 अक्टूबर, 1943 को

(D) 24 अक्टूबर, 1943 को

49. (C) 21 अक्टूबर 1943 को आजादी के इतिहास में एक स्वर्णिम दिन भी माना जाता है, क्योंकि इस दिन सिंगापुर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार की घोषणा की थी। अस्थायी सरकार का कार्य होगा कि वह भारत से अंग्रेजों और उनके मित्रों को निष्कासित करे।

50. 1947 में भारत-विभाजन के बाद किसे संयुक्त रक्षा समिति जिसे सैनिक कर्मचारियों हथियारों व युद्ध सामग्रियों के विभाजन की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी, का सर्वोच्च सेनापति बनाया गया?

(A) रेडक्लिफ (B) माउन्टबेटन

(C) इस्मे (D) ऑचिनलेक

50. (A) 1947 में भारत विभाजन के बाद रेडक्लिफ को संयुक्त रक्षा समिति जिसे सैनिक कर्मचारियों हथियारों और युद्ध सामग्रियों के विभाजन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी का सर्वोच्च सेनापति बनाया गया था।

4 जुलाई, 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पेश किया गया जिसके अनुसार 15 अगस्त, 1947 को भारत दो अधिराज्यों में विभाजित हो गया, दोनों उपनिवेशों की संविधानसभा को ब्रिटिश सरकार ने सत्ता सौंप दी और जब तक संविधान का निर्माण नहीं हुआ तब तक 1935 के भारत सरकार अधिनियम के अनुसार उपनिवेशों का शासन चला तथा संविधान सभाएँ विधानमंडल के रूप में कार्य करती रहीं, पंजाब और बंगाल में सीमा निर्धारण का कार्य सीमा आयोग के हवाले कर दिया गया जिसकी अध्यक्षता रेडक्लिफ ने की, इस प्रकार माउंटबेटन योजना के द्वारा भारत का विभाजन हुआ और स्वतंत्रता अधिनियम के द्वारा आजादी मिली।

51. इनमें से किन्हें भारत के प्रागैतिहास आरम्भ करने का श्रेय दिया जाता है?

(A) कॉमियाडे

(B) रॉबर्ट ब्रूस फूट

(C) एच. डी. संकालिया

(D) डी टेरा

51. (B) भारत में पुरापाषाण संस्कृति के आरम्भ करने का श्रेय रॉबर्ट ब्रूस फ्रूट को दिया जाता है। पुरापाषाण काल की अनुमानित समय अवधि 10 लाख से 10 हजार ईसा पूर्व है। इस दौरान मानव की आरंभिक गतिविधियाँ शुरू हुईं, भारत में इसके साक्ष्य सोहन, बेलन व नर्मदा घाटी से प्राप्त हुए हैं।

52. हड्डी की मातृदेवी मूर्ति प्राप्त हुई है–

(A) विंध्य घाटी के निम्न पूर्वपाषाण काल से

(B) सोन घाटी के मध्य पूर्वपाषाण काल से

(C) बागोर के मध्य पाषाण काल से

(D) विन्ध्य घाटी के उच्च पूर्वपाषाण काल से

52. (D) उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (प्रयागराज) जिले की मेजा तहसील में बेलन घाटी के क्षेत्र में स्थित लोहदा नाम के तृतीय वॉल के अपरदित जमाव से हड्डी की बनी हुई मातृदेवी की एक मूर्ति मिली है। भारत में उच्च पुरापाषाण काल के भूतात्विक स्तर से प्राप्त यह एकमात्र मूर्ति है। कतिपय पुराविद इसे हारपून कहते हैं।

53. धौलावीरा के निम्नवत प्रथम चरण का जमाव किस संस्कृति से सम्बन्धित है?

(A) नवपाषणिक संस्कृति

(B) प्राक्-हड़प्पा ग्रामीण संस्कृति

(C) विकसित हड़प्पा संस्कृति

(D) उत्तरवर्ती हड़प्पा संस्कृति

53. (C) धौलावीरा प्रथम चरण का जमाव विकसित हड़प्पा संस्कृति से सम्बन्धित है।

धौलावीरा गुजरात में कच्छ प्रदेश के उत्तरीय विभाग खडीर में स्थित एक ऐतिहासिक स्थान है, जो पाँच हजार साल पहले विश्व का यह प्राचीन महानगर था। हड़प्पा सभ्यता के पुरास्थलों में एक नवीन कड़ी के रूप में जुड़ने वाला पुरास्थल धौलावीरा कच्छ के रण के मध्य स्थित द्वीप खडीर में स्थित है। इस द्वीप के समीप ही सुर्खाव–शहर स्थित है। धौलावीरा गाँव 'खडीर द्वीप' की उत्तरी-पश्चिमी सीमा पर बसा है। धौलावीरा पुरास्थल की खुदाई में मिले अवशेषों का प्रसार 'मनहर' एवं 'मानसर' नामक नालों के बीच में हुआ था। धौलावीरा नामक हड़प्पा संस्कृति वाले इस नगर की योजना समानांतर चतुर्भुज के रूप में की गयी थी। इस नगर की लम्बाई पूरब से पश्चिम की ओर है।

54. किस पुरास्थल के दुर्ग में 'सात अग्नि कुण्ड' प्राप्त हुए हैं?

(A) हड़प्पा (B) मोहनजोदड़ो

(C) लोथल (D) कालीबंगा

54. (D) कालीबंगा पुरास्थल के दुर्ग में सात अग्नि कुण्ड प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल है। यहाँ सिंधु घाटी सभ्यता के महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं। कालीबंगा एक छोटा नगर था। यह घग्घर नदी के तट पर स्थित है।

55. निम्न हड़प्पीय स्थलों में से किनमें चावल की खेती के प्रमाण मिले हैं? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

I. कालीबंगा

II. लोथल

III. मोहनजोदड़ो

IV. सुरकोटदा

कूट :

(A) I और II (B) I और III

(C) II और III (D) III और IV

55. (A)
- चावल की खेती के प्रमाण लोथल से प्राप्त हुए हैं।
- लोथल साबरमती नदी और उसकी सहायक नदी भोगवा के बीच स्थित है। राजस्थान का कालीबंगन, सिंधु, घाटी सभ्यता का एक प्रमुख पुरास्थल है। कालीबंगन जो अग्नि वेदियों और "दुनिया के सबसे पुराने अनुप्रमाणित क्षेत्र" से प्रतिष्ठित है।
- यह 2900 ईसा पूर्व के आसपास है कि कालीबंगन का क्षेत्र एक नियोजित शहर माना जा सकता है।
- इस प्रकार प्रश्न में दिए गए विकल्पों में से विकल्प I और II सही हैं।

56. बूचड़खाना क्षेत्र का साक्ष्य प्राप्त हुआ है?

(A) महदहा से (B) चोपनी माण्डो से

(C) दमदमा से (D) सराय नाहर राय से

56. (D) सराय नाहर क्षेत्र से बूचड़ खाने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। सराय नाहर राय उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद में स्थित एक मध्य पाषाण काल पुरास्थल है। यहाँ से बूचड़ खाने के अलावा मानव समाधियाँ तथा गर्त चूले के प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं।

57. हड़प्पा संस्कृति की पूर्वी सीमा थी–

(A) रोपड़ (B) संघोल

(C) आलमगीरपुर (D) राखीगढ़ी

57. (C) हड़प्पा संस्कृति की सबसे पूर्वी सीमा आलमगीरपुर (मेठर उत्तर प्रदेश) सबसे पश्चिमी सीमा सत्कनाडोर (बलूचिस्तान) सबसे उत्तरी सीमा माण्डा (जम्मू-कश्मीर) तथा सबसे दक्षिणी सीमा दायमाबाद (महाराष्ट्र) है।

58. ऋग्वेद के किस मण्डल में 'गायत्री मन्त्र' लिखा गया है?

(A) चतुर्थ (B) द्वितीय

(C) तृतीय (D) प्रथम

58. (C) गायत्री मंत्र ऋग्वेद के तीसरे मंडल में है। इस में कुल 62 सूक्त हैं, जो इंद्रदेव और अग्निदेव को समर्पित हैं। इसकी रचना महर्षि विश्वामित्र ने की।

59. नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का प्राचीन उल्लेख प्राप्त होता है–

(A) तैत्तिरीय आरण्यक से

(B) महाभारत से

(C) पतंजलि के महाभाष्य से

(D) बौधायन धर्मसूत्र से

59. (D) बोधायन धर्म सूत्र से नारायण के साथ विष्णु के तादात्म्य का प्राचीनतम उल्लेख प्राप्त होता है।

पौराणिक धर्म में नारायण–विष्णु तथा उनके विशिष्ट अवतारों की उपासना एवं भक्ति प्रमुख है। महाकाव्य एवं पुराण ग्रंथों में नारायण तथा विष्णु में कोई भेद नहीं है किंतु पुराण–धर्म के आदि स्वरूप में विष्णु की अपेक्षा नारायण की प्रमुखता थी। महाभारत में भी उपास्य देव को प्रायः नारायण नाम से पुकारा जाता है।

विष्णु नाम अपेक्षाकृत बहुत कम है। विष्णु एवं नारायण के तादात्म्य का प्रारम्भिक संकेत बोधायन धर्मसूत्र से प्राप्त होता है। मनुस्मृति के अनुसार 'नाराः' का अर्थ है जल और परमात्मा का प्रथम निवास जल है। इस कारण परमात्मा नारायण कहे जाते हैं। नारायण नाम का सर्वप्रथम उल्लेख शतपथ ब्राह्मण में हुआ है।

60. इनमें से कौन वैदिक सूर्य देवता नहीं थे?

(A) सावित्री (B) विष्णु उरुक्रम

(C) विश्वकर्मा (D) सविता

60. (B) विष्णु उरुक्रम सूर्य देवता नहीं थे, बल्कि वे विष्णु के अवतार थे। वैदिक और पौराणिक आख्यानों के अनुसार भगवान **सूर्य देवता** समस्त जीव-जगत के आत्मस्वरूप हैं। भगवान सूर्य की उपासना बारह महीनों में बारह नामों से होती है। उस समय उनके पार्षद भी परिवर्तित हो जाते हैं। इन पार्षदों में ऋषि, अप्सराएँ, गन्धर्व, राक्षस, भल्ल और नाग हैं। ऋषि रथ से आगे चलते हुए भगवान की स्तुति करते हैं। सूरा देवता के विभिन्न नाम हैं जो इस प्रकार सरिता, सावित्री, विश्वकर्मा, प्रभाकर, पूषा आदि।

नागरिकशास्त्र (Civics)

1. भारत का संविधान भारत को निम्नलिखित में से क्या घोषित करता है?

(A) एकस्वैच्छिक संघ

(B) एकपरिसंघ

(C) राज्यों का एक यूनियन (समूह)

(D) एक संघ

1. (C) भारत का संविधान भारत को राज्यों का संघ (यूनियन) घोषित करता है। भारत, राज्यों का एक संघ, एक संसदीय धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य है। संविधान में अनुच्छेद 1 में कहा जाता है, कि इंडिया, अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ होगा।

2. भारत का संविधान निम्नलिखित में से किसको अविशिष्ट शक्तियाँ देता है?
(A) राज्यों को
(B) केंद्र को
(C) केन्द्र तथा राज्य दोनों को
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. (B) संविधान द्वारा अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र सरकार को दी गई हैं, जो शक्तियाँ केन्द्र या राज्य के पास नहीं होती हैं, अवशिष्ट शक्तियाँ कहलाती हैं, अर्थात् केंद्र सूची या राज्य सूची में उल्लिखित नहीं हैं। वे सभी अवशिष्ट नियंत्रण की तीन सूचियाँ संघ सूची राज्यसूची और समवर्ती सूची हैं। ये शक्तियाँ राज्य या संघीय सरकार के वैधानिक अधिकार के अंतर्गत नहीं आती हैं।

3. संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष कौन था?
(A) एन.जी. आयंगर (B) के.एम. मुंशी
(C) डी.पी. खेतान (D) बी.आर. अम्बेडकर

3. (D) संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष बी. आर. अम्बेडकर थे। 11 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को इसका स्थायी अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने कई समितियों का गठन किया था, जिसमें प्रारूप समिति भी शामिल थी। डॉ. भीमराव आम्बेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। भारत के संविधान को तैयार करने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसलिए उनको भारतीय संविधान का जनक भी माना जाता है।

4. भारत की संविधान निर्मात्री सभा का कानूनी सलाहकार कौन था?
(A) एच.एन. कुंजरू
(B) बी.एन. राव
(C) सच्चिदानन्द सिन्हा
(D) बी.आर. अम्बेडकर

4. (B) बी.एन. राव संविधान निर्मात्री सभा के कानूनी सलाहकार थे। बेनेगल नर. सिम्हा राव एक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश रहे थे। इन्हें भारतीय संविधान के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। सच्चिदानन्द सिन्हा संविधान सभा के अस्थाई अध्यक्ष तथा एच. एन. कुंजरु संविधान सभा के सदस्य तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।

5. गोपाल कृष्ण गोखले किस वर्ष अखिल–भारतीय काँग्रेस समिति के अध्यक्ष बने थे?
(A) 1897 (B) 1905
(C) 1907 (D) 1912

5. (B) गोपाल कृष्ण गोखले 1905 में अखिल भारतीय काँग्रेस समिति के अध्यक्ष बने थे। इस अधिवेशन का आयोजन बनारस में हुआ था। वर्ष 1884 में एल्फिंस्टन कॉलेज बम्बई (वर्तमान मुम्बई) से स्नातक की उपाधि ग्रहण करने के बाद गोपाल कृष्ण गोखले का नाम उस भारतीय पीढ़ी में शामिल हो गया। जिसने पहली बार विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा प्राप्त की थी। वर्ष 1905 में गोपाल कृष्ण गोखले राजनैतिक रूप से चरम पर थे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

	मौलिक अधिकार	अनुच्छेद
(A)	समानता का अधिकार	: 14 – 18
(B)	धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार	: 23 – 24
(C)	संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार	: 29 – 30
(D)	स्वतन्त्रता का अधिकार	: 19 – 22

6. (B) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद (25-28) दिये गये हैं, कि अनुच्छेद (23-24 तक) में भारत का संविधान छः मौलिक अधिकार प्रदान करता है। जिसका विवरण इस प्रकार है।
- समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
- स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
- संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
- संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

7. एक अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना की जा सकती है?
(A) राष्ट्रपति द्वारा
(B) संसद द्वारा
(C) राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा
(D) क्षेत्रीय परिषद् द्वारा

7. (A) अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। केन्द्र सरकार ने केन्द्र और राज्यों के बीच सम्बन्धों की समीक्षा करने के लिये न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में, वर्ष 1988 में एक आयोग गठित किया था। सरकारिया आयोग ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 263 में परिभाषित अधिदेश के अनुसरण में एक स्वतंत्र राष्ट्रीय फोरम के रूप में अंतर्राज्यीय परिषद् स्थापित किये जाने की सिफारिश की थी। संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा अंतर्राज्य परिषद् की स्थापना जून 1990 में की गई जिसकी पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 को हुई थी।

8. भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियाँ हैं?
(A) 9 (B) 10
(C) 11 (D) 12

8. (D) वर्तमान में भारतीय संविधान में 12 अनुसूचियाँ हैं तथा 25 भाग हैं। स्मरण रहे कि भारत के मूल संविधान में 8 अनुसूची 18 भाग और 395 अनुच्छेद थे।

9. पंचायती राज से संबंधित निम्नलिखित समितियों पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए।
(1) अशोक मेहता समिति
(2) बलवंत राय मेहता समिति
(3) एल.एम. सिंघवी समिति
(4) थुंगन समिति
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए।
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 3, 4
(C) 3, 2, 1, 4
(D) 4, 3, 2, 1

9. (B) पंचायती राज से संबंधित समितियों का सही काल क्रमानुसार इस प्रकार है–
(1) बलवंत राय मेहता समिति 1957
(2) अशोक मेहता समिति 1977
(3) एल.एम. सिंघवी समिति 1986
(4) पी.के. थुंगन समिति 1988
स्मरण रहे इन समितियों के अलावा जी.वी.के. राव की अध्यक्षता में 1985 में पंचायतीराज समिति का गठन किया गया था।

10. पंचायत चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है?
(A) केन्द्र सरकार (B) राज्य सरकार
(C) चुनाव आयोग (D) जिला न्यायाधीश

10. (B) राज्य सरकार पंचायत चुनाव कराने का निर्णय लेती हैं। राज्य निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार पंचायत चुनावों के प्रबंधन का पूर्ण और एकमात्र अधिकार रखता है।
अतः सही उत्तर राज्य सरकार है।

11. 'लूट पद्धति' निम्नलिखित में से किसका दूसरा नाम है?
(A) अभिभावक नौकरशाही
(B) जातीय नौकरशाही
(C) संरक्षक नौकरशाही
(D) बोग्यता–आधारित नौकरशाही

11. (C) लूट पद्धति संरक्षक नौकरशाही का दूसरा नाम है।

संरक्षक नौकरशाही : नौकरशाही का वह स्वरूप, जहाँ भर्ती, योग्यता तथा प्रतिभा के स्थान पर राजनैतिक दल या सरकार के दबाव में होती हो। इसी कारण इस पद्धति को लूट–प्रथा भी कहा जाता है। यह प्रथा आज भी अमेरिका में प्रचलित है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अभी भी हजारों पदों पर राष्ट्रपति अपने कृपा पात्रों तथा राजनैतिक समर्थकों को नियुक्त करता है।

अभिभावक नौकरशाही : इस प्रकार की नौकरशाही को राजनीतिक लाभ पर आधारित माना जाता है। चुनाव में विजयी राजनीतिज्ञ अपने समर्थकों को उच्च राजनीतिक व प्रशासनिक पदों पर नियुक्त करके प्राश्रय नौकरशाही को जन्म देते हैं। इस नौकरशाही में नियुक्ति का आधार योग्यता की बजाय राजनीतिक सम्बन्ध या हस्तक्षेप होते हैं।

जातीय नौकरशाही : यह नौकरशाही जातीय पद-क्रम पर आधारित होती है। इस नौकरशाही का जन्म तब होता है। जब प्रशासकीय तथा सत्ता शक्ति एक ही वर्ग/जाति के हाथों में होती है। इस प्रकार की नौकरशाही में वे व्यक्ति ही उच्च प्रशासनिक पदों को प्राप्त करते हैं। जो उस जाति या शासक-वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं।

योग्यता–प्रणाली : नौकरशाही में प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों का चयन योग्यता के आधार पर होता है, सिफारिश के आधार पर नहीं। उनकी नियुक्ति के लिए निश्चित योग्यताएँ रखी जाती हैं और प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्ति की जाती है।

12. 1985 में भारतीय प्रधानमंत्री ने एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया?
(A) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन
(B) दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन
(C) बंगाल की खाड़ी का आर्थिक सहयोग संघ
(D) उपर्युक्त सभी

12. (A) 1985 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमन्त्री राजीव गांधी ने एशिया में सार्क संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (South Asian Association for Regional Cooperation-SAARC) की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को ढाका (बांग्लादेश) में हुई थी। 'सार्क' संगठन का अंग्रेजी नाम साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन है, 8 दिसंबर, 1985 को बने इस संगठन का उद्देश्य दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग से शांति और प्रगति हासिल करना है, सार्क के सात सदस्य देश हैं, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव।

13. इनमें से कोई निर्गुट आंदोलन का संस्थापक नेता नहीं है?
(A) पं. नेहरू (B) कर्नल नासिर
(C) मार्शल टीटो (D) कर्नल गद्दाफी

13. (D) कर्नल गद्दाफी गुट निरपेक्ष आन्दोलन के संस्थापक नेता नहीं थे। कर्नल गद्दाफी कीबिया का तानाशाह शासक था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक जवाहरलाल नेहरू, जोसिप ब्रोज टीटो और गमाल अब्देल नासिर थे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (The Non-Aligned Movement : NAM) तृतीय विश्व के राष्ट्रों का संगठन है। महाशक्तियों की सत्ता से दूर रखकर एक वैकल्पिक व्यवस्था बनाना इसका मूल उद्देश्य था। इस संगठन का मूल आधार 'पंचशील' है, जो भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा बांडुंग '(इंडोनेशिया) में अप्रैल 1955 के सम्मेलन में घोषित किया गया था। इसकी स्थापना सितंबर, 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में हुई। भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति टीटो, मिस्र के राष्ट्रपति नासिर इसके मुख्य संस्थापक थे।

14. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 50 (B) अनुच्छेद 51
(C) अनुच्छेद 52 (D) अनुच्छेद 53

14. (B) **अनुच्छेद 51** अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों से सम्बन्धित है, इसमें अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा में अभिवृद्धि के विकास का उल्लेख है।

इस अनुच्छेद के मुख्य प्रावधान इस प्रकार हैं।

(i) अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का,
(ii) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का,
(iii) संगठित लोगों के एक–दूसरे से व्यवहारों में अंतर्राष्ट्रीय विधि और सन्धि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का, और
(iv) अंतर्राष्ट्रीय विवादों के माध्यस्थम् द्वारा निपटारे के लिए प्रोत्साहन देने का, प्रयास करेगा।

अनुच्छेद 50 के अनुसार, राज्य को न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं में न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक् करना है, अब कानून बनाकर इस उद्देश्य को प्राप्त कर लिया गया है।

अनुच्छेद 52 राष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 53 संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी। जिसका प्रयोग वह प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद् की सलाह के अनुसार करेगा। अनुच्छेद 54 राष्ट्रपति का निर्वाचक मण्डल इसमें संसद और विधानसंभाओं के निर्वाचित सदस्य भाग लेते हैं।

अनुच्छेद 53 संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह इसका प्रयोग संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय विदेश नीति में पंचशील का सिद्धान्त नहीं है?
(A) अनाक्रमण
(B) अहस्तक्षेप
(C) शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व
(D) यथार्थवाद

15. (D) यथार्थवाद पंचशील का सिद्धान्त नहीं है। 'पंचशील' के पाँच सिद्धांतों का प्रतिपालन भी भारत की शांतिप्रियता का द्योतक है। 1954 के बाद से भारत की विदेश नीति को 'पंचशील' के सिद्धांतों ने एक नई दिशा प्रदान की। पंचशील से अभिप्राय है।

आचरण के पाँच सिद्धांत।

- एक-दूसरे की प्रादेशिक अखण्डता और सर्वोच्च सत्ता के लिए पारस्परिक सम्मान की भावना।
- अनाक्रमण
- एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।
- समानता एवं पारस्परिक लाभ, तथा
- शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व

16. 'उदारवाद का जनक किसे कहा जाता है।
(A) टी.एच. ग्रीन (B) हीगेल
(C) कार्ल मार्स्स (D) जॉन लॉक

16. (D) जॉन-लॉक को उदारवाद का जनक माना जाता है। आरंभिक उन्नायकों में एडम स्मिथ और जेरमी बेंथम के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। हीगल उग्र आदर्शवाद का जन्मदाता माना जाता है। कार्ल मार्क्स की साम्यवादी विचार धारा ही मार्क्सवादी विचारधारा के नाम से जानी जाती है। मार्क्स एक समाजवादी विचारक थे और यथार्थ पर आधारित समाजवादी विचारक

के रूप में जाने जाते हैं। आदर्शवादी विचारक ग्रीन का राजदर्शन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है।

17. ''स्वतन्त्रता अति–शासन का विरोधी है।'' यह किसने कहा?
(A) लास्की (B) लॉक
(C) शीले (D) जे.एस. मिल

17. (C) ''स्वतंत्रता अति शासन की विरोधी है'' यह शीले द्वारा कहा गया था। प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक शीले ने कहा था। कि स्वतंत्रता अति शासन की विरोधी है। स्वतंत्रतावादी विचारक स्वतंत्रता और राजनीतिक स्वतंत्रता को अधिकतम महत्व देते हैं तथा वे मुक्त संघ, स्वतंत्रता, व्यक्तिवाद और स्वैच्छिक संघ पर जोर देते हैं। स्वतंत्रतावादी सत्ता और राज्य शक्ति के बारे में संदेह प्रकट करते हैं, लेकिन कुछ उदारवादी वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के विरोध से प्रायः दूर ही रहते हैं।

18. सम्प्रभुता की अवधारणा निम्नलिखित में से मुख्यतः क्या है?
(A) राजनीतिक
(B) वैधानिक
(C) दार्शनिक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. (B) सम्प्रभुता की अवधारणा मुख्यतः वैधानिक है। सम्प्रभुता से तात्पर्य राज्य की उस शक्ति से है, जिसके कारण राज्य अपनी सीमाओं के अंतर्गत नागरिक हितों के अनुकूल कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है। राज्य के अंदर कोई भी व्यक्ति अथवा समुदाय राज्य के ऊपर नही है। बाहरी दृष्टि से संप्रभुता का अर्थ है, राज्य किसी बाहरी सत्ता के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष नियंत्रण से स्वतंत्र होता है।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा सम्प्रभुता की विशेषता /विशेषताएँ है/हैं?
(1) स्थावित्व
(2) सार्वभौमिकता
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(A) केवल (1)
(B) केवल (2)
(C) (1) तथा (2) दोनों
(D) न तो (1), नही (2)

19. (C) स्थायित्व एवं सार्वभौमिकता दोनों सम्प्रभुता की विशेषताएँ हैं।
- **स्थायित्व :** सम्प्रभुता कुछ समय के लिए रहती है और कुछ समय के लिए नही रहती ऐसा नही होता। राज्य की सम्प्रभुता में स्थायित्व होता है। प्रजातांत्रिक राज्यों में सरकार के बदलने से सम्प्रभुता पर कोई अंतर नहीं आता, क्योंकि संप्रभुता राज्य का गुण है, सरकार का नहीं। सम्प्रभुता के अंत का अभिप्राय राज्य के अंत से होता है।
- सार्वभौमिकता का अर्थ होता है, सभी एक सत्ता और विधि के अधीन हैं। किसी भी देश की समस्त शक्ति एवं मानव समुदाय सार्वभौमिक सत्ता के अधीन होते हैं। कोई भी व्यक्ति इसके नियंत्रण से मुक्त होने का दावा नहीं कर सकता। यद्यपि राज्य अपनी इच्छा से किसी व्यक्ति विशेष को कुछ विशेष अधिकार प्रदान कर सकता है अथवा किसी अधीनस्थ क्षेत्र को स्वायत्त-शासन का अधिकार दे सकता है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सी संसदात्मक शासन की विशेषता नहीं है?
(A) नाममात्र का अध्यक्ष
(B) कार्यपालिका का निश्चित् कार्यकाल
(C) व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका के बीच घनिष्ठ संबंध
(D) सामूहिक उत्तरदायित्व

20. (B) नाममात्र का अध्यक्ष संसदात्मक शासन की विशेषता नही हैं।
संसदात्मक शासन प्रणाली उस शासन प्रणाली को कहते हैं, जिसमें कार्यपालिका का प्रधान लोकतान्त्रिक व्यवस्था द्वारा निर्वाचित प्रधानमंत्री होता है। उसी में वास्तविक कार्य पालिका शक्ति होती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्य पालिका संसद के प्रति उत्तरदायी होती है।

21. फासीवाद के संबंध में सही युग्म की पहचान कीजिए।
(A) इटली-मुसोलिनी (B) जर्मनी-मुसोलिनी
(C) इटली-हिटलर (D) जर्मनी-हिटलर

21. (A) फांसीवाद के सम्बन्ध में सही युग्म इटली-मुसोलिनी है।
फासीवाद शब्द Fascism का हिंदी अर्थ है और Fascism शब्द इटालियन भाषा के Fascia से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है, लकड़ी का गट्ठर और कुल्हाड़ी। जिसमें लकड़ी का गट्ठर एकता का प्रतीक है, और कुल्हाड़ी शक्ति का प्रतीक है। फासीवाद एक सिद्धांत के रूप में बहुत कम तथा शासन के व्यावहारिक रूप में बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। फासीवाद या फासिस्टवाद (फासिज्म) इटली में बेनितो मुसोलिनी द्वारा संचालित ''फासिओ डि कंबैटिमेंटों'' का राजनीतिक आंदोलन था। जो मार्च, 1919 में प्रारंभ हुआ था।

22. इन विचारकों में से कौन प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धान्त से संबंधित है?
(A) लॉक (B) बेन्धम
(C) ग्रीन (D) मार्क्स

22. (A) लॉक ने सम्पत्ति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना है। अपनी रचना 'द्वितीय निबन्ध' में लॉक ने इस अधिकार की व्याख्या की है। लॉक ने इस अधिकार को जीवन तथा स्वतन्त्रता के अधिकार से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। लॉक ने सम्पत्ति के अधिकार का प्रतिपादन किया था।

23. इनमें से कौन वैज्ञानिक समाजवाद का प्रतिपादक है?
(A) जे.एस. मिल
(B) कार्ल मार्क्स
(C) लास्की
(D) इनमें से कोई नहीं

23. (B) कार्ल मार्क्स को वैज्ञानिक समाजवाद का प्रतिपादक माना जाता है। फ्रेडरिक इंगेल्स ने कार्ल मार्क्स द्वारा प्रतिपादित सामाजिक –आर्थिक–राजनैतिक सिद्धान्त को वैज्ञानिक समाजवाद (Scientific Socialism) का नाम दिया। मार्क्स ने यद्यपि कभी भी वैज्ञानिक समाजवाद शब्द का प्रयोग नहीं किया। यद्यपि उन्होंने यूटोपियन समाजवाद की आलोचना की। मार्क्स को वैज्ञानिक समाजवाद का प्रणेता माना जाता है।

24. ''कानून उच्च द्वारा निम्न को दिया गया आदेश है'' किसने कहा?
(A) बोडिन (B) हॉब्स
(C) ओस्टिन (D) बेन्धम

24. (C) जॉन ऑस्टिन के अनुसार ''कानून उच्चतर द्वारा निम्नतर को दिया गया आदेश है।'' या ''कानून सम्प्रभु की आज्ञा (आदेश) है।'' ऑस्टिन के कानून को इस परिभाषा में तीन तत्त्व निहित हैं–(i) सम्प्रभुता (ii) आदेश (समादेश) (iii) शास्ति–अर्थात् सम्प्रभु के आदेश की अवहेलना करने वाले को दण्ड।

25. ''राजनीतिक स्वतन्त्रता, आर्थिक समानता के बिना एक कल्पना है।'' यह किसने कहा?
(A) जे.एस. मिल (B) टी.एच. ग्रीन
(C) लास्की (D) जी.डी.एच. कोल

25. (D) जी.डी.एच. कोल का कथन है, कि 'आर्थिक समानता के अभाव में राजनीति स्वतंत्रता केवल एक कल्पना भ्रम (Myth) है।' लॉस्की ने भी लगभग इसी प्रकार का मत व्यक्त किया था कि आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता कभी भी वास्तविक नहीं हो सकती।

26. राज्य की उत्पत्ति का सबसे प्राचीन सिद्धान्त कौन-सा है?
(A) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त
(B) शक्ति सिद्धान्त
(C) सामाजिक समझौता सिद्धान्त
(D) विकासवादी सिद्धान्त

26. (A) **राज्य की उत्पत्ति** का दैवीय सिद्धान्त सबसे प्राचीनतम सिद्धान्त है, जिसके अनुसार यह माना जाता है, कि राज्य की स्थापना ईश्वर द्वारा हुई। यहूदी धर्म-ग्रन्थों में उल्लेख है, कि ईश्वर ने स्वयं आकर राज्य स्थापित किया। अन्य धर्मग्रन्थों के अनुसार ईश्वर ने किसी दैवीय पुरुष को प्रेषित कर राज्य की रचना की तथा वह अपने प्रतिनिधि के माध्यम से शासन चलाता है।
शक्ति सिद्धांत के अनुसार, राज्य एक ईश्वरीय संस्था नहीं वरन् एक मानवीय संस्था है, जिसकी उत्पत्ति बल प्रयोग के आधार पर हुई है। बल प्रयोग ही राज्य की उत्पत्ति का कारण और वर्तमान समय में राज्य के अस्तित्व का आधार है।
राज्य की उत्पत्ति के संबंध में **सामाजिक समझौता सिद्धांत** बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। 17वीं और 18वीं सदी की राजनीतिक विचार धारा में तो इस सिद्धांत की पूर्ण प्रधानता थी। इस सिद्धांत के अनुसार राज्य दैवीय न होकर एक मानवीय संस्था है, जिसका निर्माण व्यक्तियों द्वारा पारस्परिक समझौते के आधार पर किया गया है।
आधुनिक समय में राज्य की उत्पत्ति का सर्वमान्य सिद्धांत ऐतिहासिक अथवा विकासवादी सिद्धांत है। इस सिद्धान्त के अनुसार राज्य न तो ईश्वरीय कृति है, न शक्ति या युद्ध से उत्पन्न हुआ है और न ही व्यक्तियों के मध्य परस्पर समझौते का परिणाम है। इस सिद्धान्त के अनुसार राज्य कृत्रिम संस्था नहीं, वरन् अनिवार्य प्राकृतिक समुदाय है।

27. किसी राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व कौन-सा है?
(A) जनसंख्या (B) भू-भाग
(C) सरकार (D) सम्प्रभुता

27. (D) किसी राज्य का सबसे महत्त्वपूर्ण तत्त्व सम्प्रभुता है। सम्प्रभुता का तात्पर्य किसी भी शक्ति के अधीन न होना है। एक राज्य तभी राज्य बनता है, जब उसमें प्रश्नगत सभी तत्त्व होते हैं। इन चार तत्त्वों में से, सम्प्रभुता को राज्य के सबसे महत्वपूर्ण और अनन्य तत्त्व के रूप में स्वीकार किया जाता है। कोई अन्य संगठन या संस्था सम्प्रभुता का दावा नहीं कर सकती है। एक संस्था में जनसंख्या, क्षेत्र और सरकार हो सकती है, लेकिन सम्प्रभुता नहीं।

28. ''राजनीति विज्ञान का संबंध राज्य तथा उसके साधन–सरकार से है।'' यह किसने कहा?
(A) गार्नर (B) डिमॉक
(C) गिलक्राइस्ट (D) सीले

28. (B) डिमॉक के अनुसार, राजनीति विज्ञान का संबंध राज्य तथा उसके साधन सरकार से है। डिमॉक ने किसी राज्य के अस्तित्व के लिये राज्य के उपलब्ध साधनों पर बल दिया है।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा दण्ड का एक सिद्धान्त नहीं है?
(A) प्रतिशोधात्मक (B) प्रतिरोधात्मक
(C) वितरणात्मक (D) सुधारात्मक

29. (C) वितरणात्मक दण्ड का एक सिद्धान्त नहीं है, दंड के सिद्धांतों को पाँच भागों में बताया गया है। (1) प्रतिशोधात्मक (2) प्रतिरोधात्मक (3) निरोधात्मक (4) सुधारात्मक (5) आदर्शात्मक। वर्तमान में दण्ड विधि के अन्तर्गत सुधारात्मक और निरोधात्मक सर्वाधिक प्रचलित दण्ड सिद्धान्त है।

30. इनमें से किसने बहुलवाद का समर्थन नहीं किया है?
(A) वेब (B) लिंडसे
(C) क्रेबे (D) हीगेल

30. (D) हीगेल (हीगल) बहुलतावादी सिद्धान्त का समर्थन नही करते हैं, स्मरण रहे बहुलवाद को विचारधारा के रूप में स्थापित करने का श्रेय जर्मन समाजशास्त्री गीयर्क तथा ब्रिटिश विद्वान मेटलेंड को है, जिन्हें आधुनिक राजनीतिक बहुलवाद का जनक कहा जाता है। सम्प्रभुता के बहुलवादी सिद्धान्त के मुख्य समर्थक लास्की, बार्कर, लिंडसे, क्रेब, डिगवी, मिस फॉलेट आदि हैं।

31. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

अधिकारों के सिद्धांत		**विचार**
(A) प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धान्त	–	अधिकार पूर्व-नागर और पूर्व-सामाजिक है
(B) अधिकारों का वैधानिक सिद्धान्त	–	अधिकार राज्य की कृति है
(C) अधिकारों को ऐतिहासिक सिद्धान्त	–	अधिकार परम्पराओं की उपज हैं
(D) अधिकारों का यथार्थवादी सिद्धान्त	–	अधिकार मनुष्य की शक्तियाँ हैं

31. (D) अधिकारों का यथार्थवादी सिद्धान्त– अधिकार मनुष्य की शक्तियाँ हैं। सही सुमेल नहीं है। शेष सभी सिद्धान्त एवं सम्बन्धित मत सुमेलित हैं।
यथार्थवादी मानते हैं कि राष्ट्र राज्य अपने हितों की खोज में, अपने लिए संसाधनों को एकत्र करने का प्रयास है और ये राज्यों के बीच के संबन्धों को सत्ता के स्तरों द्वारा निर्धारित करते हैं। शक्ति का यह स्तर राज्य के सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक क्षमताओं से निर्धारित होता है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सी राजनीतिक दल की विशेषता नहीं है?
(A) संगठन
(B) अवैधानिक साधनों का प्रयोग
(C) लोकतन्त्र में विश्वास
(D) वैचारिक एकता

32. (B) अवैधानिक साधनों का प्रयोग राजनैतिक दल की विशेषता नहीं है।
राजनीतिक दलों की विशेषताएँ इस प्रकार हैं–
(1) लम्बी अवधि के लिए संगठन।
(2) कतिपय सिद्धांतों अथवा नीतियों के बारे में सहमति।
(3) अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शान्तिपूर्ण और संवैधानिक साधनों का प्रयोग।
(4) राष्ट्रीय हित की दृष्टि से अपनी नीतियों में परिवर्तन।

33. इनमें से किसने दबाव गुटों को 'एक अज्ञात साम्राज्य की संज्ञा दी है?
(A) फाइनर (B) कासल्स
(C) रोडी (D) इनमें से कोई नहीं

33. (A) दबाव समूह ऐसे ही संगठन हैं, जो औपचारिक रूप से राजनीतिक प्रक्रिया में भाग नहीं लेते, न ही अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं। इसके बजाय वे अपने सदस्यों के हितों की प्राप्ति के लिये राजनीति को प्रभावित करते हैं। वर्तमान समय में 'नागरिक समाज संगठनों' को प्रमुख दबाव समूह के रूप में देखा जाता है। ये समूह सरकार के किसी कार्य को करने या करने से रोकने के लिए दबाव डालते हैं। प्रो. हरमन फारनर ने इन ''दबाव समूहों को अज्ञात साम्राज्य की संज्ञा दी है।

34. 'राज्य का वर्ग सिद्धात' किसने प्रतिपातिद किया?
(A) मार्क्स (B) एन्जेल्स
(C) लेनिन (D) इनमें से सभी

34. (A) राज्य का वर्ग सिद्धान्त मार्क्स ने प्रतिपादित किया था। मार्क्स के वर्ग-संघर्ष सिद्धान्त के अनुसार, प्रत्येक वस्तु का विकास उस वस्तु में निहित है, जिसमें परस्पर विरोधी तत्व पाए जाते हैं, उनके संघर्ष के फलस्वरूप ही पदार्थ का विकास होता है। इसी प्रकार मार्क्स ने समाज के वर्ग-संघर्ष का भी यही नियम बताया है, कि समाज में भी दो विरोधी तत्व रहते हैं,

जिनके आपसी संघर्ष के कारण समाज की प्रगति होती है। समाज के इन विरोधी तत्वों को मार्क्स 'वर्ग' के नाम से पुकारते हैं। मार्क्स ने कहा कि समाज में दो वर्ग पाए जाते हैं, ये दोनों वर्ग अपना हित साधन करने के लिए परस्पर संघर्ष में रहते हैं, उसी के परिणामस्वरूप समाज का विकास होता है।

35. प्राकृतिक अवस्था वाले मनुष्य को 'आदर्श बर्बर की संज्ञा किसने दी?
(A) थॉमस हॉब्स (B) जॉन लॉक
(C) रूसी (D) इनमें से कोई नहीं

35. (C) रूसो आधुनिक युग का एक महान विचारक था, जिसने मानव के स्वभाव, प्राकृतिक अवस्था, राज्य की उत्पत्ति और असमानता पर अपने विचार व्यक्त किये। रूसो का मानना था कि प्राकृतिक अवस्था एक आदर्श अवस्था है और इस प्राकृतिक अवस्था में एक मनुष्य पशु के समान था। जिसमें नैतिक, अनैतिक का कोई ज्ञान नहीं था। रूसो ने प्राकृतिक अवस्था वाले मनुष्य को आदर्श बर्बर की संज्ञा दी है।

36. निम्नलिखित में से अरस्तू की प्रसिद्ध पुस्तक कौन-सी है?
(A) द रिपब्लिक
(B) द सोशल कॉन्ट्रैक्स
(C) लॉज
(D) पॉलिटिक्स

36. (D) अरस्तू की प्रसिद्ध पुस्तक पॉलिटिक्स है। यह राजनीति से संबन्धित है। इसके अतिरिक्त अरस्तू ने जन्तु पर एनीमल हिस्टोरिया पुस्तक लिखी। इस पुस्तक में लगभग 500 प्रकार के विविध जन्तुओं की रचना, स्वभाव, वर्गीकरण, जनन आदि का व्यापक वर्णन किया गया है।

37. मनुस्मृति में कितने अध्याय हैं?
(A) 10 (B) 11
(C) 12 (D) 21

37. (C) मनु द्वारा लिखित एक धार्मिक संहिता को मनुस्मृति के नाम से जाना जाता है, मनुस्मृति में कुल 12 अध्याय हैं, जिनमें 2684 श्लोक हैं, जबकि कुछ संस्करणों में श्लोकों की संख्या 2964 बताई जाती है।

38. दास कैपिटल इनमें से किस विचारक का ग्रंन्थ है?
(A) हीगेल (B) मार्क्स
(C) लेनिन (D) इनमें से कोई नहीं

38. (B) दास कैपिटल एक पुस्तक है, जिसकी रचना कार्ल मार्क्स ने 1867 ई. में की थी। इसमें पूँजीवाद और वर्ग संघर्ष का विश्लेषण है, तथा मजदूरवर्ग के शोषण से मुक्त करने के उपाय बताये गए हैं।

39. 'पैन ऑप्टिकन' निम्नलिखित में से किसका आदर्श उदाहरण है?
(A) जेल (B) शिक्षा व्यवस्था
(C) कानून व्यवस्था (D) रसोई

39. (A) पैन ऑप्टिकन शब्द दो घटकों से मिल कर बना है: पैन और ऑप्टीकॉन। पैन का मतलब है कैदी और ऑप्टीकॉन का मतलब है कैदियों पर नजर रखने वाला निगरानी. कर्त्ता। एक ऐसी जगह कहाँ कैदियों पर निगाह रखी जाती हो, पैन ऑप्टीकॉन कहलाता है। इस शब्द और सिद्धांत के प्रतिपादन का श्रेय अंग्रेज दार्शनिक और सामाजिक सिद्धांतकार जेरेमी बेंथम को जाता है।

40. निम्नलिखित में से किस पुस्तक के लेखक बाल गंगाधर तिलक हैं?
(A) द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज
(B) गीता रहस्य
(C) द ओरियन
(D) उपर्युक्त सभी

40. (D) द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज, गीता रहस्य, द ओरियन सभी बाल गंगाधर तिलक की रचनाएँ हैं, बाल गंगाघर तिलक महान राष्ट्रवादी विचारक एवं राजनेता थे। जिन्होंने 20वीं शताब्दी के आरंम्भ में गरम दल का नेतृत्व किया था।

41. प्लेटो की रिपब्लिक का उपशीर्षक क्या है?
(A) न्याय से संबंधित
(B) शिक्षा पद्धति से संबंधित
(C) राजनीति से संबंधित
(D) सोफिस्ट वर्ग से संबंधित

41. (A) प्लेटो के रिपब्लिक का उपशीर्षक न्याय से संबन्धित है।
प्लेटो ने 'रिपब्लिक' में विभिन्न व्यक्तियों के मध्य हुए लम्बे संवादों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि हमारा न्याय से सरोकर होना चाहिए। रिपब्लिक के केन्द्रीय प्रश्न तथा उपशीर्षक न्याय से ही सम्बन्धित हैं, जिनमें न्याय की स्थापना हेतु व्यक्तियों के कर्त्तव्य-पालन पर बल दिया गया है।

42. ''मानवचेतना स्वतन्त्रता की कामना करती है, स्वतन्त्रता में अधिकार शामिल हैं और अधिकार राज्य की माँग करते हैं।'' यह किसने कहा?
(A) ग्रीन (B) लास्की
(C) बार्कर (D) इनमें से कोई नहीं

42. (A) मानव चेतना स्वतंत्रता की कामना करती है, स्वतंत्रता में अधिकार शामिल है और अधिकार की माँग करते हैं। यह विचार ग्रीन ने व्यक्त किये थे। ध्यातव्य है, कि ग्रीन ने आदर्शवाद, उदारवाद, व्यक्तिवाद् तथा सत्तावाद से सम्बन्धित समन्वित विचार व्यक्त किये थे।

43. इनमें से किसने 'आत्मपरक तथा 'परात्मपरक आचरण के मध्य अन्तर किया?
(A) जेम्स मिल (B) जेरेमी बेन्थम
(C) जे.एस. मिल (D) इनमें से कोई नहीं

43. (C) जेम्स मिल ने ''आत्मपरक'' तथा ''परात्मपरक'' के मध्य अन्तर किया है। मिल के विचार से, व्यक्ति के कार्य दो प्रकार के होते हैं: (1) 'आत्मपरक' कार्य (Self-Regarding Actions), जिनका सम्बन्ध स्वयं कार्य करने वाले से होता है– दूसरों पर उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता, और (2) परात्मपरक कार्य (Other-Regarding Actions), जिनका समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मिल ने तर्क किया कि व्यक्ति के आत्मपरक कार्यों में राज्य की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए और उसके परात्मपरक कार्यों में केवल उन्हीं कार्यों पर रोक लगाई जानी चाहिए। जो दूसरों को हानि पहुँचाते हों, तथा यह बात प्रमाणित की जा सकती हो।

44. महात्मा गांधी का 'राजनीतिक गुरु' किसे माना जाता है?
(A) तिलक (B) गोखले
(C) दादाभाई नौरोजी (D) इनमें से कोई नहीं

44. (B) गोपाल कृष्ण गोखले महात्मा गांधी के राजनैतिक गुरु थे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी रहे गोपाल कृष्ण गोखले महान स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ ही एक मजे हुए राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने गांधी जी को देश के लिए लड़ने की प्रेरणा दी थी।

45. तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' की संज्ञा किसने दी है?
(A) वेलेन्टाइन चिरोल (B) बर्ड्सबर्थ
(C) एनी बेसेन्ट (D) इनमें से कोई नहीं

45. (A) वैलेंटाइन चिरोल एक प्रमुख ब्रिटिश पत्रकार थे। उन्होंने बाल गंगाधर तिलक को ''भारतीय अशांति का जनक'' की संज्ञा दी थी जिसका कारण बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रवादी विचार सम्पूर्ण भारत में फैल चुके थे और भारत के लोग विचारों का अनुकरण करने का प्रयास कर रहे थे, जिससे अंग्रेजों में एक प्रकार की बेचैनी उत्पन्न हो गई थी।

46. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची–I (चिंतक)
(a) हॉब्स
(b) लॉक
(c) रूसो

सूची–II (कृति)

(1) द सोशल कॉन्ट्रैक्ट
(2) लेवियाथन
(3) टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट

कूट :

	(a)	(b)	(c)
(A)	1	2	3
(B)	1	3	2
(C)	2	3	1

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

46. (C) सूची–I तथा सूची–II का सही सुमेल इस प्रकार है।

चिन्तक	कृति
हॉब्स	लेवियाथन
लॉक	टू ट्रीटइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट
रूसो	द सोशल कॉन्ट्रैक्ट

47. ''स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे।'' यह नारा किसने दिया?

(A) गांधी (B) तिलक
(C) गोखले (D) नेहरू

47. (B) भारत में उग्रपंथी राष्ट्रवाद के जनक और स्वतन्त्रता सैनानी बाल गंगाधर तिलक ने यह नारा दिया था कि ''स्वराज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है और हम उसे लेकर रहेंगे''।

48. प्लेटो ने एक आदर्श राज्य की जनसंख्या निश्चित की है।

(A) 1800 व्यक्ति (B) 5040 व्यक्ति
(C) 10000 व्यक्ति (D) 20000 व्यक्ति

48. (B) प्लेटो ने आदर्श राज्य की जनसंख्या 5040 निश्चित् की है। प्लेटो का आदर्श राज्य व्यक्तियों को आवश्यक स्वतंत्रता प्रदान नहीं करता है। यह इतना नियंत्रणकारी है, कि इसमें व्यक्तियों की सभी प्रवृत्तियों का विकास संभव नहीं हैं। प्लेटो का आदर्श राज्य एक सर्वाधिकारवादी राज्य है और वह अपने स्वभाव से ही मानवीय स्वतंत्रता के हित में नहीं है।

49. किस राजनीतिक चिंतक ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि ''उसकी माँ ने जुड़वाँ बच्चों को जन्म दिया स्वयं उसे तथा डर''?

(A) जीन जैक्स रूसो
(B) थॉमस हॉब्स
(C) जॉन लॉक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

49. (B) थॉमस हॉब्स का जन्म 5 अप्रैल, 1588 को विल्टरशायर (इंग्लैण्ड) में माम्सबरी (Malmesbury) नामक स्थान पर हुआ। उस समय इंग्लैण्ड में स्पेन के आरमेड़ा के आक्रमण के भय से त्रस्त थॉमस हॉब्स की माँ ने उसे समय से पूर्व ही जन्म देकर उसमें जन्मजात डर की भावना डाल दी। थॉमस हॉब्स ने स्वयं कहा है, कि ''थॉमस हॉब्स और भय जुड़वाँ बच्चों की तरह पैदा हुए।''

50. भारत में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, यदि उपराष्ट्रपति उपलब्ध नहीं है, निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रपति की तरह कार्य कर सकता है?

(A) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(B) प्रधानमंत्री
(C) लोकसभाध्यक्ष
(D) भारत के महान्यायवादी

50. (A) भारत के राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति तथा उसकी अनुपस्थिति में, भारत का मुख्य न्यायाधीश भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है।

51. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 108 के अन्तर्गत लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक कौन आहूत करता है?

(A) भारत का राष्ट्रपति
(B) लोकसभाध्यक्ष
(C) प्रधानमंत्री
(D) राज्य सभा का सभापति

51. (A) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 108 दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को आहूत करने का अधिकार देता है। इसके अतिरिक्त इस अनुच्छेद में सत्र के अवसान की घोषणा भी भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

52. भारतीय संविधान को निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है?

(A) अनुच्छेद 74 (B) अनुच्छेद 78
(C) अनुच्छेद 123 (D) अनुच्छेद 124(2)

52. (C) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 123 राष्ट्रपति को संसद के अवकाश के दिनों में अध्यादेश जारी करने का अधिकार देता है (जब संसद सत्र नहीं होता है।) राष्ट्रपति की अध्यादेश जारी करने की शक्ति राष्ट्रपति की सबसे महत्वपूर्ण विधायी शक्ति मानी जाती है।

53. निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिश पर मौलिक कर्तव्यों को भारतीय संविधान में जोड़ा गया?

(A) बलवन्त राय मेहता समिति
(B) आयंगर समिति
(C) स्वर्ण सिंह समिति
(D) ठक्कर समिति

53. (C) स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया। उन्हें 1976 में 42वें संवैधानिक संशोधन द्वारा शामिल किया गया था। स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर, भारतीय संविधान में 10 मौलिक कर्त्तव्य जोड़े गए थे। पश्चातवर्ती समय 1 मौलिक कर्त्तव्य को और शामिल किया गया वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या11 है।

54. किस संविधान संशोधन द्वारा केन्द्रीय मंत्रियों की संख्या लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% परसीमित कर दी गई है?

(A) 91वाँ,
(B) 92वाँ
(C) 93वाँ
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

54. (A) संविधान (91वाँ संशोधन) अधिनियम, 2003 के द्वारा अनुच्छेद 164 में खंड 1A सम्मिलित किया गया। जिसके अनुसार, केन्द्र या किसी राज्य की मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या राज्य विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती। वर्तमान में लोक सभा की 543 सीटों के सापेक्ष प्रधानमंत्री सहित मंत्रिमण्डल सदस्यों की संख्या 81 से अधिक नहीं हो सकती।

55. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग के लिए प्रावधान है?

(A) अनुच्छेद 320 (B) अनुच्छेद 322
(C) अनुच्छेद 324 (D) अनुच्छेद 326

55. (C) निर्वाचन आयोग से जुड़े उपबंधों का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 324 में है। निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक निकाय है। संविधान के अनुसार निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गई थी।

- प्रारंभ में आयोग में केवल एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता था, परन्तु 1993 में इसे तीन सदस्यीय बना दिया गया था।
- वर्तमान आयोग में एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्त होते हैं।
- पहली बार दो अतिरिक्ति आयुक्तों की नियुक्ति 16 अक्टूबर, 1989 को की गई थी। लेकिन उनका कार्यकाल 01 जनवरी, 1990 तक ही चला।
- उसके बाद 01 अक्टूबर, 1993 को दो अतिरिक्त निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की गई थी, तब से आयोग की बहु-सदस्यीय अवधारणा प्रचलन में है, जिसमें निर्णय बहुमत के आधार पर लिया जाता है।

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की जाती है।

56. दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के आश्रम का क्या नाम था ?
(A) फीनिक्स (B) सारबमती
(C) सत्याग्रह (D) सर्वोदय

56. (A) दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के आश्रम का नाम फीनिक्स था। महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में थे। उन्होंने वहाँ की ब्रिटिश सरकार के खिलाफ अहिंसक आन्दोलन छेड़ रखा था। गांधी जी ने वहाँ फीनिक्स आश्रम की स्थापना की थी, जहाँ रहकर वे आंदोलन का संचालन करते थे। उनके साथ जो लोग थे, वे गांधी जी के सादगीपूर्ण तरीके से जीवन-यापन के सिद्धांतों का पालन करते थे।

57. निम्नलिखित में से किस सदन की अध्यक्षता ऐसा व्यक्ति करता है, जो उस सदन का सदस्य नहीं होता?
(A) लोक सभा (B) विधान सभा
(C) राज्य सभा (D) विधान परिषद्

57. (C) राज्यसभा का अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता, जो उसकी अध्यक्षता करता है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। संविधान में उपराष्ट्रपति के लिए किसी प्रकार के वेतन एवं भत्ते का उल्लेख नहीं है। वह वेतन और भत्ते राज्य सभा के सभापति/अध्यक्ष के रूप में प्राप्त करता है।

58. भारत में वित्तीय आपातकाल कितनी बार लगाया गया है?
(A) तीन बार (B) दो बार
(C) एक बार (D) कभी नहीं

58. (C) भारत में अभी तक एक बार भी वित्तीय आपातकाल नहीं लगाया गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 360 में वित्तीय आपातकाल का उल्लेख है। स्मरण रहे सभी प्रकार के आपातकालों की घोषणा भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

59. स्पीकर निर्णायक मत का प्रयोग कब कर सकता है?
(A) महाभियोग प्रस्ताव पर
(B) अनुच्छेद 368 से संबंधित विधेयक पर
(C) अनुच्छेद 52 से संबंधित विधेयक पर
(D) समान मत आने पर

59. (D) ''निर्णायक मत'' किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर कर सकता है या उस हैसियत से कार्य कर रहे अध्यक्ष कार्यवाही के समय मत, निर्णायक मत का प्रयोग कर सकता है।

60. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग 'नागरिकता से संबंधित है?
(A) भाग–II (B) भाग–III
(C) भाग–IV (D) भाग–V

60. (A) नागरिकता से सम्बन्धित प्रावधानों का उल्लेख भारत के संविधान के द्वितीय भाग में अनुच्छेद 5 से 11 के बीच किया गया है। संविधान भाग (iii) मौलिक अधिकार से सम्बंधित है। संविधान भाग (iv) भाग 4 राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व से सम्बन्धित है। संविधान भाग (v) संघ से सम्बन्धित है।

भूगोल (Geography)

1. किसका कथन है, "संसाधन होते नहीं, बनाये जाते हैं?
(A) गोट्जं (B) आ.एन. ब्राउन
(C) आ. ई. मर्फी (D) ई. जिम्मरमैन

1. (D) संसाधन होते नहीं बनाये जाते हैं। यह कथन ई. जिम्मरमैन का है। संसाधन ऐसा स्रोत हैं, जिसका प्रयोग मनुष्य अपने लाभ के लिए करता है। जिम्मरमैन का मानना था कि कोई वस्तु प्रकृति में उपस्थित भले ही है, परन्तु जब तक हम उसका प्रयोग लाभ के लिए नहीं करते हैं, तब तक उसे हम संसाधन नहीं कह सकते हैं।

2. निम्न में से किस देश में स्थानान्तरण कृषि को तमराई के नाम से जाना जाता है?
(A) श्रीलंका (B) म्यांमार
(C) फिलीपीन्स (D) थाईलैण्ड

2. (D) स्थानान्तरण कृषि, कृषि का एक प्रकार है जिसमें कोई भूमि कुछ समय तक फसल लेने के लिये चुनी जाती है और अनउपजाऊ होने के बाद इसको कुछ समय के लिए खुला छोड़ दिया जाता है, अर्थात् इसमें फसल नहीं बोई जाती है, इसके बाद दूसरे टुकड़े को ऐसी ही कृषि के लिये चुन लिया जाता है। तब तक खुली छोड़ी भूमि उर्वरता प्राप्त कर लेती है। यह प्रक्रिया निरन्तर अपनाई जाती है।
स्थानान्तरण कृषि को अलग-अलग देशों में अलग नामों से जाना जाता है; जैसे–

स्थानान्तरण कृषि	स्थानीय नाम
तमराई	थाईलैण्ड
चेन्ना	श्रीलंका
तुन्ग्या	म्यांमार
केंगिन	फिलीपीन्स

3. निम्न में से कौन-सा देश मक्का का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है?
(A) संयुक्त राज्य अमेरिका
(B) मेक्सिको
(C) ब्राजील
(D) चीन

3. (D) चीन मक्का का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। चीन में मक्का का उत्पादन लगभग 300 मिलियन मीट्रिक टन होता है, तथा इसकी खपत प्रायः घरेलू स्तर पर की जाती है।

4. निम्नलिखित देशों में से कौन-सा अपने गेहूँ उत्पादन का लगभग दो-तिहाई निर्यात करता है?
(A) ऑस्ट्रेलिया (B) कनाडा
(C) अर्जेण्टीना (D) जर्मनी

4. (A) प्रश्नगत् देशों में ऑस्ट्रेलिया अपने गेहूँ उत्पादन का लगभग दो-तिहाई निर्यात करता है। चूँकि ऑस्ट्रेलिया गेहूँ के अग्रिणी उत्पादक देशों में शामिल है, जबकि इसकी जनसंख्या लगभग 2.5 करोड़ ही है।

5. जनसंख्या वृद्धि के लॉजिस्टिक वक्र सिद्धान्त को किसने प्रतिपादित किया था?
(A) सैड्लर ने (B) डबलडे ने
(C) द–कास्त्रों ने (D) पर्ल, रीड ने

5. (D) जनसंख्या वृद्धि के लॉजिस्टिक वक्र सिद्धांत को प्रतिपादित रेमण्ड पर्ल एवं लॉवेल रीड ने किया था। इसे वर्ष 1835 में क्यूटलेट द्वारा पुनः प्रतिपादित किया गया था। इस सिद्धांत के अनुसार, जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की जाती है। तत्पश्चात् यह सिद्धांत अधिक प्रचलित हो गया। इन्होंने माल्थस द्वारा दिए गए जनसंख्या वृद्धि सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया।

6. निम्नलिखित नदियों में से कौन-सी आन्तरिक जलमार्गों के रूप में सबसे उपयुक्त है?
(A) डैन्यूब (B) राइन
(C) वोल्गा (D) एल्ब

6. (B) राइन नदी आन्तरिक जलमार्गों के रूप में सबसे उपर्युक्त है। यद्यपि प्रश्नगत् अन्य नदियाँ भी जलमार्गों के लिए उपयुक्त हैं।
राइन नदी जलमार्ग–राइन नदी आंतरिक जलमार्गों में सबसे उपयुक्त नदी है, यह नदी जर्मनी व नीदरलैंड से प्रवहित होती है। रूर नदी पूर्व से आकर राइन नदी से मिलती है। यह नदी एक संपन्न कोयला क्षेत्र से प्रवाहित होती है तथा यह संपूर्ण नदी बेसिन विनिर्माण की दृष्टि से अत्यधिक संपन्न है।
डेन्यूब नदी जलमार्ग–डेन्यूब, ब्लैक फॉरेस्ट से निकलकर अनेक देशों से होती हुई पूर्व की ओर बहती है। गेहूँ, मक्का,

इमारती लकड़ी, मशीनरी आदि इसके द्वारा निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएँ हैं।

वोल्गा नदी जलमार्ग–रूस के कई विकसित जलमार्गों में से वोल्गा जलमार्ग सर्वाधिक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह नदी लगभग 1100 किलोमीटर तक नौकायन की सुविधा प्रदान करती है।

एल्व नदी जलमार्ग–एल्व नदी चेक रिपब्लिक की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो क्राकोनस पर्वत से निकलकर जर्मनी में तक प्रवाहित होती है। यह नदी भी जलमार्ग के लिए उपयुक्त है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा एक खनन नगर का उदाहरण नहीं है?
(A) कुस्क्र (B) मैग्नीटोगोस्क
(C) क्लीवलैण्ड (D) तेहरान

7. (B) पृथ्वी के गर्भ से धातुओं, अयस्कों, औद्योगिक तथा अन्य उपयोगी खनिजों को बाहर निकालना खनिजकर्म या खनन (mining) हैं। यूराल प्रदेश रूस में अवस्थित मेग्नीटोगोस्क इस्पात उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। यह एक खनन नगर का उदाहरण नहीं है, प्रश्नगत अन्य सभी नगर खनन नगर हैं।

8. निम्नलिखित देशों में से किसमें एक परम्परागत अधिवास को 'काम्पुंग' के नाम से जाना जाता है?
(A) इण्डोनेशिया (B) म्यांमार
(C) मलेशिया (D) थाईलैण्ड

8. (C) मलेशिया में परम्परागत अधिवास को काम्पुंग कहा जाता है। आश्रय मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। मानव जिस स्थान को अपने आश्रय हेतु चुनकर वहाँ जिन मकानों, घरों, झोंपड़ियों आदि का निर्माण करता है; वह उसका आवास या अधिवास कहलाता है।

9. भारत में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, नगरों को जनसंख्या के आकार के आधार पर कितने वर्गों में बाँटा गया है?
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 7

9. (C) भारत में वर्ष 2011 की जनगणना के जनसंख्या के आकार के आधार पर 6 वर्गों में बाँटा गया है। भारत में 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगरों की संख्या 46 है, जबकि प्रथम वर्ग (टीयर-1) में शामिल नगरों की संख्या कुल छः है।

10. अनेक परिवहन मार्गों में मिलन-स्थल पर निम्नलिखित में से किस अधिवास-प्रतिरूप का निर्माण होता है?
(A) तारा-आकृति (B) रेखीय
(C) गोलाकार (D) आयताकार

10. (B) अनेक परिवहन मार्गों में मिलन-स्थल पर रेखीय अधिवास-प्रतिरूप का निर्माण होता है, रेखीय या पंक्तिनुमा अधिवास बहुधा किसी सड़क के दोनों ओर नदियों के ऊँचे उठे भागों, नहरों, किसी सँकरी घाटी के समानांतर या किसी स्रोत के दोनों किनारों पर एक पंक्ति के रूप में बसे होते हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

संकल्पना/सिद्धान्त		विद्वान
(A) केन्द्र स्थल सिद्धान्त	–	क्रिस्टॉलर
(B) औद्योगिक अवस्थापना सिद्धान्त	–	वेबर
(C) कृषि अवस्थापना सिद्धान्त	–	वॉन थ्यूनेन
(D) खुदरा गुरुत्वाकर्षण नियम	–	बी.जे.एल. बेरी

11. (D) खुदरा गुरुत्वाकर्षण नियम बी.जे.एल. बेरी युग्म सही सुमेलित नहीं है। सही युग्म इस प्रकार हैं।

सिद्धांत	विद्वान
केंद्र स्थल सिद्धांत	क्रिस्टालर
औद्योगिक अवस्थापना सिद्धांत	वेबर
कृषि अवस्थापना सिद्धांत	वॉन थ्यूनेन
खुदरा गुरुत्वाकर्षण नियम	न्यूटन

12. यदि एक अधिवासों के समूह का निकटस्थ पड़ोसी अनुपात 1.74 है, तो वितरण का प्रतिरूप होगा।
(A) समरूप (B) लगभग समरूप
(C) अनिश्चित (D) लगभग केन्द्रित

12. (A) यदि एक अधिवासों के समूह का निकटस्थ पड़ोसी अनुपात 1.74 है, तो वितरण का प्रतिरूप समरूप होगा। अधिवासों के समूह का निकटस्थ पड़ोसी अनुपात, किसी स्थान पर किसी वस्तु के प्रसार या वितरण को मापता है, यह इस व्यवस्था को संख्यात्मक मान प्रदान करता है, कमान्ड क्लार्क और इवांस ने 1954 में एकत्रीकरण सूचकांक R का प्रयोग क्रूड टेस्ट के आधार पर किया है। यदि R_n बस्तियाँ हों तथा क्षेत्र a हो, तो वस्तुओं के बीच कोई लम्बाई निम्न सूत्र से मापी जाती है $R_n = \frac{D(Ops)}{5\sqrt{\frac{a}{n}}}$

जहाँ a कुल क्षेत्रफल, n बस्तियों की संख्या तथा D माध्य दूरी है।

13. जनांकिकी संक्रमण सिद्धान्त की निम्नलिखित अवस्थाओं में से कौन-सी अल्प विकास की अवस्था को प्रदर्शित करती है ?
(A) प्रारम्भिक विस्तार, अवस्था
(B) उत्तर विस्तार, अवस्था
(C) निम्न स्थायी अवस्था
(D) उच्च स्थायी अवस्था

13. (D) जनांकिकी संक्रमण सिद्धांत, उच्च स्थाई अल्प विकास की अवस्था को प्रदर्शित करता है।
जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत–यह बताता है कि जैसे-जैसे समाज ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता जाता है, तो उस प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म व उच्च मृत्युदर से निम्न जन्म तथा निम्न मृत्युदर की ओर अग्रसर होती जाती है। इन परिवर्तनों की तीनों अवस्थाओं को जनांकिकीय चक्र के रूप में जाना जाता है।

14. निम्न में से दक्षिण-पश्चिम एशिया का कौन-सा देश 2017 में सबसे घना बसा था?
(A) ईरान
(B) इराक
(C) संयुक्त अरब अमीरात
(D) सीरिया

14. (C) संयुक्त अरब अमीरात (सऊदी अरब) क्षेत्रफल में दक्षिण-पश्चिम एशिया का सबसे बड़ा देश है। यह अरब प्रायद्वीप के लगभग 80% क्षेत्रफल पर विस्तृत है। यह पूर्णतः राजतांत्रिक देश है। यहाँ का शासक अमीर/सुल्तान कहलाता है। जिसकी स्थिति पूर्व राजाओं की तरह सर्वाधिकार वाली होती है। इसकी राजधानी रियाद है।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रशान्त सांस्कृतिक परिमण्डल से सम्बन्धित नहीं है?
(A) पॉलीनेशिया (B) माइक्रोनेशिया
(C) मेलेनेशिया (D) मलय परिमण्डल

15. (D) प्रशांत सांस्कृतिक परिमण्डल से सम्बन्धित मलय परिमण्डल नहीं है, प्रशांत सांस्कृतिक परिमण्डल आमतौर पर तीन भू-सांस्कृतिक उपक्षेत्रों, मेलेनेशिया, माइक्रोनेशिया और पॉलिनेशिया में विभाजित है। प्रारंभिक यूरोपीय खोजकर्ताओं ने इन भेदों को न केवल भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक, शारीरिक और भाषाई अंतरों के आधार पर निर्धारित किया था, जिन्हें उन्होंने प्रशांत द्वीप के लोगों के रूप में माना था।

16. निम्न में से किस जनजाति की उत्पत्ति, उत्तर प्रदेश के तराई प्रदेश में हुई है?
(A) गौण्ड (B) नागा
(C) टोडा (D) थारू

16. (D) थारू, भारत के सीमावर्ती तराई क्षेत्र में पायी जाने वाली एक जनजाति है। यह जन-जाति नेपाल, भारत सीमा पर तराई क्षेत्र में पायी जाती है तथा यह नेपाल की सकल जनसंख्या का लगभग 6.6% लोग थारू हैं। भारत में बिहार के चम्पारण जिले में और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बिजनौर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच तथा उत्तराखण्ड के ऊधम सिंह नगर में थारू जनजाति के लोग पाये जाते हैं।

17. भारत में निम्न में से किस केन्द्रशासित प्रदेश ने वर्ष 2011 में सर्वाधिक साक्षरता दर्ज की है?
(A) लक्षद्वीप (B) दमन एवं दीव
(C) चण्डीगढ़ (D) पुदुचेरी

17. (A) लक्षद्वीप केन्द्रशासित प्रदेश ने वर्ष 2011 में सर्वाधिक साक्षरता दर्ज की थी। लक्षद्वीप इसकी साक्षरता दर 92.28% है। लक्षद्वीप भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट से 200 से 400 किमी. (120 से 270 मील) दूर अरब सागर में स्थित एक द्वीप समूह है।

18. कुल जनसंख्या तथा कुल कृषि-क्षेत्र के अनुपात को कहते हैं।
(A) गणितीय घनत्व (B) कृषि घनत्व
(C) आर्थिक घनत्व (D) कायिक घनत्व

18. (D) जनसंख्या घनत्व को भूमि क्षेत्र की प्रति इकाई व्यक्तियों की संख्या के रूप में मापा जाता है। कुल जनसंख्या तथा कुल कृषि-क्षेत्र के अनुपात को कायिक घनत्व कहते हैं, मानव भूगोल में 3 प्रकार के जनसंख्या घनत्व का वर्णन किया गया है।
शारीरिक या कायिक घनत्व या वास्तविक जनसंख्या घनत्व कृषि योग्य भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में लोगों की संख्या है। एक उच्च जनसंख्या घनत्व से पता चलता है कि उपलब्ध कृषि भूमि का अधिक उपयोग किया जा रहा है और कम शारीरिक घनत्व वाले देश की तुलना में जल्द ही इसकी उत्पादन सीमा तक पहुँच सकता है, अंकगणित घनत्व।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा एक 'स्वर्णिम चतुर्भुज' से जुड़ा नहीं है?
(A) बेलगाम (B) सूरत
(C) गुण्टूर (D) नागपुर

19. (C) गुण्टूर स्वर्णिम चतुर्भुज योजना से नहीं जुड़ा है। गुन्टूर आन्ध्र प्रदेश राज्य में स्थित बड़ा नगर जनपद है।
स्वर्णिम चतुर्भुज मूल रूप से राजमार्गों का एक नेटवर्क है जो देश के चार प्रमुख महानगरों को चार दिशाओं—दिल्ली (उत्तर), चेन्नई (दक्षिण), कोलकाता (पूर्व) और मुंबई (पश्चिम) में जोड़ता है—जिससे एक चतुर्भुज बन जाता है और इसीलिए इसका नाम गोल्डन चतुर्भुज (स्वर्णिम चतुर्भुज) है।

20. निम्न में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?
(A) अरुणाचल प्रदेश अपातानी
(B) कश्मीर हांजी
(C) नागालैण्ड हो
(D) मेघालय खासी

20. (C) **नागालैण्ड**—हो, सही सुमेलित नहीं 'चूँकि' हो जनजाति झारखण्ड राज्य में पायी जाती है।
हो (जनजाति), भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो **भारत** के **झारखंड** राज्य के **सिंहभूम जिले** तथा उसके पड़ोसी राज्य **उड़ीसा** के **क्योंझर, मयूरभंज, जाजपुर** जिलों में निवास करती है। इस प्रकार हो नागालैण्ड की जनजाति नहीं है, नागालैंड में, कोन्याक सबसे बड़ी जनजाति है, इसके बाद एओ, तंगखुल, सेमा और अंगामी हैं। लोथा, संगतम, फोम, चांग, खिमनुंगम, यिमचुंगरे, जेलियांग, चाखेसांग (चोकरी) और रेंगमा कुछ अन्य नागा जनजातियाँ हैं। रेंगमा जनजाति है; नागालैंड और असम दोनों राज्यों में पायी जाती है।

21. भारत के निम्नलिखित राज्यों में से किसमें गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन अधिकतम है?
(A) महाराष्ट्र (B) कर्नाटक
(C) तमिलनाडु (D) उत्तर प्रदेश

21. (C) तमिलनाडु राज्य में गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन अधिकतम है। तमिलनाडु में गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन 80 टन है, जो अन्य राज्यों से अधिक है, हरियाणा में 70 टन एवं उत्तर प्रदेश में 55 टन उत्पादन होता है। स्मरण रहे कि भारत में गन्ने का सबसे अधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में किया जाता है।

22. निम्नलिखित परमाणु शक्ति संयन्त्रों में से किसकी क्षमता सर्वाधिक है?
(A) कैगा (B) कलपक्कम
(C) काकरापाड़ा (D) कुंडनकुलम

22. (D) भारत में अवस्थापित परमाणु शक्ति संयंत्रों में सबसे अधिक शक्ति उत्पादन क्षमता वाला कुंडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। रूस की सहायता से तमिलनाडु में स्थापित इस संयंत्र की कुल क्षमता 2000 मेगावाट है, जबकि कैगा संयंत्र की कुल क्षमता 880 मेगावाट, कलपक्कम की कुल क्षमता 440 मेगावाट एवं काकरापाड़ा संयंत्र की कुल क्षमता 440 मेगावाट है।

23. भारत में जिप्सम उत्पादन में निम्नलिखित में से किस राज्य का एकाधिकार है?
(A) गुजरात (B) राजस्थान
(C) जम्मू एवं कश्मीर (D) मध्य प्रदेश

23. (B) जिप्सम उत्पादन में राजस्थान राज्य का एकाधिकार है। राजस्थान में कुछ अर्द्ध—मशीनीकृत खानों को छोड़कर निक्षेपों का खनन ओपनकास्ट विधि द्वारा या मनुष्यों के द्वारा खनन किया जाता है। जिप्सम का खनन ज्यादातर राजस्थान के थार रेगिस्तानी क्षेत्र के बाड़मेर, बीकानेर और जैसलमेर और श्रीगंगानगर जिलों में FAGMIL की (15 खदानों) तथा RSMML कंपनियों द्वारा किया जाता है। बीकानेर जिले की कुछ जिप्सम खानों में क्रिस्टलीय किस्म का यानी सेलेनाइट का उत्पादन होता है।
राजस्थान से जिप्सम भारत के विभिन्न राज्यों गुजरात, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश आदि में फैले सीमेंट संयंत्रों को भेजा जाता है।

24. नाथुला दर्रा अवस्थित है।
(A) सिक्किम में (B) असम में
(C) उत्तर प्रदेश में (D) जम्मू एवं कश्मीर में

24. (A) नाथुला सिक्किम में अवस्थित एक दर्रा है। नाथूला हिमालय की गोद में बसा एक पहाड़ी दर्रा है, जो रणनीतिक रूप से भारत के लिए महत्वपूर्ण है। सिक्किम के गंगटोक से छः घंटे दूरी पर स्थित इस दर्रे से होकर ही पुराना सिल्क रूट गुजरता था।

25. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा भारत के ग्रामीण एवं नगरीय लिंग अनुपात का सही युग्म प्रस्तुत करता है।
(A) 943 - 922
(B) 947 - 924
(C) 944 - 923
(D) 949 - 929

25. (D) ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात 949 तथा शहरी क्षेत्रों में 929 है। इस प्रकार विकल्प (D) सही सुमेलित है। जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, देश में लिंगानुपात 943 है, जो 2001 से 10 अधिक है।

26. अगस्थ्यामलाई जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?
(A) केरल (B) आन्ध्र प्रदेश
(C) कर्नाटक (D) सिक्किम

26. (A) अगस्थ्यामलाई जैवमंडल रिजर्व केरल और तमिलनाडु में दक्षिणी-पश्चिमी घाटों में स्थित है। 2001 में स्थापित, रिजर्व का नाम अगस्थ्या पर्वत माला से लिया गया है। यह 2016 में यूनेस्को के जीवमंडल रिजर्व के विश्व नेटवर्क में शामिल किया गया था। यह 3500.36 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत तथा समुद्र तल से 1,868 मीटर ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ वर्षा आधारित वन क्षेत्र में 2,254 प्रकार के पेड़-पौधे हैं, जिनमें लगभग 400 स्थानीय हैं। इस जैव रिजर्व के अंतर्गत शेंदुर्नी, पेप्पारा और नेयार तीन वन्य जीव अभयारण्य हैं। इसके अलावा यहाँ एक बाघ आरक्षित क्षेत्र कलाकड मुंडनथुरई भी है। इस जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र में लगभग 3000 आदिवासी निवास करते हैं।

27. निम्नलिखित में से कौन-सी अवध मैदान की प्रमुख नदी है?
(A) यमुना (B) घाघरा
(C) सोन (D) गण्डक

27. (B) घाघरा अवध के मैदान की प्रमुख नदी है। अवध के क्षेत्र को "भारत के अन्न भंडार" के रूप में भी जाना जाता है। इसे गंगा और यमुना नदियों के बीच उपजाऊ मैदान के खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता था, जिसे दोआब के रूप में जाना जाता है।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा हॉट-स्पॉट पश्चिमी घाट पर स्थित नहीं है?
(A) अन्नामलाई पहाड़ियाँ
(B) नीलगिरि पहाड़ियाँ
(C) सुन्दरवन
(D) साइलेण्टघाटी

28. (C) सुन्दरवन हॉट-स्पॉट, पश्चिमी घाट पर स्थित नहीं है, पूर्वी हिमालय और पश्चिमी घाट भारत के दो जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट हैं। जैव विविधता हॉटस्पॉट, वह क्षेत्र हैं, जहाँ विभिन्न प्रकार के जीव एवं वनस्पतियाँ तथा लुप्त होती प्रजातियाँ पायी जाती हैं। सुंदरवन हॉटस्पॉट पूर्वी भारत (पश्चिम बंगाल) में स्थित है।
वर्ष 2013 में सुन्दरवन को यूनेस्को ने विश्व जीवमण्डल आरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित किया था।

29. निम्नलिखित में से कौन-सी एक गर्म समुद्री धारा है?
(A) ब्राजील धारा (B) कनारी धारा
(C) लैब्राडॉर धारा (D) बेंगुएला धारा

29. (A) ब्राजील की धारा एक गर्म समुद्री धारा है। इसकी उत्पत्ति दक्षिणी विषुवत् रेखीय धारा के विभाजन के फलस्वरूप हुई है। वस्तुतः दक्षिणी विषुवत् रेखी धारा की दक्षिणी शाखा ब्राजील धारा के नाम से जानी जाती है।
गर्म धारा—जो जल धाराएँ निम्न अक्षांशों से उच्च अक्षांशों की ओर प्रवाहित होती हैं गर्म जलधाराएँ कहलाती हैं।
कनारी की धारा—यह ठंडी जलधारा है। यह वास्तव में उत्तरी अटलांटिक धारा का बढ़ा हुआ दक्षिणी भाग है। आगे चलकर यह धारा विषुवतत् रेखीय धारा से मिल जाती है।
लैब्राडोर की धारा— यह भी ठंडी जलधारा है, जो बेफिन की खाड़ी से उत्पन्न होकर न्यू फाउण्ड लैंड के पास गल्फस्ट्रीम में मिल जाती है।

30. सबसे चौड़े महाद्वीप मग्न-तट पाए जाते हैं।
(A) हिन्द महासागर में
(B) अटलाण्टिक महासागर में
(C) प्रशान्त महासागर में
(D) आर्कटिक महासागर में

30. (D) सबसे चौड़े महाद्वीपीय मग्न-तट आर्कटिक महासागर में पाए जाते हैं, महाद्वीपीय मग्न-तट की औसत प्रवणता 1 डिग्री या उससे भी कम होती है व उनकी गहराई 150 – 200 मीटर एवं चौड़ाई 80 किलोमीटर होती है।
मग्न-तट की चौड़ाई पर तटीय स्थलीय उच्चावय का नियंत्रण रहता है, जहाँ पर तट से लगे उच्च पर्वतीय भाग होते हैं वहाँ पर मग्न-तट सँकरे होते हैं।
महाद्वीपीय निगन्न-तट के उत्तरी सागर मत्स्य ग्रहण के प्रमुख क्षेत्र हैं। डागर बैंक, जॉर्जेस बैंक आदि प्रमुख मत्स्य क्षेत्र इसी के अंतर्गत आते हैं, संसार का 20% पेट्रोलियम गैस यहीं से प्राप्त होता है।
बालू व बजरी के भी यह विशाल भंडार हैं जो सागरीय भाग के कुल 8.6% क्षेत्रफल पर अवस्थित हैं।

31. निम्नलिखित में से किस झील की लवणता सर्वाधिक है?
(A) टीटीकाका (B) वान
(C) विक्टोरिया (D) बालकश

31. (B) विश्व में सर्वाधिक लवणता वॉन झील (तुर्की) में पायी जाती है। यह अनातोलिया क्षेत्र की सबसे बड़ी झील है। इसे अपने समीपवर्ती पहाड़ों से जल प्राप्त होता है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सी धारा उत्तरी गोलार्द्ध में दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होती है?
(A) कैलीफॉर्निया धारा (B) क्यूरोशियो धारा
(C) क्यूराइल धारा (D) अलास्का धारा

32. (C) **क्यूराइल या ओयाशियो धारा**—यह उप–आर्कटिक महासागरीय धारा वामावर्त दिशा में उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है।
यह आर्कटिक महासागर से निकलती है जो पश्चिमी उत्तरी प्रशांत महासागर में बेरिंग सागर में समा जाती है।
यह उत्तरी प्रशांत बहाव बनाने के लिये जापानी पूर्वी तट से क्यूराशियो से टकराता है।
कैलीफोर्निया धारा—यह उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ दक्षिण की ओर बहने वाली एलुशियन धारा का विस्तार है।
क्यूरोशियो धारा—इस पश्चिमी तटीय धारा को जापान में ब्लैक करंट के रूप में भी जाना जाता है। जापानी में "क्यूरोशियो" शब्द का अर्थ है "ब्लैक स्ट्रीम"।
इस धारा का औसत सतही तापमान आसपास के महासागर की तुलना में अधिक होता है।
अलास्का धारा—यह उत्तरी प्रशांत महासागर के एक हिस्से के उत्तर की ओर मुड़ने के परिणामस्वरूप बनती है।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा निक्षेप महासागरों में सर्वाधिक गहराई वाले भाग में पाया जाता है?
(A) लाल मृत्तिका (B) डायटम पंक
(C) लाल पंक (D) हरा पंक

33. (A) सभी सागरों के गहनतम भागों में लाल मृत्तिका अकार्बनिक पदार्थ का सर्वाधिक निक्षेप पाया जाता है।
समस्त सागरीय निक्षेपों में सर्वाधिक निक्षेप लाल मृत्तिका (30%) प्रकार के पदार्थ का पाया जाता है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सी दक्षिणी अटलाण्टिक महासागर की ठण्डी धारा है?
(A) बेंगुला धारा (B) अंगुलहास धारा
(C) ब्राजील धारा (D) इनमें से कोई नहीं

34. (A) बेंगुला धारा दक्षिणी अटलांटिक महासागर की एक ठण्डी धारा है। बेंगुला धारा गुड होप अंतरीय के निकट दक्षिणी अटलांटिक महासागर की एक शाखा के रूप में दक्षिणी अफ्रीका के परिचमी तट पर उत्तर की ओर बहती है। यह ठंडी जल धारा है, जो अण्टार्कटिका के ठण्डे पानी से मिलने के कारण ठण्डी होती है और यह आगे चलकर भू-मध्य सागर में विलीन हो जाती है।

35. पेलाजिक जमाव के पदार्थ प्राप्त होते हैं।
(A) ज्वालामुखी पदार्थों से
(B) शैवाल से
(C) चट्टानों के रूपान्तरण से
(D) रासायनिक अपक्षरण से

35. (B) पेलाजिक जमाव के पदार्थ शैवाल से प्राप्त होते हैं, जो बिना किसी सहारे के समुद्र में बढ़ते हैं, इनमें कुछ प्रोटोजोआ, डायटम, एम्फिपोड्स आदि मुख्य हैं, ये पंक के समान होते हैं और ऊज कहलाते हैं, पेलाजिक जमाव विशेषतः गहरे समुद्रों में पाए जाते हैं, अर्थात् पेलाजिक जमाव शैवाल के पदार्थ से प्राप्त होता है।

36. किस ग्रह का कोई उपग्रह नहीं है?
(A) मंगल (B) अरुण
(C) शुक्र (D) वरुण

36. (C) बुध का कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं है, इसके साथ शुक्र का भी कोई ग्रह नहीं है। बुध और शुक्र दोनों आन्तरिक ग्रह हैं। पृथ्वी का एक उपग्रह चंद्रमा है; और मंगल के दो छोटे प्राकृतिक उपग्रह फोबोस और डीमोस हैं।

37. फिलामेण्ट शब्द का प्रयोग किया गया है?
(A) ग्रहाणु परिकल्पना में
(B) ज्वारीय परिकल्पना में
(C) सुपरनोवा परिकल्पना में
(D) अन्तरातारकीय धूल परिकल्पना में

37. (B) फिलामेण्ट शब्द का प्रयोग ज्वारीय परिकल्पना में किया जाता है, सन् 1919 में जेम्स जीन्स ने ज्वारीय परिकल्पना का प्रतिपादन किया इस परिकल्पना के अनुसार आरम्भ में सूर्य गैस का एक विशाल पिण्ड था। अतीत में एक विशालकाय तारा घूमते-घूमते सूर्य के निकट से गुजरा, इस तारे की आकर्षण शक्ति से सूर्य में ज्वार उत्पन्न हुआ और ज्यों-ज्यों तारा सूर्य के निकट आया सूर्य में, ज्वार की तीव्रता बढ़ती गई।

38. तारों की निस्सृत गैस एवं धूल राशि के पिण्ड को कहते हैं?
(A) फिलामेण्ट (B) नेब्यूला
(C) ग्रहाणु (D) द्वैतारक

38. (B) तारों के निस्सृत गैस धूल राशि के पिण्ड को नेब्यूला कहते हैं। निहारिका या नेब्यूला अंतरतारकीय माध्यम में स्थित ऐसे बादलों को कहते हैं जिसमें धूल, हाइड्रोजन गैस, हीलियम गैसें और अन्य आयनीकृत प्लाज्मा गैसें उपस्थित हों। पूर्व में "निहारिका" खगोल में दिखने वाली किसी भी विस्तृत वस्तु को कहते थे। आकाशगंगा से परे किसी भी गैलेक्सी को निहारिका ही कहा जाता था।

39. अन्तरतारकीय धूल परिकल्पना को प्रतिपादित किया था।
(A) ओटो श्मिड ने (B) एफ. ह्योल ने
(C) रसेल ने (D) हैरोल्ड जेफरीज ने

39. (A) रूसी वैज्ञानिक ऑटो श्मिड द्वारा अंतरतारकीय धूल परिकल्पना 1943 ई. में दी थी। इस परिकल्पना में ग्रहों की उत्पत्ति गैस व धूलकणों से मानी गई है।

40. निम्न में से किसने कहा था कि स्थलाकृति संरचना, प्रक्रम एवं अवस्था का फल है?
(A) डब्ल्यू. पेन्क (B) डब्ल्यू. एम. डेविस
(C) क्रिकमे (D) स्ट्रालर

40. (B) स्थलाकृति, संरचना, प्रक्रम एवं अवस्था का फल है। यह डब्ल्यू.एम. डेविस ने कहा था। इन कारकों को डेविस का त्रिकूट कहा जाता है। अपरदन द्वारा किसी स्थलरूप के विकास में संरचना का महत्वपूर्ण स्थान है। डेविस ने यहाँ संरचना शब्द का प्रयोग विस्तृत अर्थों में किया है।

41. स्टोन लैटिस निम्नलिखित में से किसकी क्रिया द्वारा निर्मित होते हैं?
(A) वायु (B) जल
(C) लहर (D) हिमानी प्रक्रम

41. (A) स्टोन लैटिस वायु द्वारा निर्मित होते हैं। स्टोन लैटिस स्थलाकृति मरुस्थलीय प्रदेशों में स्थित चट्टानें स्तूपों में पायी जाती हैं।, इस प्रकार की चट्टानों की संरचना में काफी विषमता पाई जाती है, और इनमें हवा द्वारा अपरदन भी भिन्न अनुपात में होता है, अतः चट्टानों में धीरे-धीरे छिद्र निकल जाते है, जो जालियुक्त दिखाई पड़ते हैं।

42. निम्न में से किसने प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त का प्रतिपादन किया?
(A) हैरी हेस (B) हालम
(C) डब्ल्यू. जे. मॉर्गन (D) हट्टजलर

42. (A) विवर्तन प्लेट सिद्धांत (1960) का प्रतिपादन हैरी हेस (Hess) ने किया था इनके अनुसार स्थलमंडल आंतरिक रूप से दृढ़ प्लेट का बना हुआ है और महाद्वीप तथा महासागरीय तली विभिन्न प्लेट के ऊपर स्थित हैं। ये प्लेट विभिन्न रूपों में गतिशील तथा प्रवाहित होते हैं जिसके कारण महाद्वीप तथा महासागरीय तली भी विस्थापित होती है।

43. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी धनुषाकार डेल्टा बनाती है?
(A) मिसीसिपी (B) गंगा
(C) नील (D) हडसन

43. (B) गंगा नदी धनुषाकार डेल्टा बनाती है। गंगा की प्रमुख शाखा नदियाँ जालंगी नदी, इच्छामती नदी, भैरव नदी, विद्याधरी नदी और कालिन्दी नदी हैं। नदियों के वक्र गति से बहने के कारण दक्षिणी भाग में कई धनुषाकार झीलें बन गयी हैं। ढाल उत्तर से दक्षिण है। अतः अधिकांश नदियाँ उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हैं।

44. निम्न में से किस भू-आकृति का निर्माण हिमानी अपरदन से नहीं हुआ है?
(A) संर्क (B) नूनाटक
(C) हॉर्न (D) ड्रमलिन

44. (A) रेग भू-आकृति का निर्माण हिमानी अपरदन से नहीं हुआ है, अर्थात् सर्क (Cirque) हिमनदों की क्रिया द्वारा निर्मित एक अपदरनात्मक भू-आकृति है। रॉक ग्लेशियरों द्वारा बड़ी मात्रा में रॉक कचरे को मोराइन कहा जाता है।

45. शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क प्रदेशों में मेंपड़ीमेण्ट एवं प्लाया के मध्य निक्षेप जनित मन्द ढाल वाले मैदानों को कहते हैं।
(A) बजादा (B) अर्ग
(C) रेग (D) सलिना

45. (A) शुष्क एवं अर्द्धशुष्क प्रदेशों में मेंपड़ीमेण्ट एक प्लाज्मा के मध्य निक्षेप जनित मन्द ढलान वाले मैदानों को वजाडा कहा जाता है। बहादा या बजादा (Bajada) : यह प्लाया तथा पर्वतीय अग्रभाग के मध्य मंद ढाल वाला मैदान होता है। इस मैदान का निचला भाग, जो प्लाया से मिलता है, बजादा कहलाता है। यह एक निक्षेप जनित स्थलाकृति है। इसका निर्माण अपरदित पर्वतीय भाग के निचले ढाल पर मौसमी नदियों द्वारा लाये गए जलोढ़ों द्वारा होता है। इसे मरुस्थल के निक्षेपात्मक मैदान के रूप में जाना जाता है।

46. निम्न लिखित में कौन-सी एक अपरदनात्मक स्थलाकृति नहीं है?
(A) कास्टविण्डो (B) डोलाइन्स
(C) लैपिज (D) स्टैलेग्माइट

46. (D) स्टैलेक्टाइट और स्टेलेग्माइट अपरदनात्मक स्थल आकृति नहीं है। ये चूना पत्थर वाले प्रदेशों में कंदराओं के अंदर बनने वाली प्रमुख निक्षेपात्मक स्थलाकृतियाँ हैं। चूना युक्त जल कंदरा की छत से रिस कर नीचे फर्श पर बूंदों के रूप में टपकने लगता है, तो अधिक ताप के कारण कंदरा की छत से टपकती हुई बूँदें वाष्पीकृत हो जाती

हैं और छत के निचले भाग में कैल्सियम कार्बोनेट का निक्षेप होने लगता है। यह निक्षेप समय के साथ लंबे और पतले स्तंभों के रूप में होता है जो कन्दरा की छत से फर्श की ओर बढ़ते जाते हैं। इन्हीं लटकते हुए स्तम्भों को स्टैलेमटादट कहा जाता है। यदि कंदरा की छत से रिसने वाले जल की मात्रा अधिक होती है, तो वह सीधे टपक कर कंदरा के फर्श पर पहुँच जाता है। इसका कुछ भाग फिर से वाष्पीकृत हो जाता है और कैल्सियम कार्बोनेट का जमाव फर्श पर होने लगता है। धीर-धीरे निक्षेप द्वारा स्तम्भ की ऊँचाई बढ़ती जाती है। इस प्रकार के स्तम्भ को स्टेलेग्माइट कहते हैं।

47. पवन के अपघर्षण कार्य द्वारा निम्नलिखित में से किस प्रकार की स्थलाकृति का निर्माण होता है?
(A) जालीदार शिला (स्टोनलैटिस)
(B) बालुका स्तूप
(C) तरंगचिह्न
(D) लोएस

47. (A) पवन के अपघर्षण कार्य द्वारा जालीदार शिला स्थलाकृति का निर्माण होता है, **जालीदार शिला**—मरुस्थलीय भागों में जब पवनों के सम्मुख विभिन्न संरचना वाली चट्टानें पड़ती हैं, तो कोमल भाग पवन द्वारा उड़ा लिये जाते हैं, किन्तु कठोर भाग यथावत् बने रहते हैं। इस प्रकार चट्टानों में जाली का निर्माण होता है, जिसे जालीदार शैल कहते हैं।

48. निम्न में से कौन ध्रुवीय वाताग्र सिद्धान्त का प्रतिपादक है?
(A) जे.ई.ओलीबर
(B) बी.क़र्बनीज एं जे. बर्कनीज
(C) पीआर पिनेट
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

48. (B) दो भिन्न स्वभाव वाली वायुराशियों (ताप, गति, घनत्त्व, आर्द्रता, दिशा आदि विशेषताओं के संदर्भ में) के मिलने से ढलुआ सतह का निर्माण होता है जिसे वाताग्र कहते हैं। ध्रुवीय वाताग्र के सिद्धांत का प्रतिपादन वी. बर्कनीज एवं जे. बर्कनीज ने किया था।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा युग 'महान हिमयुग' के लिए जाना, जाता है?
(A) इयोसीन (B) प्लीस्टोसीन
(C) प्लायोसीन (D) ओलिगोसीन

49. (B) प्लीस्टोसीन युग हिमयुग के लिये जाना जाता है। भू-गर्भिक समय पैमाने के 'प्लीस्टोसीन युग' (Pleistocene Epoch) के दौरान, जिसकी शुरुआत लगभग 10 लाख वर्ष या इससे अधिक वर्ष पूर्व हुई थी, लगभग इसी समय सभी महाद्वीपों में ग्लेशियरों का निर्माण हुआ था। अत्यधिक हिमाच्छादन के कारण ही इस युग को 'महान हिमयुग' की संज्ञा दी गई है।

50. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

लेखक	पुस्तक
a. स्ट्रैबो	1. एन्थ्रोपो–जियोग्राफी
b. वैरेनियस	2. ज्योग्राफिया
c. टॉलेमी	3. ज्योग्राफिया जेनरलिस
d. रैट्जेल	4. ज्योग्राफी

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	1	2	4	3
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

50. (C) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है—

लेखक	पुस्तक
a. स्ट्रैबो	4. जियोग्राफी
b. वैरेनियस	3. ज्योग्राफिया जेनरलिस
c. टालेमी	2. ज्योग्राफिया
d. रैट्जेल	1. एंथ्रोपो–जियोग्राफी

इस प्रकार विकल्प (C) सही है।

51. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
a. चिन्तनफलक	1. टी.एस. कुहन
b. सम्भववाद	2. वाइडल-डी-ला-ब्लाश
c. अमलैण्ड	3. आन्द्रे एलिक्स
d. मेगालोपोलिस	4. जीन गॉटमैन

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

51. (A) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है—

सूची-I	सूची-II
a. चिन्तनफलक	1. टी.एस.कुहन
b. सम्भववाद	2. वाइडल-डी-ला-ब्लाश
c. अमलैण्ड	3. आन्द्रे एलिक्स
d. मेगालोपोलिस	4. जीन गॉटमैन

52. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
a. फिजियोग्राफी	1. ई.सी. सेम्पल
b. इंफ्लुएन्स ऑफ जियोग्राफिक एन्वायर्नमेण्ट	2. आर.डी. सलिसबरी
c. सिविलाइजेशन एण्ड क्लाइमेट	3. एल्सवर्थ हटिंगटन
d. द पायोनियर फ्रिन्ज	4. बोमैन

	a	b	c	d
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	3	4
(C)	1	4	3	2
(D)	2	1	4	3

52. (A) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है।

सूची-I	सूची-II
a. फिजियोग्राफी	2. आर.डी. सलिसबरी
b. इंफ्लुएन्स ऑफ जियोग्राफिक एन्वायर्नमेण्ट	1. ई.सी. सेम्पल
c. सिविलाइजेशन एण्ड क्लाइमेट	3. एल्सवर्थ हटिंगटन
d. द पायोनियर फ्रिन्ज	4. बोमैन

53. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
a. क्षेत्र वर्णन/विवेचन की संकल्पना	1. रिचथोफेन
b. भ-दृश्य की संकल्पना	2. कार्ल-ओ-सावर
c. रिमलैण्ड की संकल्पना	3. स्पाइकमैन
d. जैविक राज्य की संकल्पना	4. रैट्जल

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	1	3	2	4
(D)	2	1	3	4

53. (A) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I	सूची-II
a. क्षेत्र वर्णन/विवेचन की संकल्पना	1. रिचथोफेन
b. भू-दृश्य की संकल्पना	2. कार्ल-ओ-सावर
c. रिमलैण्ड की संकलपना	3. स्पाइकमैन
d. जैविक राज्य की संकल्पना	4. रैट्जल

54. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
a. प्रत्यक्षवादी भूगोल	1. ऑगस्ट कॉम्टे
b. आचारपरक भूगोल	2. विलियम किर्क
c. मानववादी भूगोल	3. पी-फू-तुआन
d. नवनियतिवाद	4. विलियम टेलर

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	1	2	4	3
(D)	1	3	4	2

54. (A) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है।

सूची-I	सूची-II
a. प्रत्यक्षवादी भूगोल	1. ऑगस्ट कॉम्टे
b. आचारपरक भूगोल	2. विलियम किर्क
c. मानववादी भूगोल	3. पी-फू-तुआन
d. नवनियतिवाद	4. विलियम टेलर

55. निम्न में से किसने लिखा कि 'भूगोल भू-तल के परिवर्तनशील स्वरूप के यथार्थ, क्रमबद्ध तथा तर्क-संगत वर्णन एवं व्याख्या से सम्बन्धित है?

(A) कार्ल रिटर
(B) अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ड
(C) रिचथोफेन
(D) रिचर्ड हार्टशोर्न

55. (D) भूगोल भू-तल के परिवर्तनशील स्वरूप के यथार्थ, क्रमबद्ध तथा तर्कसंगत वर्णन एवं व्याख्या से सम्बन्धित है, यह परिभाषा रिचर्ड हार्टशोर्न ने दी है।

56. सहारा रेगिस्तान के पूर्वी भाग में उत्तर-पूर्व तथा पूर्व दिशा में पश्चिम दिशा में चलने वाली गर्म तथा शुष्क हवा को कहते हैं।

(A) हरमट्टन (B) हंबूब
(C) बाइस (D) गिब्ली

56. (A) सहारा रेगिस्तान में उत्तर-पूर्वी दिशा से "हरमट्टन" नामक हवाएँ चलती हैं। ये हवाएँ गर्म एवं शुष्क होती हैं। सहारा मरुस्थल की जलवायु शुष्क एवं विषम है। यहाँ दैनिक तापान्तर तथा वार्षिक तापान्तर दोनों अधिक होते हैं। यहाँ गर्मी में दिन का तापमान बढ़कर 58°C तक पहुँच जाता है, जबकि शीत ऋतु में रात का तापमान गिरकर 'हिमांक बिंदु' से नीचे चला जाता है।

57. पृथ्वी विद्युत चुम्बकीय लघु तरंगों के माध्यम से ऊर्जा (सूर्यताप) प्राप्त करती है, जिसका विकीर्णन होता है।

(A) फोटोस्फीयर से (B) आयनोस्फीयर से
(C) ऐटमोस्फीयर से (D) ट्रोपोस्फीयर से

57. (A) पृथ्वी विद्युत चुम्बकीय लघु तरंगों के माध्यम से ऊर्जा (सूर्यताप) प्राप्त करती है, इसका प्रकर्णन आयनो स्फीयर में होता है **पृथ्वी** से लगभग 80 किलोमीटर ऊँचाई के बाद का संपूर्ण **वायुमंडल** आयनमंडल कहलाता है। आयतन में आयनमंडल अपनी निचली हवा से कई गुना अधिक है, लेकिन इस विशाल क्षेत्र की हवा की कुल मात्रा वायुमंडल की हवा की मात्रा के 200 वें भाग से भी कम है। आयनमंडल की हवा आयनित होती है और उसमें **आयनीकरण** के साथ-साथ आयनीकरण के विपरीत क्रिया भी निरंतर होती रहती है। पृथ्वी से प्रेषित रेडियो तरंगें इसी मंडल से परावर्तित होकर पुनः पृथ्वी पर वापस लौट आती हैं।

58. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

कारण (A) बुरखान का पवनोन्मुखी, ढाल तीव्र होता है।

कारण (R) बरखान के शिखर पवन–दिशा को इंगित करते हैं।

कूट :

(A) A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A तथा R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है, किन्तु R गलत है।
(D) A गलत है, किन्तु R सही है।

58. (A) बरखान का पवनोन्मुखी ढाल तीव्र होता है साथ ही बरखान के शिखर पवन दिशा को इंगित करते हैं, अतःकथन (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है। बरखान (Barchan) अथवा बुरखान एक प्रकार के बालुका स्तूप हैं जिनकी आकृति अर्द्धचन्द्राकार होती है जो अक्सर समूहों में पाए जाते हैं। ये ऐसे रेगिस्तानों में बनते हैं जहाँ पवन वर्ष भर एक ही दिशा से बहती है, इनका पवनानुवर्ती ढाल मंद और उत्तल होता है जबकि दूसरी तरफ का ढाल तेज होता है और अर्द्ध-चन्द्र के दोनों नुकीले हिस्से, जिन्हें स्तूप शृंग कहा जाता है। पवन के बहाव की दिशा में आगे निकले हुए होते हैं।

59. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (माहसागरीय गर्त)	सूची-II (अवस्थिति)
a. टोंगा	1. दक्षिणी प्रशान्त में अवस्थित है।
b. चैलेन्जर	2. उत्तरी अटलाण्टिक में अवस्थित है।
c. रोमांशे	3. उत्तरी प्रशान्त में अवस्थित है।
d. नरेस	4. दक्षिणी अटलाण्टिक में अवस्थित है।

	a	b	c	d
(A)	1	3	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	1	4	3	2
(D)	4	1	2	3

59. (C) सूची-(I) तथा सूची-(II) का सही सुमेल इस प्रकार है–

सूची-I (माहसागरीय गर्त)	सूची-II (अवस्थिति)
a. टोंगा	1. दक्षिणी प्रशान्त महासागर में स्थित है।
b. चैलेन्जर	4. दक्षणी अटलाण्टिक में अवस्थित है।
c. रोमांशे	3. उत्तरी प्रशान्त में अवस्थित है।
d. नरेस	2. उत्तरीअटलाण्टिक में अवस्थित है।

इस प्रकार विकल्प (C) सही है।

60. फसल के लिए उपयुक्त बनाने के लिए किस प्रकार की मिट्टी का इलाज जिप्सम से किया जाता है?

(A) क्षारीय
(B) अम्लीय
(C) जलाक्रान्त
(D) अतिरिक्त मृदा के साथ मिट्टी

60. (A) क्षारीय मिट्टी में सुधार हेतु जिप्सम की आवश्यकता होती है। भूमि में सुधार हेतु प्रभावित भूमि की गहरी जुताई कर आवश्यकतानुसार जिप्सम की मात्रा मिलाई जाती है।

अर्थशास्त्र (Economics)

1. कीन्स का उपभोग का नियम लागू होता है–
(A) समाजवादी अर्थव्यवस्था पर
(B) मिश्रित अर्थव्यवस्था पर
(C) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था पर
(D) उपरोक्त सभी पर

1. (C) कीन्स का उपभोग का नियम पूँजीवादी अर्थव्यवस्था पर लागू होता है। कीन्स ने राज्य हस्तक्षेप की आवश्यकता का समर्थन करके पूंजीवाद को सुधारा जिससे समस्त मांग और रोजगार को बढ़ाया जाए और इस प्रकार इसे साम्यवाद की ओर जाने से बचाया जाए।
ऐसे व्यक्ति जो बाजार में प्रचलित मजदूरी पर कार्य करने के लिए तैयार हैं और जिन्हें रोजगार नहीं मिलता है उन्हें अनैच्छिक बेरोजगार कहेंगे तथा ऐसे व्यक्ति जो अपनी इच्छा से कार्य नहीं करना चाहते उन्हें एक एच्छिक बेरोजगार कह सकते हैं। वे सभी लोग जो काम चाहते हैं, उन्हें यदि चालू बराबर मजदूरी पर काम मिल जाए तो अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार की स्थिति होगी।

2. संरचनात्मक समायोजन सुविधा किसके द्वारा उपलब्ध कराई जाती है ?
(A) IMF (B) ADB
(C) WTO (D) IBRD

2. (A) संरचनात्मक समायोजन सुविधा आई.एम. एफ. (I.M.F.) द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की स्थापना ब्रेटनवुड सम्मेलन के निर्णयानुसार 27 दिसम्बर, 1945 को इसकी स्थापना वाशिंगटन में हुई थी, किन्तु इसने वास्तविक रूप में 1 मार्च, 1947 से कार्य प्रारंभ किया।
IBRD को अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर विश्व बैंक के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में विश्व बैंक निम्नलिखित संस्थाओं का समूह है–
(i) अन्तर्राष्ट्रीय विकास एवं पुनर्निर्माण बैंक (IBRD)
(ii) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)
(iii) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)
(iv) बहुपक्षीय निवेश गारण्टी संस्था (MIGA)
(v) निवेश विवादों को सुलझाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (ICSID)

3. यदि एक गाँव के कृषकों को तीन कोटियों में बाँटा छाता है–सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो यह कहलाता है–
(A) प्रणालीमत नमूनाकरण
(B) अनुक्रमित नमूनाकरण
(C) क्लस्टर नमूनाकरण
(D) बहुचरणीय नमूनाकरण

3. (B) यदि एक गाँव के कृषकों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाता है–सीमांत, छोटे और बड़े और फिर प्रत्येक कोटि से यादृच्छिक रूप से 50 कृषकों का एक नमूना लिया जाता है, तो यह अनुक्रमित नमूनाकरण कहलाता है।

4. वह कथन चुनिए जो ऋण जाल की संकल्पना को सही परिभाषित करता है–
(A) एक अर्थव्यवस्था की स्थिति जो पिछली उधारियों चुकाने के लिए उधार लेती है
(B) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियाँ चुकाने के लिए भुगतान करने से अधिक उधार लेती हैं
(C) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियों की ब्याज चुकाने तक के लिए उधार लेती हैं
(D) एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था की फॉरेक्स रिजर्व ग्रोथ रेट उसके बाह्य उधारियों के ग्रोथ रेट से पिछड़ता है

4. (C) कथन जो ऋण जाल की संकल्पना को सही परिभाषित करता है–एक स्थिति जब एक अर्थव्यवस्था पिछली उधारियों की ब्याज चुकाने तक के लिए उधार लेती है।

5. लैफर वक्र सम्बन्ध दर्शाता है–
(A) बढ़ी कर दरों और बढ़ी आय
(B) कम कर दरों और बढ़ी आय
(C) कम कर दरों और कम आय
(D) बढ़ी कर दरों और कम आय

5. (B) अमेरिकन अर्थशास्त्री आर्थर लैफर ने कर से राजस्व की प्राप्ति तथा कर की दर के मध्य सम्बन्ध के आधार पर यह प्रतिपादित किया कि कर की दर का इष्टतम स्तर होता है, जिससे ऊपर कर की वृद्धि के साथ कर राजस्व में कमी आती है और इसके नीचे कर देने में भी कर राजस्व में कमी आती है। आर्थर लैफर ने इष्टतम कर की दर को 30% बताया है।

6. चक्रीय योजना की अवधारणा की वकालत अपनी पुस्तक ''Indian Economic Planning in its Broader Setting'' में किसने की?
(A) ए. के. सेन
(B) जे. राबिन्सन
(C) जी. मिर्डन
(D) पी. सी. महालनोबिस

6. (C) प्रो. मिर्डल का कहना है कि आर्थिक विकास का परिणाम चक्रीय कार्यकरण प्रक्रिया होती है, जिनसे धनिकों को अधिक लाभ होता है और जो पिछड़ जाते हैं, उनके प्रयत्न व्यर्थ हो जाते हैं।

7. "निम्न सन्तुलन पाश" का सिद्धान्त किसने दिया था?
(A) हैरड (B) डोमर
(C) नेलसन (D) कुजनेट्स

7. (C) आर. आर. नेलसन ने अल्पविकसित देशों के लिए निम्न सन्तुलन पाश का सिद्धांत विकसित किया। उनके अनुसार अल्पविकसित देशों की पहचान यह है कि वह प्रति व्यक्ति आय का ऐसा स्तर है जो निर्वाह आवश्यकताओं पर या उनके निकट पहुँच कर स्थिर हो जाता है जिससे यह अर्थव्यवस्थाएँ निम्न संतुलन पाश की जकड़ में फँस जाती हैं।

8. हिक्स का व्यापार चक्र का सिद्धान्त आधारित है–
(A) बचत और विनियोग की अन्तः क्रिया पर
(B) मूल्यों की उच्चवचन पर
(C) व्यापार में विनियोग पर
(D) गुणक और त्वरण की अन्तः क्रिया पर

8. (D) हिक्स का व्यापार चक्र सिद्धान्त गुणक तब त्वरक की अन्त क्रिया पर आधारित है। आधुनिक अर्थशास्त्री हिक्स के अनुसार राष्ट्रीय आय तथा आर्थिक क्रियाओं में विस्तार तथा संकुचन गुणक तथा त्वरक के अन्तर्क्रिया के कारण होते हैं।

9. फिशर के समीकरण MV + M'V' में M व्यक्त करता है—
(A) वैधानिक मुद्रा को
(B) साख मुद्रा को
(C) उपरोक्त दोनों को
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. (A) फिशर ने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जिसके द्वारा मुद्रा के मूल्य का निर्धारण किया जाता है।
सूत्र– $P = \frac{MV + M'V'}{T}$
जहाँ P = सामान्य मूल्य स्तर
M = वैधानिक मुद्रा
V = वैधानिक मुद्रा का संचालन वेग
M' = साख मुद्रा
V = साख मुद्र का संचालन वेग
T = वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा

10. 'वास्तविक समग्र माँग' एवं 'वांछित समग्र माँग' के बीच के आधिक्य को कहा जाता है—
(A) माँग आधिक्य
(B) माँग अभाव
(C) स्फीतिक अन्तराल
(D) अवस्फीतिक अन्तराल

10. (C) वास्तविक समग्र माँग और वांछित समग्र माँग के बीच के आधिक्य को स्फीतिक अन्तराल कहा जाता है। 1940 में प्रकाशित अपनी पुस्तक How to pay for the war में कीन्स ने स्फीति अन्तराल की धारणा स्पष्ट की। कीन्स ने माँग आधिक्य के क्लासिकल दृष्टिकोण को अस्वीकार कर दिया तथा यह प्रतिपादित किया कि मुद्रा की प्रत्येक वृद्धि के फलस्वरूप समग्र

व्यय में होने वाली प्रत्येक वृद्धि स्फीति को जन्म नहीं देगी। कीन्स ने पूर्ण रोजगार स्तर पर व्यय के आय से बढ़ जाने को स्फीति का कारण माना है। उनके अनुसार स्फीति एक पूर्ण रोजगार प्रतिभास है। जब तक अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार की स्थिति नहीं होगी, समग्र व्यय में वृद्धि मूल्यस्तर में वृद्धि नहीं लायेगी।

11. 'फेमा' सम्बन्धित है—

(A) विदेशी विनिमय के नियमन से

(B) विदेशी विनिमय के प्रबन्धन से

(C) विदेशी विनिमय के अर्जन से

(D) विदेशी विनिमय के संरक्षण से

11. (B) 'फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट 'फेमा' विदेशी विनिमय के प्रबन्धन से संबंधित है। फेमा–1999 बाह्य व्यापार तथा भुगतान को सुविधाजनक बनाने एवं भार में विदेशी मुद्रा बाजार के सुव्यवस्थित विकास और उसकी स्थिरता का संवर्धन करने के उद्देश्य के विदेशी मुद्रा विनिमय अधिनियम के स्थान पर 1 जून, 2000 से विदेशी मुद्रा प्रबन्धन अधिनियम (FEMA) लागू किया गया।

12. यदि किसी वस्तु की कीमत ₹ 20 रुपये हो तथा माँग की लोचशीलता 2.5 हो तो उत्पादकर्ता का सीमान्त आगम होगा—

(A) ₹ 8 (B) ₹ 50

(C) ₹ 12 (D) ₹ 18.5

12. (C) $C = \frac{AR}{AR - MR}$

[औसत आय वस्तु का मूल्य है]

$= \frac{P}{P - MR}$

$2.5 = \frac{20}{20 - MR}$

$\Rightarrow \quad 20 - MR = 8$

$\Rightarrow \quad 20 - 8 = MR$

$\Rightarrow \quad MR = 12$

अतः सीमान्य आय = ₹ 12

13. मार्शल के माँग वक्र को प्रकटित अधिमान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है यदि निम्नलिखित में से किसी एक की उपेक्षा कर दी जाये :

(A) मूल्य प्रभाव (B) आय प्रभाव

(C) प्रतिस्थापन प्रभाव (D) माँग प्रभाव

13. (B) प्रो. सेम्युल्सन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण मांग के सिद्धांत के संबंध में एक युगांतकारी घटना के रूप में स्वीकार किया जाता है, क्योंकि इसने मांग के सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रों के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक या क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाते हुए प्रत्यक्षरूप से व्यक्त अधिमान के आधार पर किया। सेम्युल्सन यह प्रतिपादित करते हैं कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह सामान स्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा।

14. दो राष्ट्रों में यदि एक राष्ट्र को सभी वस्तुओं के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ प्राप्त है, तो :

(A) कोई तुलनात्मक लाभ प्राप्त नहीं होगा और इसीलिए व्यापार भी नहीं होगा

(B) व्यापार से कुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन अकुशल को नहीं

(C) व्यापार से अकुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन कुशल को नहीं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. (C) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का निरपेक्ष लाभ का दृष्टिकोण एडम स्मिथ द्वारा प्रस्तुत किया गया। एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का पिता कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार उस स्थिति में लाभप्रद होगा जब दोनों देश अलग–अलग वस्तुओं के उत्पादन में एक–दूसरे की तुलना में निरपेक्ष रूप से लाभ प्राप्त करते हैं।

15. ब्रैटन वुडस व्यवस्था :

(A) ने करेन्सियों के स्थिर समता मूल्यों को स्थापित किया

(B) को समायोजित पैग्स की पद्धति होना था

(C) से आशा थी कि लगातार अतिरेक वाले देश अपनी करेंसियों का अवमूल्यन करेंगे

(D) द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् मुद्रा प्रसार को कम करने के लिये स्थापित की गई थी

15. (A) द्वितीय विश्व युद्ध ने विदेशी विनियम और व्यापार के क्षेत्रों में अव्यवस्था उत्पन्न कर दी, जिसके फलस्वरूप इस समस्या के दीर्घकालीन एवं स्थायी हल के लिए अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की आवश्यकता अनुभव की गई। अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की स्थापना के लिए 1944 में अमेरिका के ब्रेटनवुड्स नामक स्थान पर एक अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सम्मेलन बुलाया जिसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और पर्याप्त विचार–विमर्श के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और भुगतान की कठिनाइयों से छुटकारा प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई।

16. 'असंतुलित विकास' प्राक्कलन इस मान्यता पर बनाया गया है कि :

(A) विस्तार विभिन्न दिशाओं में एक साथ होता है

(B) पूँजी और कुशल श्रम की पूर्ति दुर्लभ है

(C) श्रम और पूंजी की पूर्ति असीमित है

(D) विकासशील देशों में विकास दर की उच्चतम सीमा है

16. (B) 'असंतुलित विकास' प्राक्कलन इस मान्यता पर बनाया गया है कि पूँजी और कुशल श्रम की पूर्ति दुर्लभ है।

'असंतुलित विकास' के प्रवर्तक हर्षमैन हैं। हर्षमैन का कथन है कि विकास की प्रारंभिक अवस्था में निवेश ऐसे क्षेत्रों में केन्द्रित किये जाने चाहिए जो आगे चलकर विकास की दर को बढ़ाने वाले हों। चूँकि आर्थिक विकास असंतुलनों की एक शृंखला के द्वारा होता है। अतः एक पूर्ण निर्धारित योजना के अनुसार अर्थव्यवस्था का जानबूझकर असंतुलित विकास किया जाना आर्थिक विकास का सबसे अच्छा तरीका है। असंतुलन उत्पन्न करके ही अर्थव्यवस्था का विकास किया जा सकता है और यह तभी संभव है जब (i) सामाजिक उपरिव्यय पूँजी (SOC) अथवा (ii) प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) में विनियोग किया जाए।

17. 1991 की नई उद्योग नीति का प्रमुख उद्देश्य था–

(A) एम. आर. टी. पी. ऐक्ट के अवरोधों का निराकरण करना

(B) सार्वजनिक उद्यमों का विखंडन करना

(C) भारतीय औद्योगिक अर्थव्यवस्था को अनावश्यक नौकरशाही से मुक्त करना

(D) प्रत्यक्ष विदेश सम्बन्धी अवरोधों को दूर करना

17. (A) 1991 की औद्योगिक नीति में एकाधिकार एवं प्रतिबन्धात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली कम्पनियों की परिसम्पत्ति सीमा को समाप्त कर दिया गया। इसलिए अब इन इकाइयों की स्थापना, विस्तार, विलयन, समामेलन तथा आधुनिकीकरण के लिए तथा निवेशकों की नियुक्ति के लिए केन्द्र सरकार से पूर्वानुमति लेना आवश्यक नहीं रह गया।

18. मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार, मुद्रा के मात्रात्मक सिद्धान्त का संबंध इससे है :

(A) कीमतों (B) आय

(C) मुद्रा की आपूर्ति (D) मुद्रा की माँग

18. (D) शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो. फीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की। अपने सैद्धांतिक तथा अनुभवगम्य दोनों तरह के विश्लेषणों में उन्होंने मुद्रा की माँग और आय प्रचलन वेग पर ध्यान केन्द्रित किया। सैद्धांतिक विश्लेषण में फ्रीडमैन ने

कहा कि मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कुल मिलाकर मुद्रा की माँग के अलावा और कुछ भी नहीं है।

19. निम्नलिखित वक्रों में से कौन-सा एक आकार का नहीं होता?

(A) AVC वक्र (B) AFC वक्र

(C) AC वक्र (D) MC वक्र

19. (B) FC वक्र U आकार का नहीं होता बल्कि इसका आकार आयताकार अतिपरवलय होता है जिसके प्रत्येक बिन्दु पर माँग की लोच इकाई होती है उसे निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट किया जा सकता है–

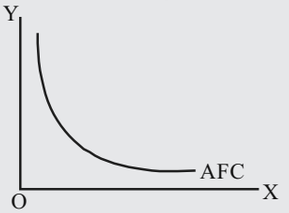

20. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेल कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I (वक्र)

(a) प्रस्ताव वक्र

(b) लाफर वक्र

(c) लोरेंज वक्र

(d) विमंगी वक्र

सूची–II (विचार)

(1) बाजार का विभाजीकरण

(2) निश्चय (स्टिकी) कीमत

(3) अन्योन्य माँग

(4) असमानताएँ

(5) लोक राजस्व

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	5	3
(B)	3	5	4	2
(C)	1	5	3	2
(D)	4	2	3	1

20. (B) प्रस्ताव वक्र – अन्योन्य माँग
लाफर वक्र – लोक राजस्व
लोरेंज वक्र – असमानतायें
विमगी वक्र – निश्चय कीमत

21. प्रकटित वरीयता सिद्धान्त का उपयोग किया जा सकता है–

(A) एक तटस्थता वक्र की उन्नतोदरता करने के लिए

(B) कीमत–प्रभाव को अलग करने के लिए

(C) माँग के नियम के मूलभूत साध्य (प्रस्ताव) को सिद्ध करने के लिए

(D) इनमें से सभी के लिए

21. (C) अल्पाधिकार में कीमत स्थिरता के संबंध में सबसे लोकप्रिय व्याख्या विकुंतिच स्थिरता के संबंध में सबसे लोकप्रिय व्याख्या विकुंचित (kinked) माँग वक्र सिद्धांत की है, जिसका प्रतिपादन Paul M. Sweezy ने किया। इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। विकुंचन वर्तमान कीमत स्तर पर इसलिए होता है क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान कीमत से मांग वक्र का नीचे का भाग बेलोचदार होता है।

22. राष्ट्रीय लेखा में व्यय – योग आय की गणना इस रूप में की जाती है–

(A) जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर –अवितरित लाभ

(B) जी.एन.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान –कर + अवितरित लाभ

(C) जी.डी.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

(D) जी.एन.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

22. (A) राष्ट्रीय लेखा में व्यय–योग्य आय की गणना निम्न प्रकार की जाती है–
व्यय योग्य आय – जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान– कर – अवितरित लाभ।

23. स्थायी आय परिकल्पना के अनुसार–

(A) दीर्घकालीन कुल औसत प्रवृत्ति (APC) दीर्घकालीन कुल सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) के बराबर होती है

(B) दीर्घकालीन कुल औसत उपभोग प्रवृत्ति दीर्घकालीन कुल सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति से अधिक होती है

(C) दीर्घकालीन कुल औसत उपभोग प्रवृत्ति दीर्घकालीन कुल सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति से कम होती है

(D) परिवारों की आय के विभिन्न स्तरों से निरपेक्ष प्रत्येक व्यक्ति की औसत उपभोग प्रवृत्ति समान होती है।

23. (A)

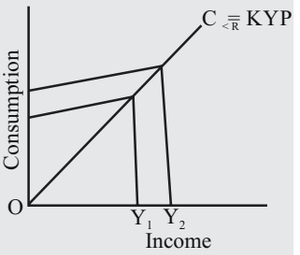

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि स्थायी उपभोग फलन दीर्घकालीन उपभोग C_{LR} वक्र द्वारा प्रदर्शित है। यह दीर्घकालीन उपभोग फलन वक्र उपभोग तथा आय के बीच आनुपातिक संबंध प्रदर्शित करता है तथा मूल बिंदु से हो कर जाने वाली सीधी रेखा है। जिसका अर्थ है APC स्थिर तथा MPC के समान होता है।

24. प्रगटित अधिमान धारणा आधारित है–

(A) कमजोर क्रमबद्धता

(B) बहु क्रमबद्धता

(C) स्थिर क्रमबद्धता

(D) मजबूत क्रमबद्धता

24. (D) प्रकटित अधिमान दृष्टिकोण (Revealed Preference Approach) का प्रतिपादन प्रो. पॉल सेम्युल्सन ने 1948 में किया। सेम्युलसन यह प्रतिपादित करते हैं कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा।

मान्यताएँ–

1. विवेक पूर्ण व्यवहार।
2. सकर्मता –A > B तथा B > C तो A > C होगा।
3. व्यक्त अधिमान की अवधारणा।
4. उपभोक्ता की रुचि दी हुई है।
5. सबल क्रमबद्धता की मान्यता।
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा।

उपर्युक्त मान्यताओं के आधार पर सेम्युल्सन कहते हैं कि जब कोई उपभोक्ता बाजार से वस्तुओं के एक संयोग के क्रय का निर्णय करता है, इस निर्णय के दो कारण हो सकते हैं–

(1) वह वस्तुओं के अन्य संयोग की तुलना में उस संयोग को अधिक चाहता है।

(2) वह संयोग अन्य संयोगों की तुलना में संस्था है।

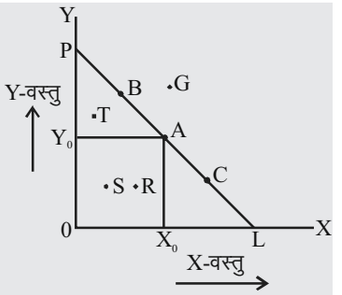

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता ने A संयोग को चुना है जबकि बजट रेखा के अन्दर स्थित सभी बिन्दु अधिक व्यय करने वाले नहीं थे, ऐसी स्थिति में A को POL बजट क्षेत्र के भीतर सभी संयोगों की तुलना में वरीयता प्राप्त होगी।

25. विकास के आरम्भिक चरणों में जनसंख्या विस्फोट मुख्यतः निम्न कारणों से होता है–

(A) जन्मदर में तेजी से वृद्धि

(B) मृत्युदर में तेजी से गिरावट

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) अप्रवास की बढ़ती दर

25. (C) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त में द्वितीय अवस्था में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति होती है। द्वितीय अवस्था में अर्थव्यवस्था आर्थिक विकास की अवस्था में धीरे–धीरे पहुँचती है। कृषि के साथ उद्योग क्षेत्र का भी विकास होने लगता है। लोगों की आय, उपभोग के स्तर, शिक्षा, रहन–सहन के स्तर में वृद्धि होती है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में कमी आती है व जन्म दर लगभग स्थिर बनी रहती है जिसके कारण जनसंख्या की निरंतर वृद्धि के कारण 'जनसंख्या विस्फोट' की स्थिति दृष्टि गोचर होती है। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आय की वृद्धि के बावजूद भी प्रति व्यक्ति आय में निरंतर कमी होती है।

26. NNP बराबर–

(A) C + 1 + G (X – m)

(B) C + 1 + G (X – M)

(C) GNP – घिसावट व्यय

(D) GDP + (अप्रत्यक्ष कर)

26. (C) जब सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) में से पूँजी स्टॉक की खपत या मूल्य ह्रास को घटाया जाता है तो शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) की प्राप्ति होती है।

NNP = GNP – मूल्य ह्रास (Depreciation)

27. सट्टेबाजी के लिए मुद्रा की माँग होती है–

(A) ब्याज निर्धारक (B) ब्याज निर्धारित

(C) आय निर्धारक (D) आय निर्धारित

27. (B) कीन्स के तरलता अधिमान सिद्धान्त के अनुसार लेन देन तथा पूर्वकल्पी उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग पर निर्भर करती है जबकि सट्टा उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग ब्याज दर पर निर्भर करती है।

28. पुस्तक 'प्रोब्लम ऑफ केपीटल फॉर्मेशन इन अण्डरडेवलप्ड कन्ट्रीज' के लेखक हैं–

(A) पी.सी. महालनोबिस

(B) जे. शुम्पीटर

(C) जी. मिर्डल

(D) आर नर्क्स

28. (D) पुस्तक "Problem of capital formation in undeveloped countries" के लेखक आर. नर्क्स हैं।

29. निम्न में से कौन लर्नर के एकाधिकारी शक्ति की कोटि के माप को प्रदर्शित नहीं करता–

(A) $\frac{1}{e}$ (B) $\frac{P - MC}{P}$

(C) $\frac{P - MR}{P}$ (D) $1 - \left(\frac{1-e}{e}\right)$

29. (A) $\frac{1}{e}$ लर्नर के एकाधिकारी शक्ति की कोटि के माप को प्रदर्शित नहीं करता।

एकाधिकारी शक्ति की कोटि

$= \frac{AR - MC}{AR}$

$= \frac{P - MC}{P}$

30. भारतीय अर्थव्यवस्था में किस काल में योजना अवकाश रहा?

(A) 1947–51 (B) 1963–66

(C) 1966–69 (D) 1977–79

30. (C) भारतीय अर्थव्यवस्था में 1966–69 के काल में योजना अवकाश रहा। चतुर्थ योजना को 1 April, 1966 से प्रारंभ होना था, किन्तु तृतीय योजना की असफलता के कारण अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन लगभग स्थिर सी हो गयी थी। जून, 1966 में रुपये का अवमूल्यन किया गया, किन्तु इसके अनुकूल परिणाम नहीं निकले। अतः चौथी योजना को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया तथा उसके स्थान पर तीन वार्षिक योजनाएं चलायी गईं, जिसे 'योजना अवकाश' कहा गया, क्योंकि इस अवधि में कोई नियमित नियोजन नहीं किया गया।

31. उपभोक्ता बचत के सिद्धान्त की परिकल्पना इनमें से किसके द्वारा प्रतिपादित की गयी?

(A) रिकार्डो (B) फिशर

(C) मार्शल (D) पिगू

31. (C) मार्शल ने उपभोक्ता की बचत का सिद्धान्त का प्रतिपादन दैनिक जीवन में होने वाले अनुभव के आधार पर किया। यह धारणा सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम पर आधारित है। उपभोक्ता की बचत की मार्शल सिद्धांत उपयोगिता की संख्यात्मक माप पर आधारित है।

32. किसी देश के विकास स्तर के अनुमान अथवा तुलना करने के लिए अन्य बातों के साथ निम्नलिखित अभिलक्षण प्रयोग में लाये जा सकते हैं–

(A) कृषि से उत्पन्न राष्ट्रीय आय का प्रतिशत

(B) व्यापार से सम्बन्धित सकल राष्ट्रीय उत्पाद का प्रतिशत

(C) प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग

(D) उपर्युक्त सभी

32. (D) किसी देश के विकास स्तर के अनुमान अथवा तुलना करने के लिए अन्य बातों के साथ निम्नलिखित अभिलक्षण प्रयोग में लाये जा सकते हैं–

1. कृषि से उत्पन्न राष्ट्रीय आय का प्रतिशत।
2. व्यापार से सम्बन्धित सकल राष्ट्रीय उत्पाद का प्रतिशत।
3. प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग।

33. सूची–I (ब्याज का सिद्धान्त) का सूची–II (लेखक) के साथ सुमेल कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I

a. ब्याज का उपभोग–स्थगन सिद्धांत

b. ब्याज का समय–अधिमान सिद्धांत

c. ब्याज का कर्ज–योग्य निधि सिद्धांत

d. ब्याज का तरलता–अधिमान सिद्धांत

सूची–II

1. नट विकसेल
2. इरविंग फिशर
3. एन.डब्ल्यू. सीनियर
4. जे. एम. कीन्स

कूट :

	a	b	c	d
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	4	1

33. (B) ब्याज का उपभोग स्थगन सिद्धांत–एन. डब्ल्यू सीनियर

ब्याज का समय अधिमान सिद्धांत– इरविंग फिशर

ब्याज का कर्ज योग्य सिद्धांत–नट विकसेल

ब्याज का तरलता अधिमान सिद्धांत–जे. एम. कीन्स

34. सूची–I (निवेश की कसौटी) का सूची–II (लेखक) के साथ सुमेल कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I

a. पूँजी आवर्त कसौटी

b. सामाजिक सीमान्त उत्पादकता कसौटी

c. काल श्रेणी कसौटी

d. पुनर्निवेश दर कसौटी

सूची–II

1. गेलेन्सन–लीबेन्स्टीन
2. ए.के. सेन
3. कान–चेनरी
4. बुचानन–पोलक

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	4	2	3	1
(C)	1	2	3	4
(D)	1	3	2	4

34. (A) पूँजी आवर्त कसौटी–वुचानन पोलक
सामाजिक सीमांत उत्पादकता कसौटी–कान चेनरी
काल श्रेणी कसौटी–ए.के. सेन
पुनर्निवेश कसौटी–गेलेन्सन लीवेन्सटीन

35. कीन्स के सामान्य सिद्धान्त में निवेश तथा बचत की मुख्यतया निम्नलिखित में परिवर्तन के जरिए बराबरी पर लाया जाता है–

(A) ब्याज दर

(B) मुद्रा का आय वेग

(C) राष्ट्रीय आय

(D) कीमतों का स्तर

35. (C) जब किसी आय के स्तर पर उद्यमियों द्वारा इच्छित निवेश लोगों द्वारा की जाने वाली बचत से अधिक होता है तो इसका अर्थ यह है कि समस्त मांग कुल उत्पादन अथवा समस्त पूर्ति से अधिक होगी। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय उत्पादन बढ़ाया जायेगा जिससे राष्ट्रीय आय बढ़ेगी और जब बचत अधिक होगी तो राष्ट्रीय आय घट जायेगी। इस प्रकार बचत और निवेश में राष्ट्रीय आय में परिवर्तन के द्वारा संतुलन स्थापित किया जाता है।

36. संघ सरकार के चालू राजस्व में निम्नलिखित में से कौन–सी मदें सम्मिलित नहीं हैं?

1. कर राजस्व
2. करेतर राजस्व
3. कर्जे
4. छोटी बचतें
5. ब्याज आदयगियाँ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1, 2 और 5 (B) 3 और 4

(C) 1, 3, 4 और 5 (D) 2 और 5

36. (B) कर राजस्व, करेतर राजस्व और ब्याज दायगियों को चालू राजस्व में सम्मिलित किया जाता है, जबकि कर्जों और छोटी बचतों को पूँजीगत राजस्व में सम्मिलित किया जाता है।

37. मूल फिलिप्स वक्र निम्न में से दो में सम्बन्ध मानता है–

1. बेरोजगारी की दर
2. बेरोजगारी का स्तर
3. मौद्रिक मजदूरी में वृद्धि की दर
4. वास्तविक मजदूरी में वृद्धि की दर

कूट के अनुसार सही समूह का चयन करें :

कूट :

(A) 1 और 2 (B) 1 और 4

(C) 2 और 4 (D) 1 और 3

37. (D) फिलिप्स वक्र ब्रिटिश अर्थशास्त्री ए. डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा 1958 में प्रस्तुत किया गया जिसके द्वारा ब्रिटेन में 1861–1913 की अवधि में मौद्रिक मजदूरी तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया था, परन्तु बाद में मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध व्यक्त किया गया था, परन्तु बाद में मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच सम्बन्ध दिखाने के लिए किया जाने लगे। इस प्रकार फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा स्फीति (मौद्रिक मजदूरी) में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते हैं–

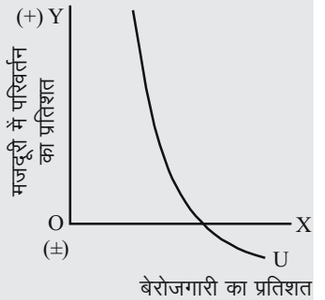

इस रेखाचित्र के आधार अक्ष पर बेरोजगारी का प्रतिशत तथा y-अक्ष पर मजदूरी में परिवर्तन प्रदर्शित है। इन दोनों का एक गैर-रैखिक वक्र है।

38. भारत की व्यापार नीति में ऋणात्मक सूची (Negative List) उन वस्तुओं की सूची है जिनका–

(A) व्यापार गैरकानूनी है

(B) जिनका व्यापार निषिद्ध है

(C) जिन्हें व्यक्ति एवं संस्थाएं नहीं मँगा सकते

(D) जिनका व्यापार या तो प्रतिबंधित है, या निषेधित है या कैनालाइज्ड (केवल विशिष्ट संस्थाओं के द्वारा आयात किया जा सके)

38. (D) भारत की व्यापार नीति में ऋणात्मक सूची में उन वस्तुओं की सूची है जिनका व्यापार या तो प्रतिबंधित है, या निषेधित है या कैनालाइज्ड (केवल विशिष्ट संस्थाओं के द्वारा आयात किया जा सके)।

39. किसी अर्थशास्त्री के अनुसार आर्थिक अवस्थापना का तात्पर्य निम्नलिखित में किससे है?

(A) विद्युत–परिवहन–उद्योग

(B) विद्युत–रेलवे–उद्योग

(C) विद्युत–परिवहन–निर्यात

(D) विद्युत–परिवहन–शिक्षा

39. (D) किसी अर्थशास्त्री के अनुसार, आर्थिक अवस्थापना का तात्पर्य विद्युत परिवहन एवं शिक्षा से है। अतः दिये गये विकल्पों में से (D) विकल्प सही है।

40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

हैरड के संवृद्धि मॉडल मे (यदि तकनीकी प्रगति को शून्य माना जाए) ''क्षुरधार'' समस्या होती है क्योंकि–

1. संवृद्धि की प्राकृतिक दर को बाहर से दिया जाता है
2. पूँजी उत्पाद अनुपात स्थिर है
3. तकनीकी प्रगति नहीं होती है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 तथा 3

(C) केवल 1 तथा 2 (D) 1, 2 तथा 3

40. (D) हैराड के मॉडल में क्षुरीधार संतुलन या अस्थिरता की स्थिति इसलिए उत्पन्न होती है, क्योंकि इसकी आधारभूत मान्यताओं में दृढ़ता है। हैराड में स्थिर उत्पादन फलन एक स्थिर तथा अनुपात तथा स्थिर श्रम शक्ति की मान्यता देता है।

41. रॉल प्रेबिश का तर्क, किस पर, व्यापार चक्रों के प्रभावों से सम्बन्धित है?

(A) व्यापार की शर्तें (B) भुगतान संतुलन

(C) उत्पादन (D) उपभोग

41. (A) रॉल प्रेविश का तर्क व्यापार की शर्तों पर व्यापार चक्रों के प्रभावों से संबंधित है। प्रेविश यह बताते हैं कि विकसित देशों के साथ व्यापार करने पर विकासशील देशों को क्यों हानि होती है। व्यापार की शर्तें

हमेशा विकसित देशों के पक्ष में क्यों होता है? इसकें लिए प्रेविश ने अपने मॉडल में विश्व को दो भागों में बाँटा है–

1. परिधीय देश (Periphery Country)
2. केन्द्रीय देश (Central Country)

केन्द्रीय देश कम जनसंख्या वाले देश होते हैं। ये पूँजी प्रधान व तकनीकी रूप से विकसित होते हैं और पूँजीगत वस्तुओं का निर्यात करते हैं।

जबकि परिधीय देश प्रायः श्रम प्रधान होते हैं और निर्यात में प्राप्त खनिज, ताँबा, लोहा, कृषि पदार्थ, रबड़ इत्यादि शामिल होते हैं।

इस प्रकार व्यापार विकसित देशों के पक्ष में तथा व्यापार जनित लाभों का वितरण भी अनुचित रूप से होता है।

42. पूर्ण बाजार के अन्तर्गत दीर्घकाल में किसी फर्म को सन्तुलन की दशा में मिलेगा–

(A) सामान्यत लाभ

(B) शुद्ध लाभ

(C) शुद्ध हानि

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. (A) दीर्घकाल में फर्म अपने उत्पादन के पैमाने अर्थात् प्लांट के आकार में परिवर्तन ला सकती है। नयी फर्में उद्योग में प्रवेश भी कर सकती हैं तथा उद्योग की फर्म उद्योग छोड़कर जा भी सकती है। दीर्घकाल में फर्म उस समय की स्थिति में होगी, जब उसने अपने प्लांट को इस प्रकार समायोजित कर लिया हो जिससे अपनी दीर्घकालीन औसत लागत वक्र (LAC) के न्यूनतम बिंदु पर उत्पादन कर रही हो तथा इसी बिंदु पर औसत आय (AR) रेखा दीर्घकालीन लागत वक्र की स्पर्श रेखा भी हो। इस स्थिति में फर्म सामान्य लाभ अर्जित करेगी। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है–

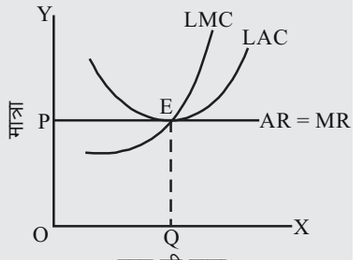

43. निम्नलिखित में से मौलिक रूप से, कौन केन्द्रीय बैंकिंग का कार्य नहीं है–

(A) नोट जारी करने वाला प्राधिकरण

(B) बैंकों का बैंक

(C) सरकार का बैंक

(D) औद्योगिक विकास का उन्नत्तिकर्ता

43. (D) केन्द्रीय बैंक देश का सर्वोच्च बैंक होता है। इसे देश की संपूर्ण बैंकिंग तथा मौद्रिक व्यवस्था में केन्द्र स्थान प्राप्त होता है तथा यह संपूर्ण साख तथा मुद्रा प्रणाली का नियंत्रण होता है। केन्द्रीय बैंक के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

1. पत्र मुद्रा का निर्गमन।
2. सरकार के बैंक के रूप में।
3. बैंकों के बैंक के रूप में।
4. साख के नियंत्रण।
5. केन्द्रीय बैंक राष्ट्र की स्वर्ण निधि तथा विदेशी विनिमय कोषों के अभिरक्षक के रूप में कार्य करता है।
6. केन्द्रीय बैंक देश के आर्थिक विकास में सहायक होता है।

44. पैरेटो-अनुकूलतम की आधारभूत अवधारणायें कौन-सी हैं?

1. उपभोक्ता उपयोगिता को अधिकतम करता है।
2. केवल दो उत्पादन के साधन होने चाहिये।
3. उत्पादन में बाह्य मितव्ययितायें पायी जाती हैं।
4. उत्पादन–साधन एवं उत्पाद बाजारों में पूर्ण प्रतियोगिता हैं।

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 1 तथा 2 (B) 2 तथा 3

(C) 3 तथा 4 (D) 1 तथा 4

44. (D) परेटो अनुकूलतम की सीमांत दशायें पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत पूर्ण रूप से संतुष्ट होती हैं परंतु वास्तविकता में पूर्ण प्रतियोगिता की ये आवश्यकतायें कभी भी पूरी नहीं होतीं क्योंकि अल्पाधिकार, द्वयाधिकार तथा एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता वास्तविक जगत में पाये जाते हैं परंतु एकाधिकार के अंतर्गत परेटो की इष्टतम दशायें कभी भी प्राप्त नहीं हो सकती, क्योंकि भिन्न–भिन्न उपभोक्ताओं की स्थानापन्नता की सीमांत दरें सामान नहीं होंगी।

45. एक पूर्ण प्रतियोगी उद्यम का अल्पकालीन पूर्ति वक्र है–

(A) तालाबन्दी बिन्दु से ऊपर को उठाता हुआ MC वक्र

(B) AC वक्र के ऊपर का MC वक्र

(C) समस्त MC वक्र

(D) MC वक्र का ऊपर उठता हुआ हिस्सा

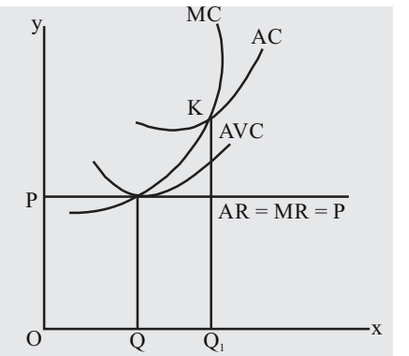

45. (A) एक पूर्ण प्रतियोगी फर्म (उद्यम) के अल्पकालीन पूर्ति वक्र के संदर्भ में दो नियम हैं–

1. औसत परिवर्तनशील लागत (तालाबंदी बिंदु) से कम कीमत होने पर फर्म वस्तु की पूर्ति शून्य रखेगी।
2. औसत परिवर्तनशील लागत (AVC) से अधिक कीमत होने पर फर्म कीमत तथा सीमांत लागत (MC) को समान बनाएगी।

इन दो नियमों से यह निष्कर्ष निकलता है कि पूर्ण प्रतियोगिता की अवस्था में औसत परिवर्तनशील लागत से ऊपर स्थित सीमांत लागत वक्र ही फर्म का पूर्ति वक्र होता है।

46. ''एक मूर्ख के अतिरिक्त प्रत्येक जानता है कि निम्न वर्ग को गरीब रखना आवश्यक है वरना वे कभी भी मेहनती नहीं रहेंगे।'' यह वाक्य किसने लिखा है?

(A) आर्थर यंग (B) काल मार्क्स

(C) माल्थस (D) सी. एच. विल्सन

46. (A) आर्थर यंग ने कहा, कि 'एक मूर्ख के अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि निम्न वर्ग को गरीब रखना आवश्यक है, वरन वे कभी भी मेहनत नहीं करेंगे।

47. समष्टि अर्थशास्त्र संबंधित है–

(A) वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन स्तर से

(B) सामान्य कीमत स्तर से

(C) आय की वृद्धि से

(D) उपर्युक्त सभी

47. (D) अर्थशास्त्र की वह प्रशाखा जिसके अंतर्गत समूची अर्थव्यवस्था के समग्र स्तरीय व्यवहार का अध्ययन किया जाता है उसे समष्टि अर्थशास्त्र का नाम दिया जाता है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय आय, सामान्य कीमत स्तर, समग्र रोजगार वास्तविक उत्पादन की वृद्धि आदि का अध्ययन किया जाता है।

48. द्वितीय महायुद्ध के उपरान्त निम्न मदों में से कौन मुख्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय तरलता के लिए जिम्मेदार हैं?

1. स्वर्ण
2. डॉलर
3. अन्य परिवर्तनशील मुद्राएँ
4. एस.डी. आर.

कूट :

(A) 1, 2 और 4 (B) 1 और 3
(C) 2 और 3 (D) 3 और 4

48. (A) अंतर्राष्ट्रीय तरलता के अंतर्गत उपरोक्त चारों विकल्प अर्थात् स्वर्ण भंडार (मौद्रिक प्राधिकार के पास), एक देश के पास डॉलर की मात्रा व अन्य परिवर्तनशील विदेशी मुद्राएँ तथा विशेष आहरण अधिकार (Special Drawing Rights–SDR) को शामिल किया जाता है, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध विशेषकर वर्ष 1970 के बाद से स्वर्ण, डॉलर तथा एस.डी.आर. (HDR) ही मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय तरलता के लिए जिम्मेदार हैं।

49. निम्नलिखित रेखाचित्र में Q_1 बिन्दु पर माँग लोच है।

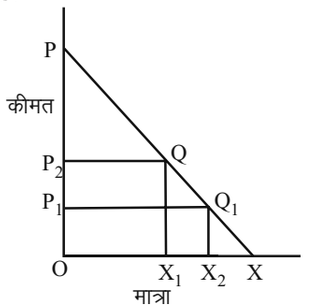

(A) $\frac{XQ}{PQ_1}$ (B) $\frac{Q_1P_1}{QP_1}$
(C) $\frac{Q_1P}{XQ_1}$ (D) $\frac{QQ_1}{X_1X_2}$

49. (A) सरल रेखीय माँग वक्र पर किसी बिंदु पर मांग की लोच उस बिंदु द्वारा बनाए गए निचले रेखांश और ऊपर वाले रेखांश के अनुपात के समान होगी। दिए गए रेखाचित्र में माँग वक्र का निचला रेखांश = XQ_1 तथा ऊपरी रेखांश = PQ_1 है।

अतः माँग की लोच $E_d = \frac{XQ_1}{PQ_1}$

52. 'हाइपर मुद्रास्फीति' की अवधारणा का प्रतिपादन किया था–

(A) जे. टोबिन ने (B) एम. फ्रीडमैन ने
(C) ए. लेविस ने (D) पी. केगन ने

50. (D) अधिक स्फीति या हाइपर स्फीति का अर्थ स्फीति की दर का तीन अंकों से भी अधिक होने से लगाया जाता है। हाइपर स्फीति में पत्र मुद्रा बिल्कुल बेकार हो जाती है। इसकी सर्वप्रथम चर्चा पी. केगन ने की थी।

51. नीचे एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख क्रियायें दी गयी हैं :

(i) आबंटन (ii) उत्पादन
(iii) वितरण (iv) स्थायीकरण

मसग्रेव के अनुसार उपर्युक्त में कौन–सी क्रिया में सरकार के कार्य क्षेत्र में आती है।

(A) (i) तथा (ii)
(B) (i), (ii) तथा (iii)
(C) (i), (iii) तथा (iv)
(D) उपर्युक्त चारों

51. (B) मसग्रेव के अनुसार, एक अर्थव्यवस्था में सरकार के कार्य क्षेत्र में निम्न क्रियाएँ आती हैं–

1. उत्पादन
2. वितरण
3. आबंटन

52. सीमान्त लागत औसत लागत के बराबर होती है, जबकि

(A) औसत लागत अधिकतम होती है
(B) सीमान्त लागत अधिकतम होती है
(C) औसत लागत न्यूनतम होती है
(D) सीमान्त लागत न्यूनतम होती है

52. (B)

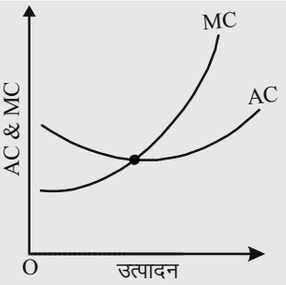

जब औसत लागत गिरती है तो सीमांत लागत औसत लागत से कम होती है और जब औसत लागत बढ़ती है, तो सीमांत लागत औसत लागत से ऊपर होती है। इसका अर्थ यह हुआ कि जब औसत लागत न्यूनतम होती है तो सीमांत लागत औसत लागत के बराबर होती है। उपर्युक्त रेखाचित्र में बिंदु–L पर औसत लागत और सीमांत लागत बराबर हैं, जहाँ औसत लागत न्यूनतम है।

53. बहु-बैंक सिस्टम में–

(A) मात्र एक बैंक साख विस्तार करता है
(B) कुछ बैंक निक्षेप विस्तार करते हैं
(C) सभी बैंक मिलकर निक्षेप विस्तार करते हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

53. (C) बहु–बैंक सिस्टम के अन्तर्गत सभी बैंक बहु–आयामी कार्य करते हैं। इसके अन्तर्गत कुछ–एक नहीं, बल्कि सारे बैंक मिलकर निक्षेप विस्तार करते हैं।

54. तरलता पाश से अभिप्राय है–

(A) पूर्णतः लोचहीन तरलता अधिमान वक्र
(B) पूर्णतः लोचदार तरलता अधिमान वक्र
(C) इकाई लोचयुक्त तरलता अधिमान वक्र
(D) इकाई से कम लोचयुक्त तरलता अधिमान वक्र

54. (B)

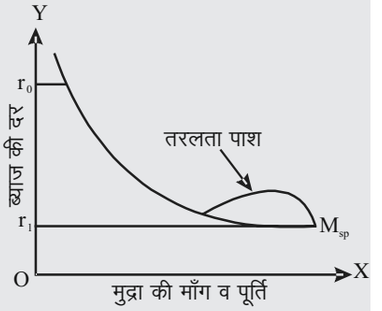

ब्याज दर के बहुत निचले स्तर पर (रेखांकित में r_1) मुद्रा की सट्टा प्रयोजन माँग ब्याज की दर के प्रति पूर्णतः लोचशील हो जाती है। ब्याज दर में मामूली से आनुपातिक परिवर्तन से ही सट्टा नकद कोष की माँग में बहुत भारी (विपरीत) बदलाव आ जाता है।

सभी लोग ब्याज दर को बहुत कम मानते हैं और उन्हें लगता है कि ये तो बस बढ़ने ही वाली है। इस दशा में बॉण्ड धारण में उन्हें भारी पूँजीगत हानि की आशंका दिखाई देती है। अतः ऐसी न्यूनतम ब्याज दर पर लोग बॉण्ड नहीं नकदी ही अपने पास रखते हैं। माँग वक्र के इस पूर्णतः लोचशील अंश को ही तरलता पाश कहा जाता है।

55. निम्नलिखित अल्पाधिकार के प्रारूपों में कौन 'मूल्य जड़ता' की व्याख्या करता है?

(A) मूल्य नेतृत्व
(B) कीमत वृद्धि
(C) विकुंचित माँग वक्र
(D) अधिकतम विक्रय

55. (C) विकुचित माँग वक्र सिद्धान्त के अनुसार, एक अल्पाधिकारी का माँग वक्र बाजार में प्रचलित कीमत पर विकुंचित होता है। विकुंचित माँग वक्र यह प्रदर्शित करता है कि अल्पाधिकारी बाजार में मूल्य जड़ता पाई जाती है।

56. हैरोज प्रतिमान में यदि $G < GW$ हो, तो अर्थव्यवस्था

(A) तेजी की दशा में होगी
(B) स्थिर संवृद्धि में होगी
(C) मन्दी की स्थिति में होगी
(D) स्थिर अवस्था में होगी

56. (C) यदि G < Gw तो बचत, निवेश की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ती है तथा आय में वृद्धि Gw से कम होगी। इस स्थिति में अर्थव्यवस्था मन्दी की स्थिति में होगी।

57. नीचे दिए आरेख में कीमत परिवर्तन के कारण प्रतिस्थापन प्रभाव दर्शाया गया है। X वस्तु की कीमत कम होने के कारण आय में क्षतिपूरक परिवर्तन की मात्रा होगा–

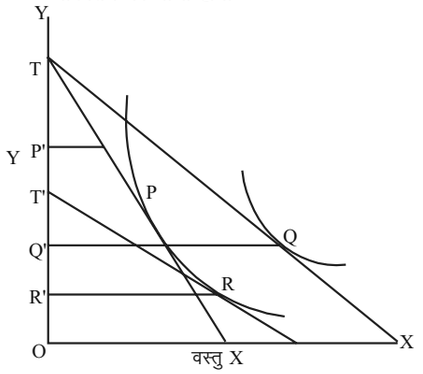

(A) TP' (B) P'Q
(C) TQ' (D) TT′

57. (D) दिये गये आरेख में X–वस्तु की कीमत कम होने के कारण आय में क्षतिपूरक परिवर्तन मात्रा TT′ होगी।

58. निम्नलिखित में से किसने मुद्रा को कल्याण के नापने का पैमाना बनाया–
(A) जे. एस. मिल (B) ए. मार्शल
(C) एल. रॉबिन्स (D) ए.सी. पीगू

58. (D) ए.पी. पीगू ने मुद्रा को कल्याण के नापने का पैमाना बनाया।

59. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा परिभाषित मुद्रा की पूर्ति में M_1 में सम्मिलित होता है–
(A) जनता के पास करेन्सी
(B) जनता के पास करेन्सी तथा बैंकों के पास माँग जमा
(C) जनता के पास करेन्सी तथा बैंकों के पास माँग सावधि जमा
(D) जनता के पास करेन्सी तथा राष्ट्रीय बचत संगठन के पास जमा

59. (B) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा परिभाषित मुद्रा की पूर्ति M_1 में सम्मिलित होता है–
M_3 = परिभ्रमण में नकदी (C) + बैंकों के पास लोगों की मांग जमाएँ (DD) + RBI की अन्य जमाएं (OD)।
यहाँ RBI की अन्य जमाओं का अर्थ उन जमाओं से है, जो सरकार तथा बैंकों की जमाओं से अलग हैं। इनमें कुछ सुनिश्चित संस्थाओं, विदेशी केन्द्रीय बैंक, IMF, World Bank आदि की जमाएं शामिल होती हैं। यह कुल मुद्रा पूर्ति कर एक छोटा हिस्सा है।
RBI, M_1 को संकीर्ण मुद्रा कहता है।

60. नीचे दिये केन्द्रीय सरकार के आय के साधनों को उनके कुल आगम मकें अंशदान के आधार पर अवरोही क्रम में रखिये। नीचे दिए हुए कूट में सही उत्तर चुनिये–
1. उत्पादन कर
2. आयकर
3. तट कर
4. निगम कर

कूट :

(A)	3	2	1	4
(B)	1	3	4	2
(C)	4	3	2	1
(D)	1	4	3	2

60. (B) वर्ष 2016–17 के बजट में इन करों का कुल राजकीय आगम में योगदान का क्रम निम्नवत् हैं–
1. निगम कर – 19 पैसे
2. आयकर – 14 पैसे
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क – 12 पैसे
4. सीमा शुल्क – 9 पैसे

केन्द्रीय बजट 2017–18 के आँकड़ों के अनुसार करों का राजकीय आगम ने निम्न योगदान है–
1. निगम कर – 19 %
2. आयकर – 16 %
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क – 14 %
4. सीमा शुल्क – 9 %

❑❑